कोलकाता रविवार 5 जुलाई, 2020, रु. 5.00 (10 पेज) कोलकाता, दिल्ली, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित (डाक सोमवार 6 जुलाई, 2020, 10 पेज रु. 5.00)

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

चौबीस घंटे में 22,500 से ज्यादा संक्रमित

देश में कोरोना मरीजों की संख्या 6,48,315 हुई

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जुलाई।

देश में कोरोना विषाणु संक्रमण के मामलों में चौबीस घंटों के दौरान रेकॉर्ड 22,771 वृद्धि दर्ज की गई है। इसके कारण संक्रमितों की कुल संख्या 6,48,315 पहुंच गई। एक सप्ताह के दौरान संक्रमण के 1,39,362 मामले बढ़े हैं।

इस महामारी से अब तक 18,655 लोगों ने अपने जान गंवाई है। एक दिन के दौरान 442 मरीजों की मौत हुई है। स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 3,94,226 इसकी दर 60.81 फीसद हो गई है। अभी 235433 मरीजों का इलाज जारी है।

महाराष्ट्र में सर्वाधिक मृत्यु

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 घंटे में मरने वालों में महाराष्ट्र के 198, तमिलनाडु के 64, दिल्ली के 59, कर्नाटक के 21, पश्चिम बंगाल के 18, गुजरात के 18, उत्तर प्रदेश के 14, राजस्थान के 10, तेलंगाना के आठ, आंध्र प्रदेश के आठ, पंजाब के पांच, हरियाणा के चार, मध्य प्रदेश के चार, जम्मू कश्मीर के चार, बिहार के तीन, असम के दो के ओड़ीशा के दो मरीज शामिल हैं।

अब तक सबसे ज्यादा मौत महाराष्ट्र में

कोरोना से महाराष्ट्र में सर्वाधिक 8376 लोगों की मौत हुई **बाकी पेज 8 पर**

95,40,132
शुक्रवार तक कुल जांच

60.81
फीसद स्वस्थ होने वालों की दर

रोजाना वृद्धि
4 जुलाई : 22771
3 जुलाई : 20903
2 जुलाई : 19148

रोजाना स्वस्थ
4 जुलाई : 14335
3 जुलाई : 20032
2 जुलाई : 11881

रोजाना मौतें
4 जुलाई : 442
3 जुलाई : 379
2 जुलाई : 434

नई दिल्ली स्थित दिल्ली हाट को विषाणु रहित करता कर्मचारी।

टीका कार्यक्रम पर वैज्ञानिकों ने सतर्क रहने को कहा

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

भारतीय कोविड-19 टीका कार्यक्रम को लेकर वैज्ञानिकों ने शनिवार को कहा कि इसे उच्च प्राथमिकता देने में जल्दबाजी बरतने से बचना होगा। टीका विकसित होने में कई महीना यहां तक सालों लग सकते हैं। वैज्ञानिकों की यह सलाह आइसीएमआर द्वारा अगले महीने टीके के उत्पादन की शुरुआत करने की घोषणा के एक दिन बाद आई है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) शुक्रवार को कोविड-19 के खिलाफ दुनिया का पहला टीका 15 अगस्त तक बाजार **बाकी पेज 8 पर**

पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी दुबे का घर जमींदोज

कानपुर में पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी विकास दुबे के घर को जेसीबी से ढाहता प्रशासनिक अमला। इस मामले में चौबेपुर के थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 25 टीमें गठित की हैं जो कई जिलों में सघन छापेमारी कर रही है। उसके बारे में सूचना देने वाले को 50 हजार के इनाम की घोषणा भी की गई है। लगभग 500 मोबाइल फोन को निगरानी पर रखा गया है। - खबर पेज 8 पर

स्टार्ट-अप और तकनीकी क्षेत्र से आत्मनिर्भरता का आह्वान

प्रधानमंत्री ने ऐप बनाने के लिए युवाओं को दी चुनौती

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जुलाई।

सरकार द्वारा 59 चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ दिन बाद ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को स्टार्ट-अप और तकनीकी क्षेत्र के लोगों को 'आत्मनिर्भर भारत ऐप नवप्रवर्तन चुनौती' में भाग लेने को आमंत्रित किया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने प्रधानमंत्री के इस एलान को लेकर ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री ने भारतीय ऐप निर्माताओं और नवोन्मेषकों को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी शुरुआत की है। इस चुनौती को सरकार और प्रौद्योगिकी समुदाय दोनों मिलकर संचालित करेंगे।

प्रधानमंत्री ने लिंक्डइन पर लिखे अपने लेख में कहा, भारत निर्मित ऐप बनाने के लिए लोगों में उत्साह, मैं भी कर सकता हूं आपके बनाए ऐप का इस्तेमाल

प्रधानमंत्री मोदी **बाकी पेज 8 पर**

मोदी ने की बिहार भाजपा कार्यकर्ताओं की तारीफ

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जुलाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भाजपा के बिहार के कार्यकर्ताओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बिहार भाजपा के कार्यकर्ता और लोग बधाई के पात्र हैं। कई लोग कह रहे थे कि उच्च तापमान के कारण कोरोना देश के पूर्वी हिस्सों में तेजी से फैलेगा, लेकिन आप सभी ने इसे गलत साबित किया।

इस आयोजन में बिहार के अलावा भाजपा की सात राज्य इकाइयों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से अपने कार्यों का प्रस्तुतिकरण प्रधानमंत्री के समक्ष दिया। मोदी ने महाराष्ट्र और बिहार इकाइयों के कामकाज की तारीफ मराठी और भोजपुरी भाषाओं **बाकी पेज 8 पर**

प्रधानमंत्री ने भोजपुरी में कहा, कोरोना पर आपने आशंकाओं को गलत साबित किया

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते प्रधानमंत्री।

एक पखवाड़े तक छह शहरों से कोलकाता की उड़ानों पर रोक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जुलाई।

दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, नागपुर और अहमदाबाद से कोलकाता के लिए छह से 19 जुलाई के बीच कोई भी यात्री उड़ानें संचालित नहीं होंगी। कोलकाता हवाई अड्डा प्रशासन ने शनिवार को इसकी घोषणा की। यह फैसला देश में कोरोना विषाणु संक्रमण के मामले लगातार बढ़ने के मद्देनजर लिया गया है। इससे पहले बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार से कोविड-19 के अधिक मामले वाले राज्यों से कोलकाता आने वाली घरेलू उड़ानों को 31 जुलाई तक रोकने का आग्रह किया था।

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव राजीव सिन्हा ने 30 जून को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनुरोध किया था कि कोविड-19 मामलों में अधिक वृद्धि को देखते हुए राज्य के लिए दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर, चेन्नई, इंदौर, अहमदाबाद और सूरत जैसे शहरों से छह जुलाई से 19 जुलाई के बीच किसी भी उड़ान का संचालन न किया जाए।

कोलकाता हवाईअड्डा प्रशासन ने शनिवार को ट्विटर पर कहा, 'यह सूचित किया जाता है कि दिल्ली, मुंबई, **बाकी पेज 8 पर**

दिल्ली, मुंबई, चेन्नई व तीन अन्य शहरों से छह से 19 जुलाई के बीच यात्री उड़ान नहीं होगी

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार से घरेलू उड़ानें 31 जुलाई तक रोकने का आग्रह किया था

राजौरी में आतंकी ठिकाने से हथियारों का जखीरा बरामद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जुलाई।

जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में दूरदराज के एक गांव में शनिवार को आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और वहां से हथियार एवं गोला बारूद का जखीरा बरामद किया गया। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि थाना मंडी इलाके के दरदासन गांव में पुलिस तथा राष्ट्रीय राइफल्स के संयुक्त तलाश अभियान के दौरान आतंकवादी ठिकाने का खुलासा हुआ। हथियारों के जखीरे से अंदाज लगाया गया है कि आतंकवादी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

उन्होंने बताया **बाकी पेज 8 पर**

चीनी पिस्तौलें, राइफल ग्रेनेड, अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर (यूबीजीएल), एके असॉल्ट राइफल और आइईडी बनाने में इस्तेमाल बैटरियां जब्त की गई

मणिपुर में नगा उग्रवादियों की हथियार फैक्टरी पकड़ी गई - खबर पेज 8 पर

लेह के अस्पताल को लेकर आरोप को रक्षा मंत्रालय और सेना ने कहा, बेबुनियाद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जुलाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को लेह का दौरा किया और जवानों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने लेह स्थित अस्पताल का भी दौरा किया और वहां भर्ती जवानों से उनका हाल जाना। इस दौरान अस्पताल में ली गई उनकी तस्वीर को लेकर शुरू हुए विवादों को लेकर रक्षा मंत्रालय और सेना ने अलग-अलग स्पष्टीकरण जारी किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने पूरे विवाद को बेबुनियाद बताते हुए आलोचनाओं को दुर्भावनापूर्ण एवं निराधार बताया है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'तीन जुलाई को लेह के जनरल अस्पताल दौरे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कुछ लोगों द्वारा दुर्भावनापूर्ण और निराधार आरोप लगाए जा रहे हैं। यहां यह स्पष्ट करना होगा कि प्रधानमंत्री ने जहां का दौरा किया, वह अस्पताल का एक हिस्सा है। यह बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण **बाकी पेज 8 पर**

रक्षा मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री ने जहां का दौरा किया, वह जनरल अस्पताल का हिस्सा और वहां 100 बिस्तरों का इंतजाम

सेना ने कहा, इस कक्ष का इस्तेमाल 'प्रशिक्षण दृश्य श्रव्य सभागार' के रूप में किया जाता था। कोविड-19 के मरीजों के उपचार के लिए चिह्नित करने के बाद से इसे वार्ड में बदला गया

शुरू होगा कीमत युद्ध | एक साथ सौ लोगों से होगी बात

जूम को टक्कर देगा रिलायंस का जियोमीट

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

फेसबुक और इन्टेल जैसी कंपनियों को अपने डिजिटल कारोबार में हिस्सेदारी बेच कर अरबों डॉलर जुटाने के बाद अब रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जूम को टक्कर देने की तैयारी की है। मुकेश अंबानी की कंपनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऐप 'जियोमीट' पेश की है, जिसमें असीमित मुफ्त कॉलिंग की सुविधा मिलेगी। रिलायंस के इस कदम को प्रतिद्वंद्वी जूम के साथ 'कीमत युद्ध' के रूप में देखा जा रहा है।

बीटा परीक्षण के बाद जियोमीट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऐप एंड्रॉयड, आइओएस, विंडोज, मैकओएस और वेब पर उपलब्ध है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार जियोमीट पर एचडी ऑडियो और वीडियो कॉल की गुणवत्ता मिलेगी। इसमें एक साथ 100 लोगों को जोड़ा जा सकता है। इसमें स्क्रीन साझा करने, पहले से **बाकी पेज 8 पर**

चौबीस घंटे बैठकें

जियोमीट के जरिये एक दिन में कितनी भी बैठकें आयोजित की जा सकती हैं और कोई भी बैठक बिना किसी बाधा के 24 घंटे चल सकती है। प्रत्येक बैठक पासवर्ड से संरक्षित है। बैठक आयोजित करने वाला व्यक्ति 'वेटिंग रूम' की सुविधा का इस्तेमाल कर सकता है। इससे कोई भी भागीदार बैठक में बिना अनुमति शामिल नहीं हो सकता।

जनसत्ता रविवारी
5 जुलाई, 2020
रविवारी के स्तंभ आज पढ़ें
पेज 7 पर

जियोमीट में समय की कोई सीमा नहीं होने की वजह से शिक्षकों को अपनी ऑनलाइन कक्षाओं को छोटा करने की जरूरत नहीं होगी।

RP-Sanjiv Goenka Group
Growing Legacies

CESC LIMITED

पहले इस्तेमाल, फिर भुगतान

मीटर रीडिंग 8 जून, 2020 से शुरू की गई है।

लॉकडाउन के समय मीटर की रीडिंग नहीं की जा सकी थी, इसलिए हमने नियामक निर्देशों के अनुसार अस्थायी बिल जारी किया था।

अप्रैल 2020 एवं मई 2020 के लिए औसत बिल पिछले 6 महीने के उपयोग के आधार पर तैयार किए गए थे (जिनमें से अधिकांश सर्दी के महीने थे, जब बिजली का उपयोग आमतौर पर काफी कम होता है)।

अस्थायी बिल के लिए आपकी ओर से किए गए भुगतान को अब वास्तविक मीटर रीडिंग के आधार पर आपके बिल में उचित स्लैब फायदों के साथ एडजस्ट किया जाएगा।

इस संबंध में हम आपसे एक और महीने सहयोग करने का अनुरोध करते हैं।

किसी भी स्पष्टीकरण के लिए
कृपया हमसे इन नम्बरों पर संपर्क करें
1912/4403 - 1912/1860 - 500 - 1912

कोरोना : बिहार में मरीजों की संख्या 11,111 हुई, अब तक 84 की मौत

पटना, 4 जुलाई (भाषा)।

बिहार में कोरोना संक्रमण से मौत के छह नए मामले सामने आने के बाद मृतकों की संख्या 84 हो गई है, वहीं संक्रमण के 197 नए मामले सामने आने के साथ राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या 11,111 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में यह जानकारी दी गई।

राज्य में इस समय कोरोना के 2,816 मरीजों का इलाज चल रहा है, वहीं 8,211 रोगी स्वस्थ हो चुके हैं।

शुक्रवार देर रात को जारी बुलेटिन के अनुसार बिहार में कोविड-19 के 197 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या 11,111 हो गई है। इसमें बताया गया है कि इस महामारी से छह और लोगों की मौत हो गई जिसके बाद राज्य में अब तक कुल 84 लोग संक्रमण से जान गंवा चुके हैं। राज्य के सभी 38 जिलों में कोविड-19 के मामले सामने आए हैं।

बुलेटिन के मुताबिक सबसे अधिक संक्रमण के मामले पटना (1016), भागलपुर (552), मधुबनी (490), बेगूसराय (476), सिवान (467), मुजफ्फरपुर (398), मुंगेर (377), समस्तीपुर (365), रोहतास (362) और कटिहार (350) जिलों में हैं।

मिजोरम में बीएसएफ के दो जवान संक्रमित

एजल, 4 जुलाई (भाषा)।

मिजोरम के लुंगलेई जिले में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दो जवान कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं जिसके बाद राज्य में संक्रमण के मामलों की संख्या 164 हो गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि 50 और 53 वर्ष के ये दो जवान हाल ही में केरल से लौटे हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को ट्रूनेट मशीन की मदद से लुंगलेई में इन दो जवानों में कोविड-19 की पुष्टि हुई।

ओड़ीशा में मरने वालों की संख्या 34 हुई, कुल संक्रमित 8,601 पहुंचे

भुवनेश्वर, 4 जुलाई (भाषा)।

ओड़ीशा में चार और लोगों की कोविड-19 से मौत होने के साथ ही मृतकों की संख्या 34 हो गई है जबकि 495 नए मामले आने के साथ संक्रमित मरीजों की संख्या 8,601 हो गई है।

एक स्वास्थ्य अधिकारी ने शनिवार को बताया कि गंजम में तीन और लोगों की मौत हुई जबकि भुवनेश्वर (खुर्दा जिला) में दो लोगों की मौत हुई। अधिकारी ने बताया कि कटक जिले में कोविड-19 के एक अन्य मरीज की मौत हुई है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने मौत की वजह दूसरी बीमारियों को बताया है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित गंजम जिले में अब तक 20 लोगों की मौत हुई है जबकि सात लोगों की मौत खुर्दा, चार की कटक और एक-एक शख्स की मौत पुरी, बारगढ़ तथा अंगुल में हुई है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने बताया कि इस बीच 24 जिलों से कोरोना के 495 नए मामले आने के साथ ही राज्य में संक्रमितों की संख्या 8,601 हो गई है। उसने बताया कि नए मरीजों में से 355 एकांतवासकेंद्रों में रह रहे थे जबकि 140 मरीज संक्रमितों के संपर्क में आए थे।

विभाग ने बताया कि सबसे अधिक 216 मामले गंजम में सामने आए। इसके बाद खुर्दा में 50, सुंदरगढ़ में 36, मयूरभंज में 28, अंगुल में 24, पुरी में 18 और कटक तथा बालासोर में 13-13 लोग संक्रमित पाए गए। अधिकारियों ने बताया कि कुल 8,601 मरीजों में से 2,853 अब भी संक्रमित हैं जबकि 5,705 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। ओड़ीशा में अभी तक 2,87,090 लोगों की कोविड-19 के लिए जांच की गई है जिनमें से 5,567 लोगों की जांच शुक्रवार को की गई।

बंगाल की बेरोजगारी दर देश के मुकाबले बहुत कम : ममता

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को सेंटर फॉर मानिटरिंग इंडियन इकोनामी की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी दर देश से काफी कम है। उन्होंने कहा कि इस साल जून में राज्य की बेरोजगारी दर 6.5 प्रतिशत रही, यह दर देश की 11 प्रतिशत के मुकाबले कहीं बेहतर हैं।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश व हरियाणा के मुकाबले भी यहां बेरोजगारी दर काफी कम है। पश्चिम बंगाल कोरोना महामारी के साथ-साथ चक्रवाती तूफान अम्फान की तबाही से जूझ रहा है। इसके बावजूद मजबूत आर्थिक रणनीति की बदौलत यहां बेरोजगारी दर काफी कम है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट करके यह जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि हमने कोविड -19 और चक्रवात अम्फान की वजह से हुई तबाही से निपटने के लिए एक मजबूत आर्थिक रणनीति लागू की है। उन्होंने लिखा कि सीएमआइई के मुताबिक जून महीने में पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी दर 6.5 फीसदी रही, जबकि देश की बेरोजगारी दर 11 फीसदी रही। इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश और हरियाणा की बेरोजगारी दर से भी काफी कम है। उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर 9.6 एवं हरियाणा में 33.6 प्रतिशत रही।

इससे पहले बुधवार को सेंटर फॉर मानिटरिंग इंडियन इकोनामी की ओर से जारी आंकड़ों में कहा गया कि भारत में बेरोजगारी की दर मई में 23 प्रतिशत की तुलना में जून में घटकर 11 प्रतिशत रह गई। देश के अधिकांश हिस्सों में वितरित आंकड़ों को ग्रामीण और शहरी बेल्ट में समान रूप से विभाजित करते हुए रिसर्च संस्था ने कहा कि नौकरी की स्थिति पूर्णबंदी से पहले की तरह हो रही है।

इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्र से असंगठित क्षेत्र के लोगों सहित प्रवासी मजदूरों को एकमुश्त सहायता के रूप में प्रत्येक को 10,000 रुपए देने की मांग की थी। इसके लिए पीएम केअर्स के एक हिस्से का इस्तेमाल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा था कि मौजूदा महामारी के चलते लोगों को आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पीएम-केयर्स फंड के एक हिस्से का इस्तेमाल लोगों की मदद के लिए किया जा सकता है।

'स्वदेशी खाएंगे, पहनेंगे व बेचेंगे'

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से कहा है कि भाजपा की ओर से राज्य में फैलाई जा रही अस्थिरता का डट कर मुकाबला करें। इसके साथ ही उन्होंने दो नए नारे दिए हैं। इसमें एक बंगाल की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं करेंगे और दूसरा स्वदेशी अपनाएंगे, स्वदेशी खाएंगे, स्वदेशी पहनेंगे और बेचेंगे शामिल है।

उन्होंने दल के नेताओं से कहा है कि भाजपा कोरोना और अम्फान को लेकर दुष्प्रचार कर रही है। इसका उचित जवाब देना होगा। भाजपा राहत सामग्री लेकर गड़बड़ी कर रही है। बीडियो दफ्तरों में तोड़फोड़ कर रही है। राज्य में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रही है, इसके जवाब में आप लोग प्रचार में उतरें। निजीकरण के विरोध में सभी रेलवेस्टेशनों पर 7 जुलाई को विरोध प्रदर्शन करने, 22 बार तेल की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ 6 जुलाई से 13 जुलाई तक सभी पेट्रोल पंप के सामने प्रदर्शन, 8 जुलाई को सभी राज्यवासी अपने घरों की छत पर तेल की कीमतें क्यों बढ़ाई गई प्लेकार्ड पर लिख कर केंद्र से जवाब तलब करेंगे। 9 जुलाई कोल इंडिया के सामने विरोध प्रदर्शन, 10 जुलाई बैंकों के सामने प्रतिवाद का आयोजन, 21 जुलाई राज्य के 80 हजार बूथों में दोपहर एक बजे से लेकर 2 बजे तक शहीद दिवस का पालन किया जाएगा। दोपहर 2 से लेकर 3 बजे तक मुख्यमंत्री संबोधित करेंगी। यह सारे कार्यक्रम मास्क पहन कर और सामाजिक दूरी का पालन करते हुए आयोजित किए जाएंगे।

शहीद दिवस पर जनसभा के बजाए आभासी रैली

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

वाममोर्चा सरकार के खिलाफ युवा कांग्रेस नेत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में 1993 में मारे गए 13 कार्यकर्ताओं की याद में हर साल महानगर में आयोजित की जाने वाली शहीद रैली इस साल मैदान के बजाए डिजीटल माध्यमों पर (आभासी रैली) की जाएगी। ममता बनर्जी 1994 से लगातार हर साल इस मौके पर अपनी शक्ति प्रदर्शन के साथ ही दल के साल भर के कार्यक्रम की रूपरेखा लोगों के सामने पेश करती हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दल के नेताओं से उन्होंने कहा कि सामाजिक दूरी का पालन करते हुए राज्य के सभी बूथों पर तीन-तीन लोग इकट्ठा होकर शहीद दिवस का आयोजन करेंगे, इसमें विधायक और सांसद भी शामिल होंगे। कोषाध्यक्ष तमोनाश घोष के निधन के बाद दक्षिण 24 परगना जिला तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष शुभाशीष चक्रवर्ती को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

मणिपुर में राजनीतिक संकट जल्द खत्म हो जाएगा : बिरेन सिंह

इंफल, 4 जुलाई (भाषा)।

गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात के बाद दिल्ली से लौटने पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह ने कहा कि राज्य में हाल ही में पैदा हुआ राजनीतिक संकट जल्द ही खत्म हो जाएगा। सहयोगी दल नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के चार मंत्रियों के इस्तीफों और शाह और नड्डा के हस्तक्षेप के बाद उनके राजग में लौटने के बाद यह राष्ट्रीय राजधानी का बिरेन का पहला दौरा था।

दिल्ली से लौटने पर शुक्रवार शाम को मुख्यमंत्री ने इंफल हवाई अड्डे पर खुद कोरोना की जांच कराई और जांच नतीजों में संक्रमित न पाए जाने के बाद ही घर के लिए रवाना हुए। उन्होंने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि दिल्ली का दौरा अच्छा था और केंद्रीय नेता मणिपुर में राज्यसभा चुनाव में अहम जीत को लेकर काफी खुश हैं।

मणिपुर से राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए 19 जून का चुनाव सत्तारूढ़ गठबंधन के नौ सदस्यों के इस्तीफे के बाद पैदा हुए राजनीतिक संकट की पृष्ठभूमि में हुआ। चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार लिशेम्बा सनजाओबा ने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी को पराजित किया। एनपीपी मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किए जाने पर सवालों के जवाब में सिंह ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ज्यादा हस्तक्षेप नहीं करता है। हमारी एक राष्ट्रीय पार्टी है। राष्ट्रीय नेताओं की सलाह और सुझाव लेना मेरा कर्तव्य है। दरअसल सरकार से इस्तीफा देते हुए एनपीपी के मंत्रियों ने मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को अहम वजहों में से एक बताया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि केंद्रीय नेताओं के आशीर्वाद से हर चीज का जल्द ही समाधान निकल आएगा। जेड सुरक्षा दिए जाने पर उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं थी और एक जुलाई को गृह मंत्री से मुलाकात के बाद इसके बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि मुझे खुद कोई जानकारी नहीं थी और मैं हैरान था। साथ ही उन्होंने कहा कि खुफिया एजंसियों की सूचनाओं के आधार पर ही ऐसा किया गया होगा। इस राजनीतिक संकट के खत्म होने के बाद बिरेन सिंह अपनी ही पार्टी और सहयोगी दलों के विधायकों की मंत्री पद की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की एक अन्य चुनौती का सामना कर रहे हैं, जिसके लिए वह केंद्रीय नेताओं से सलाह ले सकते हैं।

आजीविका असम के मोरीगांव जिले में शनिवार को बाढ़ प्रभावित पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य में मछली पकड़ते ग्रामीण।

मंगलाहाट पर पूर्णबंदी की मार

करीब 100 दिनों के बाद भी दुकानें खोलने की नहीं मिली मंजूरी

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

एशिया का कपड़ों का सबसे बड़ा केंद्र यानी ऐतिहासिक मंगलाहाट पूर्णबंदी के बाद से ही बंद पड़ा है। एक ओर जहां व्यवसायी लगातार मंगलाहाट को खोलने की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोग इस बात को सोच कर ही डर जा रहे हैं। अगर हाट खुल गया तो संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। मंगलाहाट में हजारों व्यवसायी आते हैं। साथ ही यहां फुटपाथ पर भी बाजार लगता है। इसमें बाहर के जिलों से लोग माल खरीद व बिक्री के लिए आते हैं। जगह की कमी होने के कारण यहां पर हाट लगने से बंगबासी ब्रिज से लेकर जीटी रोड तक जाम लग जाता था। हालांकि व्यवसायिओं के एक वर्ग की ओर से लगातार हाट खोलने की मांग की जा रही है लेकिन प्रशासन इसके लिए बिल्कुल तैयार नहीं है।

मंगलाहाट के दुकानदारों की ओर से लगातार यह मांग हो रही है कि जिस प्रकार बांकड़ा व मटियाब्रुज के बाजारों को आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। उसी प्रकार हाट को भी आम लोगों के लिए खोल दिया जाए। व्यवसायी लगातार पोस्टर व बैनर लगाकर इसकी मांग कर रहे हैं। कई व्यवसायी संगठनों का कहना है कि इससे लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा है। करीब 100 दिनों से उनका व्यवसाय पूरा ठप है। इसके साथ ही कारीगर, दर्जी, कटरमैन, इम्ब्रोडरीवाला, महाजन, श्रमिक सभी की दुर्व्यवस्था हो गई है। ऐसे में वे लोग चाहते हैं कि प्रशासन के साथ बातचीत कर वे आगामी 7 जुलाई को हाट खोल दे। वर्तमान में वे सप्ताह में 4 दिनों तक सुबह 10 बजे से 3 बजे तक व्यवसाय करना चाहते हैं।

हावड़ा थाना इलाके के पीके बनर्जी रोड जो कि निषिद्ध क्षेत्र के अधीन आता है। इसके कारण आसपास के कई इलाकों को भी सतर्क किया गया है। चूंकि मंगलाहाट जहां लगाया जाता है। वहां पर पुलिस आयुक्त का कार्यालय, हावड़ा अस्पताल, हावड़ा कोर्ट, जिलाधिकारी कार्यालय व हावड़ा थाना समेत अन्य आवश्यक कार्यालय मौजूद है। ऐसे में लोगों का कहना है कि अगर बाजार के साथ ही हाट को खोला गया तो यहां सामाजिक दूरी का पालन कर पाना मुश्किल होगा और कोरोना के फैलने का डर भी अधिक हो जाएगा। उन्हें दुकानें खोलने दी जानी चाहिए, लेकिन रास्ते पर दुकानें न लगाई जाएं। इससे भीड़ होगी। इसके साथ ही भाजपा के कई नेता भी इसका परस्पर विरोध कर रहे हैं।

इस बारे में भाजपा जिला के पूर्व अध्यक्ष व स्थानीय निवासी अंबुज शर्मा ने कहा कि यहां पर अधिकतर प्रशासनिक भवन है। हाट लगने से आम तौर पर काफी भीड़ होती है।

किन्नरों को मासिक पेंशन देगी ओड़ीशा सरकार

भुवनेश्वर, 4 जुलाई (भाषा)।

ओड़ीशा सरकार ने जरूरतमंदों को मासिक पेंशन देने वाली समाज कल्याण योजना में किन्नर समुदाय के सदस्यों को भी शामिल करने का फैसला किया है।

सामाजिक सुरक्षा और दिव्यांग जन सशक्तीकरण (एसएसईपीडी) मंत्री अशोक पांडा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करीब 5,000 किन्नरों को उनकी आयु के आधार पर 500 से 900 रुपए मासिक पेंशन दी जाएगी। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बेसहारा बुजुर्गों, दिव्यांग जन और विधवाओं को वित्तीय मदद देने वाली मधु बाबू पेंशन योजना के लाभार्थियों में किन्नर समुदाय के लोगों को भी शामिल किए जाने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि यह फैसला 2019 विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ बीजद के चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों के मद्देनजर किया गया है। पांडा ने कहा कि इस योजना के तहत पंजीकरण के लिए किन्नर समुदाय के लोगों को आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से करीब 5,000 ट्रांसजेंडरों को लाभ होगा।

किन्नरों के संघों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। पांडा ने बताया कि ओड़ीशा सरकार ने कोविड-19 संकट के मद्देजनर इस योजना के मौजूदा 48 लाख लाभार्थियों को एक-एक हजार रुपए की एक बार अतिरिक्त सहायता देने का भी फैसला किया है।

बसों की कमी ने बढ़ाई यात्रियों की परेशानी

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

कोरोना काल में निजी बसों की संख्या यात्रियों की आशाओं पर खरी नहीं उतर रही है। वैसे बीते दो दिनों में सड़कों पर दौड़ने वाली बसों की संख्या बढ़ी है लेकिन फिर भी यात्रियों को बस संकट से जूझना पड़ रहा है।

निजी बस मालिक किराया वृद्धि की मांग को लेकर बार-बार अपील कर रहे हैं। बस किराया वृद्धि के मुद्दे पर ज्वाइंट काउंसिल ऑफ बस सिंडिकेट ने एक बैठक की। इसके बाद महासचिव तपन बनर्जी ने कहा कि जब तक हो सकेगा हम परिसेवा देंगे। हालांकि परिस्थिति हाथ से निकल रही है। किराया में वृद्धि ही एकमात्र विकल्प है। दूसरी ओर, महानगर के विभिन्न बस मार्गों पर निजी बस कम ही चलती देखी गई। यात्रियों को कम बसों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। विभिन्न जगहों पर यात्रियों की भीड़ नजर आती है।

हालांकि बार-बार सामाजिक दूरी का पालन करने की सलाह सरकार की ओर से दी जा रही है। धर्मतला में देखा गया कि सरकारी बसों को पकड़ने के लिए यात्रियों की भीड़ इस कदर थी कि मानो लोग एक-दूसरे पर गिरते-पड़ते नजर आए। सामाजिक दूरी के नियमों को यहां के टिकट काउंटर पर ही यात्री भूल से गए हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों का मानना है कि यही स्थिति रही तो कोरोना के मामले जल्द कम नहीं होंगे।

ऑल प्राइवेट लांग रूट बस वर्कर्स यूनियन के शाहिल वारसी ने बताया कि शाम होते ही धर्मतला में बस अड्डे की स्थिति भयावह नजर आती है। यात्री बसों पर लटककर बीरभूम, बर्दवान, बारासात, बारुईपुर समेत अन्य जगहों की यात्रा करने को मजबूर हैं। दरअसल अब भी सरकारी व निजी बसें काफी कम हैं।

खबर कोना

बोधगया में शनिवार को धर्म चक्र दिवस के अवसर पर पूजा-अर्चना करते महाबोधि मंदिर के बौद्ध भिक्षु।

जेलों में कैदी तैयार कर रहे मास्क

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

कोरोना काल में मास्क और दो गज की दूरी को दवा बताया गया है। जब तक कोरोना की कोई दवाई या टीका नहीं आ जाता तब तक प्रशासन ने सभी से मास्क और सामाजिक दूरी मानने को कहा है। इस क्रम में जेल के कैदी भी पीछे नहीं है। राज्य के संशोधनागार विभाग के मंत्री उज्ज्वल विश्वास ने बताया कि राज्य के सभी बड़े जेलों में कैदी मास्क तैयार कर रहे हैं। ये मास्क वे खुद ही इस्तेमाल कर रहे हैं। विभागीय एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य के 60 जेलों में से जो बड़े जेल हैं उनमें महिला और पुरुष कैदी एक दिन में करीब 2000 तक मास्क तैयार कर लेते हैं। जिन जेलों में तैयार नहीं होता है वहां भी भेजे जाते हैं। अधिकारी के मुताबिक जेल प्रबंधन की तरफ से हरे रंग का कपड़ा मुहैया कराया जाता है। उन कपड़ों से ही मास्क तैयार किया जाता है। मंत्री ने बताया कि जेलों में सुरक्षा के सारे इंतेजाम हैं। सभी के लिए मास्क पहनना अनिवार्य है। साथ ही उन्हें समय-समय पर हाथ धोने के लिए साबुन दिया जाता है। ऐसे बंदोबस्त सभी जेलों में किए गए हैं। वहीं जो नए कैदी आते हैं उन्हें पहले 15 दिनों तक एकांतवास में रखा जाता है। सब कुछ ठीक रहा तो ही उसे वार्ड में शिफ्ट किया जाता है। मंत्री ने कहा कि कोरोना के लक्षण किसी कैदी में है या नहीं इस बात पर नजर रखी जाती है। उन्होंने कहा कि जरा भी लक्षण मिलने पर कोरोना की जांच होती है।

अशोक भट्टाचार्य हुए संक्रमण मुक्त, सोमवार को मिलेगी अस्पताल से छुट्टी

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

सिलीगुड़ी नगर निगम के मुख्य प्रशासक अशोक भट्टाचार्य कोरोना मुक्त हो गए हैं। पूर्व मेयर और वरिष्ठ माकपा नेता की रिपोर्ट नकारात्मक आने पर उन्होंने खुशी का इजहार किया है और उनकी सेहत के बारे में चिंता व्यक्त करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर रिपोर्ट नकारात्मक आने की सूचना देते हुए लिखा है कि कोरोना का मतलब मौत नहीं होता और यह जंग भी जीत सकते हैं। अस्पताल सूत्रों न बताया कि उन्हें कोरोना नहीं है, लेकिन दूसरी बीमारी के कारण फिलहाल अस्पताल से छुट्टी नहीं दी जा रही है। सोमवार को उन्हें छुट्टी दी जाएगी। माकपा नेता ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति आभार जताते हुए उन्हें धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री ने फोन करके उनकी पत्नी से हालचाल पूछने के साथ ही पर्यटन मंत्री गौतम देव से उनकी सेहत का ख्याल रखने के लिए कहा था। माकपा नेता ने डॉक्टरों, अपने चाहने वालों, कला, खेल और साहित्य से जुड़े लोगों को भी उनकी स्वास्थ्य के बारे में चिंता प्रकट करने के लिए धन्यवाद कहा है।

This is only an advertisement for information purposes and not for publication, distribution or release directly or indirectly outside India. This is not an announcement for the offer document. All capitalized terms used and not defined herein shall have the meaning assigned to them in the letter of offer dated June 28, 2020 (the "**Letter of Offer**" or **"LOF"**) filed with the Stock Exchanges, namely BSE Limited ("**BSE**") and National Stock Exchange of India Limited ("**NSE**" and together with BSE, "**Stock Exchanges**") and the Securities and Exchange Board of India ("**SEBI**").

ADITYA BIRLA FASHION AND RETAIL LIMITED

Our Company was incorporated as 'Peter England Fashions and Retail Limited' at Bangalore on April 19, 2007, as a public limited company under the Companies Act, 1956. Subsequently, the name of our Company was changed to 'Pantaloons Fashion & Retail Limited' with effect from April 23, 2013 and to 'Aditya Birla Fashion and Retail Limited' with effect from January 12, 2016. For details of change in our name and the Registered and Corporate Office of our Company, see *"General Information"* and *"History and Corporate Structure"* beginning on pages 42 and 84, respectively of the LOF.

Registered and Corporate Office: Piramal Agastya Corporate Park, Building 'A', 4th and 5th Floor, Unit No. 401,403, 501, 502, L.B.S. Road, Kurla, Mumbai 400 070. **Contact person:** Ms. Geetika Anand, Company Secretary and Compliance Officer; **Telephone:** +91 86529 05000 | **E-mail id:** secretarial.abfrl@adityabirla.com | **Website:** www.abfrl.com

Corporate Identity Number: L18101MH2007PLC233901

PROMOTER OF OUR COMPANY: BIRLA GROUP HOLDINGS PRIVATE LIMITED

FOR PRIVATE CIRCULATION TO THE ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS OF ADITYA BIRLA FASHION AND RETAIL LIMITED (OUR "COMPANY" OR THE "ISSUER") ONLY

ISSUE OF 9,04,65,693 PARTLY PAID-UP SHARES# OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH OF OUR COMPANY (THE "RIGHTS EQUITY SHARES") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ 110 PER RIGHTS EQUITY SHARE (INCLUDING A PREMIUM OF ₹ 100 PER RIGHTS EQUITY SHARE) AGGREGATING TO ₹ 9,95,12,26,230# ON A RIGHTS BASIS TO THE ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS OF OUR COMPANY IN THE RATIO OF 9 (NINE) RIGHTS EQUITY SHARES FOR EVERY 77 (SEVENTY SEVEN) FULLY PAID-UP EQUITY SHARES HELD BY THE ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS ON THE RECORD DATE, THAT IS WEDNESDAY, JULY 1, 2020 (THE "ISSUE"). FOR FURTHER DETAILS, SEE "TERMS OF THE ISSUE" BEGINNING ON PAGE 210 OF THE LOF.

Assuming full subscription

NOTICE TO THE ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS OF OUR COMPANY

ISSUE OPENS ON:	LAST DATE FOR ON MARKET RENUNCIATIONS:	ISSUE CLOSES ON
WEDNESDAY, JULY 8, 2020	FRIDAY, JULY 17, 2020*	WEDNESDAY, JULY 22, 2020#

* Eligible Equity Shareholders are requested to ensure that renunciation through off-market transfer is completed in such a manner that the Rights Entitlements are credited to the demat account of the Renouncees on or prior to the Issue Closing Date.

Our Board or a duly authorized committee thereof will have the right to extend the Issue period as it may determine from time to time but not exceeding 30 (thirty) days from the Issue Opening Date (inclusive of the Issue Opening Date). Further, no withdrawal of Application shall be permitted by any Applicant after the Issue Closing Date.

ASBA*

Simple, Safe, Smart way of making an application - Make use of it!!!

*Applications supported by blocked amount (**ASBA**) is a better way of applying to issues by simply blocking the fund in the bank account. For further details, check section on ASBA below.

Facilities for Application in this Issue

(i) ASBA Facility:

In accordance with Regulation 76 of the SEBI ICDR Regulations, the SEBI Rights Issue Circulars and the ASBA Circulars, all Investors desiring to make an Application in this Issue are mandatorily required to use either the ASBA process or the R-WAP (instituted only for resident Investors in this Issue, in the event the Investors are not able to utilize the ASBA facility for making an Application despite their best efforts). Investors should carefully read the provisions applicable to such Applications before making their Application through ASBA or using the R-WAP. For details, see "Terms of the Issue - Making of an Application through the ASBA process" and "Terms of the Issue - Making of an Application through the Registrar's Web-based Application Platform ("R-WAP") process" beginning on pages 213 and 214 of the LOF, respectively."

Please note that subject to SCSBs complying with the requirements of the SEBI Circular CIR/CFD/DIL/13/2012 dated September 25, 2012, within the periods stipulated therein, Applications may be submitted at the Designated Branches of the SCSBs. Further, in terms of the SEBI Circular CIR/CFD/DIL/1/2013 dated January 2, 2013, it is clarified that for making Applications by SCSBs on their own account using ASBA facility, each such SCSB should have a separate account in its own name with any other SEBI registered SCSB(s). Such account shall be used solely for the purpose of making an Application in this Issue and clear demarcated funds should be available in such account for such an Application.

(ii) Registrar's Web-based Application Platform (R-WAP):

In accordance with SEBI Circular SEBI/HO/CFD/DIL2/CIR/P/2020/78 dated May 6, 2020, a separate web based application platform, i.e., the R-WAP facility (accessible at www.linkintime.co.in), has been instituted for making an Application in this Issue by resident Investors. Further, R-WAP is only an additional option and not a replacement of the ASBA process. On the R-WAP, resident Investors can access and submit the online Application Form in electronic mode and make online payment using their internet banking or UPI facility from their own bank account thereat.

PLEASE NOTE THAT ONLY RESIDENT INVESTORS CAN SUBMIT AN APPLICATION USING THE R-WAP. R-WAP FACILITY WILL BE OPERATIONAL FROM THE ISSUE OPENING DATE. FOR RISKS ASSOCIATED WITH THE R-WAP PROCESS, SEE "RISK FACTORS - THE R-WAP PAYMENT MECHANISM FACILITY PROPOSED TO BE USED FOR THIS ISSUE MAY BE EXPOSED TO RISKS, INCLUDING RISKS ASSOCIATED WITH PAYMENT GATEWAYS" ON PAGE 33 OF THE LOF.

APPLICATIONS SUPPORTED BY BLOCKED AMOUNT (ASBA): Investors desiring to make an Application in this Issue through ASBA process, may submit the Application Form to the Designated Branch of the SCSB or online / elecIronic Application through the website of the SCSBs (if made available by such SCSB) for authorising such SCSB to block Application Money payable on the Application in their respective ASBA Accounts. For list of banks which have been notified by SEBI to act as SCSBs for the ASBA process, please refer to https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doRecognisedFpi=yes&intmId=34. For details on Designated Branches of SCSBs collecting the Application Form, please refer the above-mentioned link.

ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS UNDER THE ASBA PROCESS MAY PLEASE NOTE THAT THE EQUITY SHARES UNDER THE ASBA PROCESS CAN BE ALLOTTED ONLY IN DEMATERIALIZED FORM AND TO THE SAME DEPOSITORY ACCOUNT IN WHICH THE EQUITY SHARES ARE HELD BY SUCH ASBA APPLICANT ON THE RECORD DATE.

APPLICATION ON PLAIN PAPER: An Eligible Equity Shareholder who is eligible to apply under the ASBA process may make an Application to subscribe to this Issue on plain paper in case of non-receipt of Application Form as detailed above. An Eligible Equity Shareholder shall submit the plain paper Application to the Designated Branch of the SCSB for authorising such SCSB to block Application Money in the said bank account maintained with the same SCSB. Applications on plain paper will not be accepted from any Eligible Equity Shareholder who has not provided an Indian address.

Please note that the Eligible Equity Shareholders who are making the Application on plain paper shall not be entitled to renounce their Rights Entitlements and should not utilize the Application Form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently. Please note that the Application on plain paper cannot be submitted through R-WAP.

The Application on plain paper, duly signed by the Eligible Equity Shareholder including joint holders, in the same order and as per specimen recorded with his/her bank, must reach the office of the Designated Branch of the SCSB before the Issue Closing Date and should contain the following particulars:

1. Name of our Company, being Aditya Birla Fashion and Retail Limited; 2. Name and address of the Eligible Equity Shareholder including joint holders (in the same order and as per specimen recorded with our Company or the Depository); 3. Folio Number (in case of Eligible Equity Shareholders who hold Equity Shares in physical form as on Record Date) / DP and Client ID; 4. Except for Applications on behalf of the Central or State Government, the residents of Sikkim and the officials appointed by the courts, PAN of the Eligible Equity Shareholder and for each Eligible Equity Shareholder in case of joint names, irrespective of the total value of the Rights Equity Shares applied for pursuant to this Issue; 5. Number of Equity Shares held as on Record Date; 6. Allotment option – only dematerialised form; 7. Number of Rights Equity Shares entitled to; 8. Number of Rights Equity Shares applied for within the Rights Entitlements; 9. Number of additional Rights Equity Shares applied for, if any (applicable only if entire Rights Entitlements have been applied for); 10. Total number of Rights Equity Shares applied for; 11. Total amount paid at the rate of ₹ 55 per Rights Equity Share; 12. Details of the ASBA Account such as the SCSB account number, name, address and branch of the relevant SCSB; 13. In case of non-resident Eligible Equity Shareholders making an application with an Indian address, details of the NRE/FCNR/NRO account such as the account number, name, address and branch of the SCSB with which the account is maintained; 14. Authorisation to the Designated Branch of the SCSB to block an amount equivalent to the Application Money in the ASBA Account; 15. Signature of the Eligible Equity Shareholder (in case of joint holders, to appear in the same sequence and order as they appear in the records of the SCSB); and 16. All such Eligible Equity Shareholders are deemed to have accepted the following:

"I/ We understand that neither the Rights Entitlements nor the Rights Equity Shares have been, or will be, registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the **"U.S. Securities Act"**), or any United States state securities laws, and may not be offered, sold, resold or otherwise transferred within the United States or to the territories or possessions thereof (the **"United States"**), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act. I/ we understand the Rights Equity Shares referred to in this application are being offered and sold in offshore transactions outside the United States in compliance with Regulation S under the U.S. Securities Act (**"Regulation S"**) to existing shareholders located in jurisdictions where such offer and sale of the Rights Equity Shares is permitted under laws of such jurisdictions. I/ we understand that the Issue is not, and under no circumstances is to be construed as, an offering of any Rights Equity Shares or Rights Entitlements for sale in the United States, or as a solicitation therein of an offer to buy any of the said Rights Equity Shares or Rights Entitlements in the United States. I/ we confirm that I am/ we are (a) not in the United States and eligible to subscribe for the Rights Equity Shares under applicable securities laws, (b) complying with laws of jurisdictions applicable to such person in connection with the Issue, and (c) understand that neither Our Company, nor the Registrar, the Lead Managers or any other person acting on behalf of Our Company will accept subscriptions from any person, or the agent of any person, who appears to be, or who Our Company, the Registrar, the Lead Managers or any other person acting on behalf of Our Company have reason to believe is in the United States or is outside of India and ineligible to participate in this Issue under the securities laws of their jurisdiction.

I/We will not offer, sell or otherwise transfer any of the Rights Equity Shares which may be acquired by us in any jurisdiction or under any circumstances in which such offer or sale is not authorized or to any person to whom it is unlawful to make such offer, sale or invitation. I/ We satisfy, and each account for which I/ we are acting satisfies, (a) all suitability standards for investors in investments of the type subscribed for herein imposed by the jurisdiction of my/our residence, and (b) is eligible to subscribe and is subscribing for the Rights Equity Shares and Rights Entitlements in compliance with applicable securities and other laws of our jurisdiction of residence.

I/We hereby make the representations, warranties, acknowledgments and agreements set forth in the section of the Letter of Offer titled "Restrictions on Purchases and Resales" on page 241 of the LOF.

I/We understand and agree that the Rights Entitlements and Rights Equity Shares may not be reoffered, resold, pledged or otherwise transferred except in an offshore transaction in compliance with Regulation S, or otherwise pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act.

I/ We acknowledge that we, the Lead Managers, its affiliates and others will rely upon the truth and accuracy of the foregoing representations and agreements."

OVERSEAS SHAREHOLDERS: The distribution of this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Application Form, the Rights Entitlement Letter, any other offering material and the issue of the Rights Entitlement and the Rights Equity Shares on a rights basis to persons incertain jurisdictions outside India are restricted by legal requirements prevailing in those jurisdictions. Our Company is making this Issue on a rights basis to the Eligible Equity Shareholders and will dispatch the Abridged Letter of Offer, the Application Form, the Rights Entitlement Letter and other Issue material only to the e-mail addresses of Eligible Equity Shareholders who have provided an Indian address to our Company. Those overseas shareholders who do not update our records with their Indian address or the address of their duly authorised representative in India, prior to the date on which we propose to e-mail this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Rights Entitlement Letter and the Application Form shall not be sent this this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Rights Entitlement Letter and the Application Form.

NO OFFER IN THE UNITED STATES

The Rights Entitlements and The Rights Equity Shares have not been and will not be registered under the united states securities act of 1933, as amended (the **"U.S. Securities Act"**), or any U.S. State Securities laws and may not be offered, sold, resold or otherwise transferred within the united states or the territories or possessions thereof (the **"United States"** or **"U.S."**), except in a transaction exempt from the registration requirements of the U.S. Securities Act. the Rights Equity Shares are being offered and sold in offshore transactions outside the United States in compliance with Regulation S under the U.S. Securities Act (**"Regulation S"**) to existing shareholders located in jurisdictions where such offer and sale of the Rights Equity Shares is permitted under laws of such jurisdictions. The offering is not, and under no circumstances is to be construed as, an offering of any Rights Equity Shares or Rights Entitlements for sale in the United States or as a solicitation therein of an offer to buy any of the said securities.

Neither our Company, nor any person acting on behalf of our Company, will accept a subscription or renunciation from any person, or the agent of any person, who appears to be, or who our Company, or any person acting on behalf of our Company, has reason to believe is, in the United States when the buy order is made. No Application Form should be postmarked in the United States, electronically transmitted from the United States or otherwise dispatched from the United States or from any other jurisdiction where it would be illegal to make an offer of securities under this Letter of Offer. Our Company is making this Issue on a rights basis to the Eligible Equity Shareholders and will dispatch this Letter of Offer or the Abridged Letter of Offer and the Application Form, through e-mail, only to Eligible Equity Shareholders who have provided an Indian address to our Company. Any person who acquires Rights Entitlements or Rights Equity Shares will be deemed to have declared, warranted and agreed, by accepting the delivery of this Letter of Offer, that it is not and that at the time of subscribing for the Rights Equity Shares or the Rights Entitlements, it will not be, in the United States and is authorized to acquire the Rights Entitlements and the Rights Equity Shares in compliance with all applicable laws and regulations.

Our Company, in consultation with the Lead Managers, reserves the right to treat as invalid any Application Form which: (i) appears to our Company or its agents to have been executed in, electronically transmitted from or dispatched from the United States or other jurisdictions where the offer and sale of the Rights Equity Shares is not permitted under laws of such jurisdictions; (ii) does not include the relevant certifications set out in the Application Form, including to the effect that the person submitting and/or renouncing the Application Form is not in the United States and eligible to subscribe for the Rights Equity Shares under applicable securities laws and is complying with laws of jurisdictions applicable to such person in connection with this Issue; or (iii) where either a registered Indian address is not provided or where our Company believes acceptance of such Application Form may infringe applicable legal or regulatory requirements; and our Company shall not be bound to issue or allot any Rights Equity Shares in respect of any such Application Form.

LAST DATE FOR APPLICATION: The last date for submission of the duly filled in the Application Form or a plain paper Application is Wednesday, July 22, 2020 i.e., Issue Closing Date. Our Board or any committee thereof may extend the said date for such period as it may determine from time to time, subject to the Issue Period not exceeding 30 days from the Issue Opening Date (inclusive of the Issue Opening Date).

If the Application Form is not submitted with an SCSB, uploaded with the Stock Exchanges and the Application Money is not blocked with the SCSB or if the Application Form is not accepted at the R-WAP, on or before the Issue Closing Date or such date as may be extended by our Board or any committee thereof, the invitation to offer contained in this Letter of Offer shall be deemed to have been declined and our Board or any committee thereof shall be at liberty to dispose of the Rights Equity Shares hereby offered, as provided under the section, *"Terms of Issue - Basis of Allotment"* beginning on page 232 of the LOF

ALLOTMENT ONLY IN DEMATERIALISED FORM: The Allotment of Equity Shares pursuant to the Issue will only be made in dematerialised form. In accordance with the SEBI Rights Issue Circulars, (a) the Eligible Equity Shareholders, who hold Equity Shares in physical form as on Record Date; or (b) the Eligible Equity Shareholders, who hold Equity Shares in physical form as on Record Date and who have not furnished the details of their demat account to the Registrar or our Company at least two Working Days prior to the Issue Closing Date, desirous of subscribing to Rights Equity Shares **may also apply** in this Issue during the Issue Period subject to certain conditions. Such resident Eligible Equity Shareholders must check the procedure for application by and credit of Rights Equity Shares to such Eligible Equity Shareholders in Terms of the Issue - Making of an Application by Eligible Equity Shareholders holding Equity Shares in physical form" and "Terms of the Issue - Allotment Advice or Refund/Unblocking of ASBA accounts" beginning on pages 217 and 233, respectively of the Letter of Offer.

INVESTORS MAY PLEASE NOTE THAT THE EQUITY SHARES CAN BE TRADED ON THE STOCK EXCHANGES ONLY IN DEMATERIALISED FORM.

LISTING: The existing Equity Shares of our Company are listed on BSE Limited (**"BSE"**) and National Stock Exchange of India Limited (**"NSE"**) (collectively, the "**Stock Exchanges**"). Our Company has received "*in-principle*" approvals from BSE through its letter dated June 20, 2020, as revised by its letter dated June 25, 2020 and NSE through its letter dated June 22, 2020. Our Company will also make applications to the Stock Exchanges to obtain their trading approvals for the Rights Entitlements as required under the SEBI circular bearing reference number SEBI/HO/CFD/DIL2/CIR/P/2020/13 dated January 22, 2020. For the purposes of the Issue, the Designated Stock Exchange is BSE.

DISCLAIMER CLAUSE OF SEBI: Submission of LOF to SEBI should not in any way be deemed or construed that SEBI has cleared or approved the LOF. The Investors are advised to refer to the full text of the *"Disclaimer Clause of SEBI"* beginning on page 203 of the LOF

DISCLAIMER CLAUSE OF BSE (Designated Stock Exchange): It is to be distinctly understood that the permission given by BSE Limited should not, in anyway, be deemed or construed that the Letter of Offer has been cleared or approved by BSE Limited; nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Letter of Offer. The Investors are advised to refer to the Letter of Offer for the full text of the *"Disclaimer Clause of BSE"* beginning on page 205 of the LOF.

DISCLAIMER CLAUSE OF NSE: It is to be distinctly understood that the permission given by NSE should not in any way be deemed or construed that the Letter of Offer has been cleared or approved by NSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Letter of Offer. The Investors are advised to refer to the Letter of Offer for the full text of the "*Disclaimer clause of NSE"* on page 206 of the LOF.

Escrow Collection Bank: Axis Bank Limited.

Allotment Account Banks: Axis Bank Limited, The Federal Bank Ltd and State Bank of India.

REFUND BANKER: Axis Bank Limited.

DISPATCH AND AVAILABILITY OF ISSUE MATERIALS: In accordance with the SEBI ICDR Regulations, the SEBI Relaxation Circular and the MCA Circular, our Company will send, the Abridged Letter of Offer, the Rights Entitlement Letter, Application Form and other Issue related material at least two days before the Issue Opening Date, only through e-mail, to the e-mail addresses of all the Eligible Equity Shareholders who have provided their Indian addresses to our Company. The Letter of Offer will be sent, only through e-mail, by the Registrar on behalf of our Company or the Lead Managers to the Eligible Equity Shareholders who have provided their Indian addresses to our Company and who make a request in this regard. In accordance with the above, the dispatch of the Abridged Letter of Offer, the Rights Entitlement Letter alongwith the Application Form has been completed in electronic form through email on Saturday, July 04, 2020 by the Registrar to the Issue

Eligible Equity Shareholders can also obtain the details of their respective Rights Entitlements from the website of the Registrar (i.e., www.linkintime.co.in) by entering their DP ID and Client ID or Folio Number (for Eligible Equity Shareholders who hold Equity Shares in physical form as on Record Date) and PAN. The link for the same shall also be available on the website of our Company (i.e., www.abfrl.com).

Our Company along with the Lead Managers have taken and will continue to undertake all adequate steps to reach out to the Eligible Equity Shareholders who have provided their Indian address through means as may be considered feasible by our Company and our Company or the Lead Managers will not be liable for considering or choosing or not considering or choosing any specific means to reach out to the Eligible Equity Shareholders.

Investors can access this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer and the Application Form (provided that the Eligible Equity Shareholder is eligible to subscribe for the Rights Equity Shares under applicable laws) on the websites of: (i) our Company at www.abfrl.com; (ii) the Registrar at www.linkintime.co.in; (iii) the Lead Managers, i.e. (a) ICICI Securities Limited at www.icicisecurities.com; (b) SBI Capital Markets Limited at www.sbicaps.com; (c) Axis Capital Limited at www.axiscapital.co.in; (d) BNP Paribas at www.bnpparibas.co.in; and (e) CLSA India Private Limited at www.india.clsa.com; (iv) the Stock Exchanges at www.bseindia.com and www.nseindia.com; and (v) the Registrar's web-based application platform at www.linkintime.co.in ("**R-WAP**").

The Investors can visit following links for the below-mentioned purposes: a) Frequently asked questions and online/ electronic dedicated investor helpdesk for guidance on the Application process and resolution of difficulties faced by the Investors: https://www.linkintime.co.in b) Updation of Indian address/ e-mail address/ phone or mobile number in the records maintained by the Registrar or our Company: https://linkintime.co.in/EmailReg/Email_Register.html or send an email to abfrlupdation@linkintime.co.in c) Updation of demat account details by Eligible Equity Shareholders holding shares in physical form: https://www.linkintime.co.in or send an e-mail to abfrlupdation@linkintime.co.in d) Submission of self-attested PAN, client master sheet and demat account details by non- resident Eligible Equity Shareholders: abfrl.rights@linkintime.co.in

The LOF is also available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in.

LEAD MANAGERS TO THE ISSUE					REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
ICICI Securities Limited ICICI Centre, H.T. Parekh Marg Churchgate Mumbai – 400 020 **Telephone:** +91 (22) 2288 2460 **E-mail id:** abfrl.rights@icicisecurities.com **Investor Grievance e-mail id:** customercare@icicisecurities.com **Contact person:** Shekher Asnani/ Rishi Tiwari **Website:** www.icicisecurities.com **SEBI registration number:** INM000011179	**SBI Capital Markets Limited** 202, Maker Tower 'E' Cuffe Parade Mumbai 400 005 **Telephone:** +91 (22) 2217 8300 **E-mail id:** abfrl.rights@sbicaps.com **Investor Grievance e-mail id:** investor.relations@sbicaps.com **Contact person:** Sambit Rath/Janardhan Wagle **Website:** www.sbicaps.com **SEBI registration number:** INM000003531	**Axis Capital Limited** 1st Floor, Axis House, C-2, Wadia International Centre, P.B. Marg, Worli, Mumbai 400 025 **Telephone:** +91 (22) 4325 2183 **E-mail id:** abfrl.rights@axiscap.in **Investor Grievance E-mail id:** complaints@axiscap.in **Contact Person:** Sagar Jatakiya **Website:** www.axiscapital.co.in **SEBI registration number:** INM000012029	**BNP Paribas** BNP Paribas House, 1-North, Avenue Maker Maxity, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051 **Telephone:** +91 (22) 3370 4000 **E-mail id:** dl.rights.abfrl@asia.bnpparibas.com **Investor Grievance E-mail id:** indiainvestors.care@asia.bnpparibas.com **Contact Person:** Soumya Guha **Website:** www.bnpparibas.co.in **SEBI registration number:** INM000011534	**CLSA India Private Limited** 8/F Dalamal House, Nariman Point Mumbai 400 021 **Telephone:** +91 (22) 6650 5050 **E-mail id:** abfrl.rights@clsa.com **Investor Grievance E-mail:** investor.helpdesk@clsa.com **Contact Person:** Prachi Chandgothia Website: www.india.clsa.com **SEBI registration number:** INM000010619	**Link Intime India Private Limited** C-101, 247 Park, L B S Marg Vikhroli (West) Mumbai 400 083 **Telephone:** +91 (22) 4918 6200/ 4918 6171 / 4918 6172 **E-mail id:** abfrl.rights@linkintime.co.in **Investor grievance e-mail id:** abfrl.rights@linkintime.co.in **Contact person:** Mr. Sumeet Deshpande **Website:** www.linkintime.co.in **SEBI registration number:** INR000004058	**Ms. Geetika Anand** Company Secretary and Compliance Officer Piramal Agastya Corporate Park, Building 'A', 4th and 5th Floor, Unit No. 401,403, 501, 502, L.B.S. Road, Kurla, Mumbai 400 070 **Telephone:** +91 86529 05000 **E-mail Id:** secretarial.abfrl@adityabirla.com

Investors may contact the Registrar or the Company Secretary and Compliance Officer for any pre Issue or post Issue related matter. All grievances relating to the ASBA process or the optional mechanism R-WAP process may be addressed to the Registrar, with a copy to the SCSBs (in case of ASBA process), giving full details such as name, address of the Applicant, contact number(s), e mail address of the sole/ first holder, folio number or demat account number, number of Rights Equity Shares applied for, amount blocked (in case of ASBA process) or amount debited (in case of the R-WAP process), ASBA Account number and the Designated Branch of the SCSBs where the Application Form or the plain paper application, as the case may be, was submitted by the Investors along with a photocopy of the acknowledgement slip (in case of ASBA process) and copy of the e-acknowledgement (in case of the R-WAP)process).

For **Aditya Birla Fashion and Retail Limited**
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Ms. Geetika Anand
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Mumbai
Date: July 04, 2020

Aditya Birla Fashion and Retail Limited is proposing, subject to market conditions and other considerations, a rights issue of its Equity Shares and has in this regard filed a Letter of Offer dated June 28, 2020 with Company at www.abfrl.com, the Registrar at www.linkintime.co.in, SEBI and the Stock Exchanges. The LOF is available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, the Stock Exchanges i.e. National Stock Exchange of India Limited at www.nseindia.com, BSE Limited at www.bseindia.com and the website of the Lead Managers to the Issue, i.e., ICICI Securities Limited, SBI Capital Markets Limited, Axis Capital Limited, BNP Paribas and CLSA India Private Limited at www.icicisecurities.com, www.sbicaps.com, www.axiscapital.co.in, www.bnpparibas.co.in and www.india.clsa.com and on the R-WAP. Investors should note that investment in equity shares involves a degree of risk and for details relating to the same, please see the section entitled *"Risk Factors"* beginning on page 17 of the LOF.

The Rights Entitlements and the Rights Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act or any state securities laws in the United States, and may not be offered, sold, resold or otherwise transferred within the United States, except in a transaction exempt from the registration requirements of the U.S. Securities Act. Accordingly, the Rights Entitlements and Rights Equity Shares are being offered and sold in 'offshore transactions' outside the United States in compliance with Regulation S under the U.S. SecuritiesAct to existing shareholders located in jurisdictions where such offer and sale of the Rights Equity Shares is permitted under laws of such jurisdictions. There will be no public offering in the United States.

खबर कोना

कोलकाता नगर निगम के अभियान के तहत लोगों में बांटने के लिए थैलियों में 'गप्पी फिश' भरता एक कर्मचारी। यह मछली डेंगू मच्छर के लार्वा को खाकर संक्रमण को रोकने में मदद करती है।

बुलाया जा सकता है विधानसभा का आभासी अधिवेशन

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

कोरोना की वजह से कई अहम बिल अटके हुए है। क्योंकि, विधानसभा का मानसून सत्र नहीं आयोजित हो रहा है। ऐसे में अब खबर है कि बंगाल विधानसभा में बिल पारित कराने के लिए आभासी अधिवेशन आयोजित हो सकता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से हरी झंडी मिलते ही अधिवेशन आयोजित करने को लेकर तैयारी शुरू हो सकती है। फरवरी में बजट पारित होने के बाद बजट पास करने के लिए आखिरी सत्र मार्च में आयोजित हुआ था। तब तक कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया था। शारीरिक दूरी क नियम के चलते विधानसभा बजट सत्र को जल्द समाप्त करना पड़ा था। नियमानुसार आवंटित फंड को प्रभावी रूप से क्रियान्यवयन सुनिश्चित करने के लिए बजट पेश होने के छह महीने के भीतर एक और सत्र आयोजित करना होता है। यही कारण है कि सरकार आपातकालीन आधार पर सत्र आयोजित करना चाहती है।

शहर के आठ फ्लाईओवर की होगी मरम्मत

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

कोलकाता में एक के बाद एक फ्लाईओवर के ध्वस्त होने के बाद से सजग महानगर प्रशासन ने यहां के आठ फ्लाईओवर की मरम्मत करने का निर्णय किया है। कोलकाता मेट्रो डेवलपमेंट अथॉरिटी (केएमडीए) के चेयरमैन फिरहाद हकीम ने यह जानकारी दी। उन्होंने ने कहा कि फ्लाईओवर पर मरम्मत का काम अगले महीने शुरू होगा। ये आठ फ्लाईओवर हैं-चिंगरिघाटा, सियालदह, बाघायतीन, कालीघाट, बिजन पुल, उल्टाडांगा, टालीगंज और अरविंद सेतु। करीबन पौने दो साल पहले माझेरहाट फ्लाईओवर के ढह जाने के तुरंत बाद शहरी विकास विभाग ने कोलकाता में सभी पुराने फ्लाईओवरों की जांच करने के लिए एक विशेषज्ञ कमिटी का गठन किया था। विशेषज्ञ कमिटी ने केएमडीए के अध्यक्ष को बताया कि इनमें से आठ फ्लाईओवर के बुनियादी ढांचे खराब हैं और वाहनों के भार को संभालने के लिए तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है।

मकान में विस्फोट से दो लोगों की मौत, चार घायल

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

मुर्शिदाबाद में एक घर में हुए बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह विस्फोट शुक्रवार रात नौ बजे जिले के जंगीपुर उपमंडल के सुती कस्बे में हुआ।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार वे लोग कथित तौर पर अपने घर में बम बना रहे थे जब अचानक यह विस्फोट हो गया।

अधिकारी ने बताया कि घायलों की हालत गंभीर है और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि अभी तक उनकी पहचान नहीं सकी है। उन्होंने बताया कि जिस घर में विस्फोट हुआ उसकी छप्पर की छत भी उड़ गई।

अधिकारी ने कहा कि घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और इसका मालिक फरार है। अधिकारी ने कहा कि घर के मालिक की पत्नी से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

घर में आग लगने से मां-बेटी की जल कर मौत

कोलकाता, 4 जुलाई (भाषा)।

दक्षिण कोलकाता के पारनश्री इलाके में शनिवार को एक मकान में आग लगने से 68 वर्षीय महिला और उनकी बेटी की जल कर मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि दिजेन मुखोपाध्याय रोड पर स्थित इस दो मंजिला मकान में दोपहर बारह बज कर करीब 40 मिनट पर आग लगी। इसमें तीन अन्य लोग भी झुलस गए हैं।

कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दो दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया और आपदा प्रबंधन कर्मियों ने भवन से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि सोमा मित्रा और उनकी बेटी काकोली मित्रा (44) का शव मकान की पहली मंजिल से मिला।

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ऐसा लगता है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। दोनों महिलाएं फंस गईं और बाहर नहीं निकल सकीं। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कुलताली में झड़प के बाद तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या

बरुईपुर, 4 जुलाई (भाषा)।

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई जबकि एसयूसीआइ के एक सदस्य का शव इलाके में एक पेड़ से लटका पाया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि माईपीठ-बैकंठपुर पंचायत में सत्ता संघर्ष को लेकर एसयूसीआइ और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच जिले के कुलताली क्षेत्र में शुक्रवार को झड़पें हुई थीं।

तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि एसयूसीआई के सदस्यों ने उसके कार्यकर्ता अश्विनी मन्ना के साथ मारपीट की और उसकी हत्या कर दी। वहीं एसयूसीआइ का आरोप है कि उसके जिला समिति के सदस्य सुधाशू जाना को तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उसके घर से अगवा कर लिया था। उसका आरोप है कि उसके बाद उससे मारपीट की गई जिससे उसकी मौत हो गई और शव को पेड़ से लटका दिया गया। उसने आरोप लगाया कि सुधाशू के घर में तोड़फोड़ भी की गई।

पुलिस ने कहा कि मन्ना की हत्या की गई लेकिन सुधाशू के आत्महत्या करने का संदेह है। एक अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। सुधाशू का शव पेड़ से लटका पाया गया, इससे हमें संदेह है कि उसने आत्महत्या की है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

अधिकारियों ने बताया कि इन झड़पों से संबंध में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन को हिरासत में लिया गया है। एसयूसीआइ के पूर्व विधायक जॉयकृष्ण हलदर ने कहा कि उनकी पार्टी के कई सदस्यों के घर लूटे गए, तोड़फोड़ की गई और उन्हें आग के हवाले किया गया। पुलिस ने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए क्षेत्र में बलों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि तृणमूल और एसयूसीआइ के कई सदस्य घायल हैं और विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं।

राज्य की सीमा से बांग्लादेश का निर्यात पूरी तरह बंद हुआ

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

बांग्लादेश भारत का खास दोस्त रहा है, लेकिन व्यापार के मोर्चे पर पिछले कुछ दिनों से यहां सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सूबे के पेट्रापोल सीमा से भारत और बांग्लादेश का बड़े पैमाने पर आयात-निर्यात होता है। बांग्लादेशी व्यापारियों और उनके कर्मचारियों की ओर से जारी विरोध प्रदर्शन के कारण बीते तीन दिनों से पेट्रापोल सीमा से बांग्लादेश को भारत से कोई निर्यात नहीं हुआ।

ये व्यापारी बुधवार से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विरोध कर रहे बांग्लादेशी व्यापारियों ने कहा कि जब तक भारत बांग्लादेश से आयात की मंजूरी नहीं देता है, वे भारत से निर्यात की अनुमति नहीं देंगे। विरोध प्रदर्शन करनेवालों ने भारतीय ट्रकों के प्रवेश को बुधवार को कई घंटों तक रोके रखा। उन्होंने दावा किया कि जब तक भारत आयात की अनुमति नहीं देता है, सीमा बंद रहेगी। इसके चलते दोनों तरफ सैकड़ों ट्रक खड़े हैं और सामान बर्बाद हो रहा है।

भारतीय निर्यातकों के महासंघ फियो के पूर्वी क्षेत्र के चेयरमैन सुशील पटवारी ने कहा कि गुरुवार को भारत से पेट्रापोल के जरिए कोई निर्यात नहीं हुआ। उन्होंने मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से हस्तक्षेप करने की मांग की।

भारत सरकार ने सात जून को भारतीय व्यापारियों को बांग्लादेश निर्यात की मंजूरी दी थी। हालांकि एक महीने के करीब होने को आए हैं, बांग्लादेश से आयात की मंजूरी अभी तक नहीं दी गई है। विरोध कर रहे बांग्लादेशी व्यापारियों का कहना है कि हम जो सामान भारत से आयात करते हैं, उसे तैयार कर वापस निर्यात भी करते हैं, लेकिन भारत द्वारा आयात बंद करने से हमारा काफी नुकसान हो रहा है। पेट्रापोल-बेनापोल के जरिए दोनों देश के बीच सालाना करीब 35 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होता है।

पिछले दिनों केंद्र सरकार के आदेश के बाद निर्यात को अनुमति दे दी गई थी, लेकिन आयात पर पश्चिम बंगाल सरकार ने अभी भी रोक लगा रखी है। इस कारण बांग्लादेशी व्यापारी नाराज हो गए हैं।

सूत्रों की मानें तो बंगाल ने राज्य से होते हुए नेपाल और भूटान जाने वाले ट्रकों पर भी रोक लगाने का काम किया था। अप्रैल में गृह मंत्रालय ने ममता बनर्जी सरकार से इन देशों में ट्रकों की आवाजाही को अनुमति प्रदान करने को कहा था। ऐसा इसलिए क्योंकि ये देश निर्यात को लेकर भारत पर निर्भर हैं।

कोलकाता में शनिवार को यमराज की वेशभूषा धारण कर लोगों को मास्क बांटता एक स्वयंसेवक।

जागरूकता

मास्क नहीं पहनने पर देना होगा जुर्माना

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)

राज्य में कोरोना के लगातार बढ़ते प्रकोप के बीच बगैर मास्क पहने रास्ते पर निकलने और सामाजिक दूरी का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने का फैसला किया गया है। गृह विभाग की ओर से जारी एक निर्देश में कहा गया है कि मास्क नहीं पहनने वालों को पहली बार घर भेजा जाएगा, दूसरी बार जुर्माना वसूल किया जाएगा और तीसरी बार आपदा प्रबंधन कानून की धारा के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन, नगर पालिकाओं, पुलिस विभाग को मास्क के बारे में निर्देशिका भेज दी गई है।

इस बीच, लोगों की धर पकड़ और जुर्माना वसूल करने की प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। हालांकि इस बात का पता कैसे लगाया जाएगा कि कौन पहली बार कानून तोड़ रहा है और कौन तीसरी बार, इस बारे में पुलिस मुख्यालय लालबाजार में अधिकारियों की ओर से बैठक की जा रही है। राज्य में ढील दिए जाने के बाद हालात सामान्य दिखते हैं और भारी संख्या में लोग बगैर मास्क के घूमते दिखाई देने लगे हैं। दक्षिण चौबीस परगना जिले के डायमंडहार्बर में पुलिस ने बीते दो दिनों के दौरान 112 लोगों को पकड़ कर 54 हजार रुपए जुर्माना वसूल किया है।

उधार वापस मांगने पर चलती कार में महिला की हत्या, शव नहर में फेंका

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

महानगर में एक कैब ड्राइवर ने चलती कार में 45 वर्षीय एक महिला की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि ड्राइवर और महिला एक दूसरे को जानते थे और आरोपी कैब ड्राइवर ने महिला से 30,000 रुपए उधार लिए थे।

आरोपी कैब ड्राइवर शख्स ने महिला की गला दबाकर हत्या कर दी और उसके बाद शव को पूर्वी कोलकाता में एक नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कोलकाता पुलिस के डिटेक्टिव विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी कैब चालक शिव शंकर दास ने लक्ष्मी दास से 30,000 रुपए उधार लिए थे। शंकर दास और पैसे उधार लेना चाहता था। महिला ने मना कर दिया तो उससे पिछली राशि वापस मांगी, तो दास ने उसकी हत्या कर दी। महिला दक्षिण कोलकाता में चारू मार्केट इलाके में एक नौकरानी के रूप में काम करती थी।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को शिव शंकर ने लक्ष्मी को मिलने के लिए बुलाया। उसने कार में बैठाया और उसके बाद उसकी हत्या कर दी।

जब लक्ष्मी घर नहीं लौटी, तो उसके परिवार के सदस्यों ने शिव शंकर को फोन किया लेकिन उसने बात करने के जगह अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने शिव शंकार दास से पूछताछ की तो उसने अपना अपराध कबूल लिया। इसके बाद वह पुलिस को उस स्थान में ले गया जहां शव फेंका था। पुलिस ने शव बरामद कर लिया है और शनिवार दोपहर बाद अदालत में पेश किया गया।

फास्ट टैग टोल से वसूले 600 करोड़

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

राज्य में फास्ट टैग टोल से 600 करोड़ रुपए वसूल किए गए हैं। यह राशि पूर्व भारत के तो सभी राज्यों से कहीं अधिक है, दूसरे कई राज्य भी इसके करीब नहीं हैं। राज्य परिवहन विभाग की ओर से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक देश भर में 5 फरवरी 2020 तक 18 हजार 105 करोड़ रुपए टोल टैक्स फस्ट टैग से वसूल किया गया, इसमें पश्चिम बंगाल से 600 करोड़ रुपए वसूल किए गए। पूर्व भारत के दूसरे राज्यों में असम से 44 लाख की वसूली ही हो सकी। दूसरी ओर, छत्तीसगढ़ से 148 करोड़, झारखंड से 228 करोड़, बिहार से 417 करोड़, ओड़ीशा से 393 करोड़, पंजाब से 217 करोड़, केरल से 105 करोड़ रुपए फास्ट टैग टोल से वसूल हुए।

राज्य परिवहन विभाग के अधिकारी ने बताया कि राज्य में 20 फास्ट टैग टोल हैं, जबकि देश भर में यह संख्या 407 है।

विश्वभारती में पौष मेला नहीं लगेगा बसंत उत्सव भी स्थगित

कोलकाता, 4 जुलाई (भाषा)।

विश्वभारती ने प्रसिद्ध 'पौष मेला' रद्द करने का निर्णय लिया है। उसने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दिशानिर्देशों के अनुपालन को लेकर व्यापारियों के साथ टकराव के बीच शांतनिकेतन में इस शीतकालीन कार्यक्रम के आयोजन में पिछले दो साल के 'तीखे अनुभव' का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है।

विश्वविद्यालय ने अगले साल से जनसाधारण के लिए होली पर 'बसंत उत्सव' भी नहीं आयोजित करने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि ये फैसले शुक्रवार को विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की आपात बैठक में लिए गए। हस्तशिल्प, हथकरघा, कला, संगीत उत्सव 'पौष मेला' बांग्ला मास पौष में आयोजित किया जाता है। रवींद्रनाथ टैगोर के पिता महर्षि देवेंद्रनाथ टैगोर ने 1894 में पहली बार इस मेले का आयोजन किया था और बाद में नोबेल पुरस्कार सम्मानित रवींद्रनाथ टैगार द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय ने 1951 से इसका आयोजन करने लगा। इस मेले में राज्य और देश-विदेश से हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं, जिससे इलाके की नाजुक पारिस्थितिकी पर उसके प्रभाव को लेकर चिंता प्रकट की जाने लगी।

अधिकारी और कार्यकारी समिति के सदस्य ने कहा कि इसे नहीं आयोजित करने का फैसला किया गया है, हालांकि यह उत्सव वर्षों से विश्वविद्यालय के कैलेंडर का अभिन्न हिस्सा था। उन्होंने कहा कि पिछले दिसंबर में दुकानदारों से मेले के समापन के 48 घंटे के अंदर वहां सफाई करने को कहा गया था, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। बाद में जगह खाली कराने के लिए बलप्रयोग करना पड़ा।

सावन : नहीं लगेगा मेला, ना ही गूंजेंगे बोल बम के नारे

शंकर जालान
कोलकाता, 4 जुलाई।

लगभग ढाई सौ साल के इतिहास में पहली बार सावन के महीने में न तो हुगली जिले के तारकेश्वर मार्ग पर किसी तरह का कोई मेला लगेगा, ना कांवड़ियों के लिए सेवा शिविर लगाए जाएंगे और ना ही जिलों के तारकेश्वर व लोकनाथ मंदिर में बोल बम की गूंज सुनाई देगी। कोरोना काल की वजह से राज्य सरकार के दिशानिर्देश पर जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस ने अगले आदेश तक किसी भी तरह के आयोजन पर रोक लगा दी है।

ध्यान रहे कि कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पूर्णबंदी के बाद अब काफी रियायत तो दी गई, लेकिन धार्मिक आयोजन पर रोक जारी रही। इसी रोक की वजह से इस बार हुगली जिले के शेवड़ाफूली के निमाई घाट में न तो कांवड़ियों की भीड़ होगी और ना ही बोल बम की गूंज के साथ हजारों कदम लोकनाथ व तारकेश्वर मंदिर की तरफ बढ़ेंगे। इस साल 6 जुलाई (सोमवार) से सावन की शुरुआत हो रही है, लेकिन न तो निमाई घाट और ना ही तारकेश्वर मार्ग पर वैसी रौनक है जो विगत के सालों तक हुआ करती थी।

तारकेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी रवींद्रनाथ चटर्जी ने 'जनसत्ता' को फोन पर बताया कि अपने जीवन में वे पहली बार ऐसा सावन देखेंगे, जब तारकेश्वर मंदिर में कांवड़ियों व दर्शनार्थियों पर रोक होगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि तारकेश्वर मंदिर करीबन 290 साल पुराना है और कांवड़ यात्रा का इतिहास 250 साल प्राचीन। चटर्जी ने कहा कि मेले पर सरकारी रोक से वे जरा दुखी तो जरूर है, कोरोना की कड़ी को रोकने के लिए इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प भी नहीं। उन्होंने 'जनसत्ता' के माध्यम से लोगों से अपील की कि वे घरों में रहकर ही शिव की पूजा-अर्चना करें और जलाभिषेक कर भगवान शंकर से कोरोना को परास्त करने की प्रार्थना करें।

शेवड़ाफूली के निमाई घाट से लेकर तारकेश्वर मार्ग तक 36 किलोमीटर पर से सावन महीने के दौरान दो दर्जन से ज्यादा सेवा शिविर लगाए जाते थे, इन शिविरों के जरिए कांवड़ियों व दर्शनार्थियों को निःशुल्क भोजन, विश्राम, प्राथमिक उपचार और ध्वनि प्रसारण की सुविधा मुहैया कराई जाती रही है, लेकिन इस बार एक भी शिविर न लगने से तारकेश्वर मार्ग सुनासुना है।

निमाई घाट पर गंगा में स्नान करने के बाद कंधे पर कांवड़ लेकर बोल बम के नारे के साथ तारकेश्वर की तरफ जाने वाले लोगों का पहला पड़ाव होता था काली चट्टी (रामचंद्र दुलीचंद्र द्वारा लगाया जाने वाला शिविर) और आखिरी बजरंग परिषद का शिविर। इसके बीच रास्ते में श्री श्याम प्रेम मंडल, महादेव सेवा समिति, आराधना ट्रस्ट, श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति, विश्वनाथ सेवा, मानव सेवा ट्रस्ट, श्री शिव शक्ति सेवा समिति व हनुमान परिषद समेत दो दर्जन से ज्यादा स्वयंसेवी संस्थाओं के बैनर तले सावन के दौरान शिव भक्तों के लिए शिविर लगाकर निःशुल्क सेवा मुहैया कराई जाती थी, जो कोरोना काल की वजह से इस बार नहीं हो पाएगी।

बजरंग परिषद के पूर्व सचिव मनोज चांदगोठिया ने बताया कि संस्था पिछले 90 सालों से सावन में न केवल सेवा शिविर लगाती आ रही हैं, बल्कि लोकनाथ मंदिर का पूरा रखरखाव भी करती है, लेकिन कोरोना महामारी व सरकारी आदेश के मुताबिक संस्था ने इस बार शिविर स्थगित करने का फैसला किया है। इसी तरह हरिपाल के पास लगने वाले महादेव सेवा समिति के प्रमुख तारकनाथ गुप्ता ने कहा कि स्थानीय पुलिस व प्रशासन के कहे अनुसार सावन में शिविर नहीं लगाया जा रहा है।

श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति के मार्गदर्शक राजकुमार बोथरा ने कहा कि ब्राह्मणपाड़ा के पास समिति की एक स्थाई धर्मशाला है, जहां बीते 60 सालों से सावन में भव्य मेला व शिविर लगाकर तारकेश्वर धाम जाने श्रद्धालुओं की सेवा की जाती थी, लेकिन कोरोना की वजह से इस बार सेवा समिति की स्थाई धर्मशाला में ना कोई मेला लगेगा और ना कोई सेवा शिविर।

निमाई घाट से तारकेश्वर तक शेवड़ाफूली, सिंगूर, कमारकुंडू, हरिपाल और तारकेश्वर थाना की पुलिस अपने-अपने इलाके में पैनी नजर रख रही है ताकि कोई भी संस्था और कोई भी व्यक्ति सरकारी निर्देश का उल्लंघन करने की कोशिश ना करें।

ADVERTORIAL

गुरु पूर्णिमा

सहज योग

सहज योग 50 Years स्वर्णजयंती (१९७०–२०२०)

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी
सहज योग संस्थापिका
कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्म–साक्षात्कार दात्री

सहज योग अंतर्राष्ट्रीय विश्व निर्मल धर्म

एक सद्गुरु के गुण

गुरु आपको परमात्मा से मिलवाता है
सच्चे गुरु की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह आपको परमात्मा से मिलवाता है, अर्थात् वह आपकी कुंडलिनी को जागृत करके आपका संबंध परमात्मा की सर्वव्यापी शक्ति से स्थापित करवाता है। एक बार गुरु नानकजी से पूछा गया कि सच्चा गुरु कौन है? तो उन्होंने कहा, ''साहब मिलिहें सो ही सद्गुरु''। अर्थात् जो आपको परमेश्वर से मिलाये वही सच्चा है। फिर उन्होंने इन गुरुओं को अगुरु और कुगुरु इत्यादि श्रेणियों में भी बाँटा है। सच्चा गुरु वही है जो आपको परमेश्वर से, दैवीय शक्ति से मिलाता है।

आप गुरु को खरीद नहीं सकते
एक सच्चे गुरु को एक माता की तरह अपने शिष्यों के कल्याण और धर्म–परायणता की पूरी ज़िम्मेदारी लेनी चाहिये। गुरु ही अपने शिष्य को ब्रह्मचैतन्य से जोड़ता है। आप उस को खरीद नहीं सकते। यदि आप किसी गुरु को खरीदते हैं तो वह आपका दास हो सकता है, लेकिन गुरु कभी नहीं हो सकता।

एक गुरु को एक उच्च कोटि का साक्षात्कारी और अत्यधिक विकसित होना चाहिये
गुरु को एक सच्चा गुरु होना चाहिये, न कि अपने शिष्यों का शोषण करनेवाला, परमात्मा से अनाधिकृत कोई व्यक्ति। मानवीय चेतना और परमेश्वरी चेतना के बीच बहुत बड़ा अंतर होता है, जिसे केवल एक पूर्ण गुरु ही भर सकता है। आज पूर्णिमा का दिन है, और पूर्णिमा का अर्थ है पूर्ण चंद्रमा। गुरु को एक संपूर्ण व्यक्तित्व होना चाहिये, जो अपने शिष्यों को परमेश्वरी विधानों के बारे में बता सके और उनकी समझ को उस स्तर तक ऊँचा उठा सके, कि वे उन विधानों को अपने अंदर समा सकें। वह इस अंतर को भरने के लिए है, और इसके लिये यह आवश्यक है कि प्रत्येक गुरु एक उच्च कोटि का आत्म–साक्षात्कारी और विकसित व्यक्ति हो।

यह आवश्यक नहीं कि गुरु एक सन्यासी हो
यदि आप सभी गुरुओं के जीवन को देखेंगे तो पायेंगे कि वे सभी विवाहित थे, उनके बच्चे थे और वे सामान्य लोगों की तरह जीवन व्यतीत करते थे। फिर भी अपने व्यक्तिगत जीवन में वे एकदम निर्लिप्त थे। यह आवश्यक नहीं कि गुरु एक सन्यासी हो, न ही यह कि वह जंगलों में रहे। वह एक सामान्य गृहस्थ हो सकता है और एक राजा भी हो सकता है। जीवन की यह सभी बाहरी अभिव्यक्तियाँ कोई मायने नहीं रखतीं।

(परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन)

सभी गुरुओं और पैगंबरों ने आपसी प्रेम और शांति का ही संदेश दिया

''जब आप दैवी शक्ति के आयाम, यानि ब्रह्म में रहते हैं, तो वह आपकी देखभाल करती है।''
–राजा जनक

''मैं आपसे विनती करता हूँ कि मेरे और आपके, तथा मेरे और आपके लोगों के बीच किसी भी तरह का संघर्ष या मनमुटाव नहीं होना चाहिये, क्यों कि हम सब तो भाई–भाई हैं।'' **– अब्राहम**

''दूसरों पर विजय प्राप्त करना बल है, लेकिन स्वयंपर विजय प्राप्त करना सच्ची शक्ति है।''
–लाओत्से

''सत्य का मार्ग ही एकमेव मार्ग है।''
–जराथुष्ट्र

''हर इंसान में भगवान को देखो।''
– शिरडी के साँईनाथ

''आज मैं आपको जो भी धर्मोपदेश दे रहा हूँ, आपको उनका अनुसरण करना पड़ेगा, ताकि आप शक्तिशाली बनें।''
–मोज़ेस

''जिस जीवन का निरीक्षण न किया गया हो, वह जीने लायक नहीं।''
– सुक्रात

''हमारी सबसे बड़ी प्रतिष्ठा कभी न गिरने में नहीं है, बल्कि गिरने पर हर बार उठ जाने में है।''
–कन्फ्यूशियस

''खुदा की रचना पर एक घंटे ध्यान करना, सत्तर वर्ष प्रार्थना करने से बेहतर है।''
–पैगम्बर मोहम्मद

''समस्त मानवता के बीच भाईचारा ही योगियों का सच्चा नियम है। अपने मन को जीतना ही सारे विश्व को जीतना है।''
– गुरु नानक

गुरु वही जो हमें प्रभु से मिलाये

सद्गुरु को परखने की ७ कसौटियाँ

सत्य–साधक परमात्मा को पाने के लिए और जीवन के संघर्षों से पार पाने के लिये सदैव सच्चे गुरु की खोज में रहते हैं, लेकिन कई बार इस प्रयास में वे झूठे गुरुओं के चंगुल में फंस जाते हैं। आजकल भारत में ऐसे झूठे गुरु खूब फल–फूल रहे हैं जो आपकी आस्था, रूपये–पैसे, स्वास्थ्य और विवेक, सब चौपट करने के लिए तैयार बैठे हैं। नीचे दी गईं ७ कसौटियों पर परख के आप स्वयं सत्य जान सकते हैं।

१) क्या कभी रूपया पैसा लिया जाता है? यदि रूपया–पैसा लिया जा रहा है तो अवश्य गोरख–धंधा है। सत्य न तो खरीदा जा सकता है और न ही बेचा जा सकता है।

२) यदि किसी गुरु के शिष्य आपका एक सेल्समैन की तरह पीछा करते हैं और आपको शिष्य बनाने के पैसे लेते हैं तो समझ जाइये कि यह एक संगठित व्यापार है, सत्य–साधना का मार्ग नहीं।

३) उस गुरु के साथ आपको क्या अनुभव मिला? हर क्षणिक अनुभव दैवीय नहीं होता। कुछ दिखना या सुनाई देना, हवा में तैरना, भविष्यवाणियाँ, प्रभामंडल, मृतकों के साथ बातचीत इत्यादि करतब अत्यंत खतरनाक होते हैं।

४) यदि वह गुरु आध्यात्मिक मार्ग पर चलने हेतु आपको अपने परिवार और संपत्ति को त्यागने का निर्देश देता है, तो निश्चित रूपसे यह एक छलावा है। अतः ऐसे गुरु से सावधान हो जाइये।

५) क्या आपको अजीब से कपड़े पहनने के लिए, अजीब मुद्राओं में बैठने के लिए, सुबह–शाम मंत्र जाप के लिए, या कोई अँगूठी या आभूषणादि पहनने को कहा जाता है? आपको जान लेना चाहिये कि परमात्मा इन सब व्यर्थ की चीज़ों से परे हैं और उनके लिये, आपकी उनको प्राप्त करने की शुद्ध इच्छा ही महत्व रखती है।

६) आपके क्या प्राप्त होता है? क्या आपके गुरु आपको सदाचारी बना पाते हैं? यदि वह एक धर्म को दूसरे से श्रेष्ठ बताते हैं तो इसका अर्थ है कि वे धर्म के नाम पर केवल पाखंड कर रहे हैं।

७) यदि आपके गुरु आपको व्यभिचार, यौन स्वतंत्रता या कठोर सन्यास की ओर उन्मुख कर रहे हैं, तो फिर निश्चित रूप से आप गलत स्थान पर आ गये हैं, जहाँ पर ये झूठे गुरु और उनके एजेन्ट आपका शोषण करने के लिए तैयार हैं।

सत्य को प्राप्त करने के लिये आपको अनेकों शुभकामनायें।

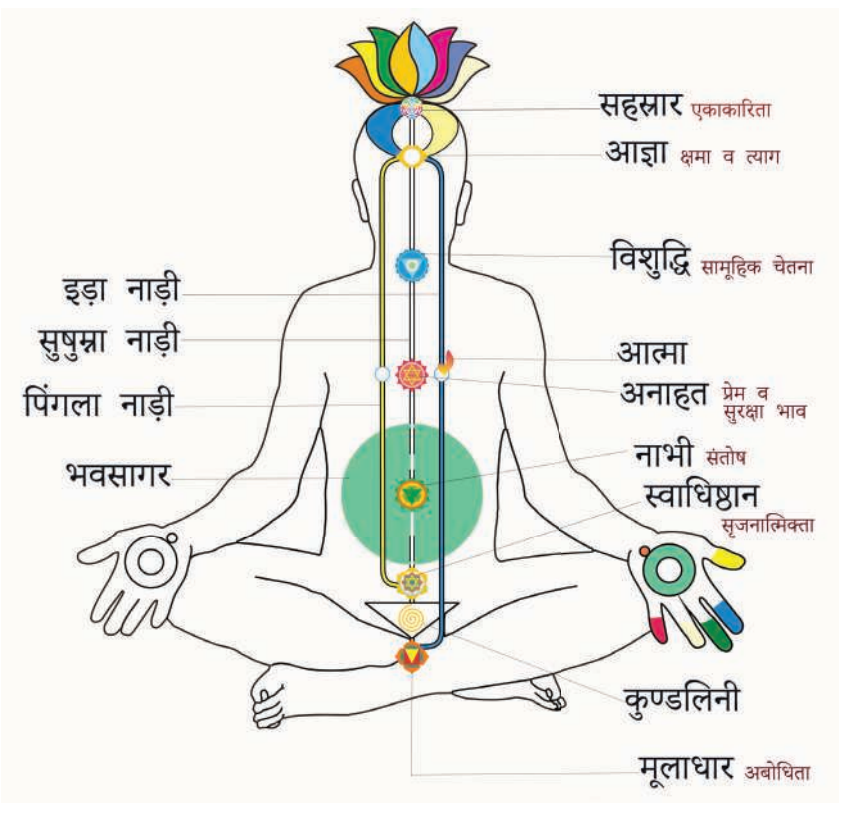

सहज योग विश्व को एक सूत्र में पिरोता है

अधिक जानकारी और अपना आत्म–साक्षात्कार पाने के लिए, निम्न सूत्रों का उपयोग करें–

www.sahajayoga.org
www.nirmaldham.org
www.sahajayogamumbai.org
www.sahajayoga.org.in
www.freemeditation.com
www.freemeditation.com.au
www.sahajayogaworld.org

विश्व भर के सहज योग संपर्क–सूत्रों के लिए

This is brought to you by **M B Ratnannavar** and **Team of Sahaja Yogis.** E-mail: mbratan@gmail.com

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

स्वतंत्रता का कानून से बचाव

यदि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है तो उसने कुछ गलत किया होगा। यदि किसी व्यक्ति को जमानत देने से इंकार कर दिया जाता है तो उसे दोषी होना चाहिए। अगर किसी को न्यायिक हिरासत (जो कि पुलिस हिरासत से अलग है) में भेजा जाता है तो वह कैद के साथ सजा का भागीदार होता है।

कुछ विराम यह बताने के लिए कि उपरोक्त हर निष्कर्ष *स्पष्ट रूप से गलत* है। यह हमारे अलंघनीय अधिकारों जिसे हम **स्वतंत्रता** कहते हैं, और स्वतंत्रता को कम करने के प्रति अनदेखी की हमारी निर्दयता है, जैसा कि अमेरिका के मिनेसोटा में जॉर्ज फ्लॉयड आंदोलन में देखने को मिला या भारत में तमिलनाडु में जयराज और फेनिक्स के मामले में देख रहे हैं।

भारत में हिरासत में होने वाली कथित यातनाओं के मामलों में जयराज और फेनिक्स का मामला कोई पहला नहीं है। 1996 में सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने पश्चिम बंगाल के डी के बासु और उत्तर प्रदेश के ए के जौहरी के पत्रों पर *स्वतः संज्ञान* लिया था, जिनमें हिरासत में मौत की घटनाएं तेजी से बढ़ने की बात कही गई थी और 18 दिसंबर 1996 को *(डी के बासु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1997),1 एसीसी 436)* को ऐतिहासिक फैसला दिया था। इस फैसले की कई बार पुष्टि हुई और इसका समर्थन किया गया, फिर भी दुखद है कि चौबीस साल बाद भी कुछ नहीं बदला।

कई तरह की पुलिस

जब राज्य किसी अन्य व्यक्ति के मामले में कार्रवाई करता है तो आमतौर पर व्यक्ति को राज्य में पूरा भरोसा होता है और वह यह मानने के लिए तैयार रहता है कि एक पुलिस अधिकारी, एक अभियोजक, एक मजिस्ट्रेट, एक जज या डॉक्टर हमेशा कानून सम्मत काम करेगा। पर वह गलत है। लार्ड डेनिंग ने इस बारे कहा है–

'कोई भी यह नहीं मान सकता कि कार्यपालिका कभी भी ऐसे पाप की दोषी नहीं होगी, जो कि हम सबके बीच सामान्य सी बात है। आपको लग सकता है कि कई बार वे ऐसे काम कर जाते हैं जो उन्हें नहीं करने चाहिए, और ऐसे काम नहीं करेंगे जो उन्हें करने चाहिए।'

हिरासत में यातना की शुरुआत हिरासत में ले लिए जाने के बाद नहीं होती, इसके बीज तो पहले से ही पड़ जाते हैं, जिन्हें गिरफ्तारी, जमानत से इनकार, पुलिस हिरासत की इजाजत और न्यायिक हिरासत में रिमांड जैसे स्तरों पर देखा जा सकता है। हर स्तर पर कानून एकदम स्पष्ट है, लेकिन इस पर अमल अक्सर गलत और विकृत होता है।

हम गिरफ्तारी से शुरुआत करते हैं। *डी के बासु* मामले में अदालत ने कहा था कि नियमित पुलिस के अलावा भी हमने गिरफ्तारी का अधिकार दूसरे प्राधिकारों को दे रखा है, जैसे सीबीआइ, प्रवर्तन निदेशालय, सीआइडी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, यातायात पुलिस, आयकर अधिकारी आदि। इनमें से कुछ का दावा है कि वे 'पुलिस' नहीं हैं और आपराधिक आचार संहिता से नहीं बंधे हैं। उदाहरण के लिए, प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि वह 'केस डायरी' रखने के लिए बाध्य नहीं है। बदतर तो यह है कि हमने गिरफ्तारी के लिए विशिष्ट स्थितियों को स्पष्ट नहीं किया है। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (तीसरी रिपोर्ट) ने पाया था कि कुल गिरफ्तारियों में से साठ फीसद 'अनावश्यक' थीं। रिपोर्ट में जिन दिशानिर्देशों की सिफारिश की गई थी, उनका हवाला देते हुए जजों ने फटकार लगाई थी और कहा था– 'पुलिस आयोग की सिफारिशें वैयक्तिक स्वतंत्रता और आजादी के मौलिक अधिकार की संवैधानिक सहवर्तिता को प्रतिबिंबित करती है। हालांकि इन सिफारिशों को अभी तक कोई वैधानिक दर्जा नहीं मिला है।'

गिरफ्तारी और रिमांड

पहला सुधार कई प्राधिकारों को दी गई गिरफ्तार करने की शक्ति को खत्म करने का है। दूसरा यह घोषित किया जाए कि कोई भी अधिकारी जिसे गिरफ्तार करने की शक्ति हासिल हो, वह एक 'पुलिस' अधिकारी हो। तीसरा यह कि विशिष्ट परिस्थितियों में गिरफ्तार करने के अधिकार को सीमित किया जाए। याद रहे, जयराज और फेनिक्स को इस आरोप में गिरफ्तार किया गया था कि उन्होंने पूर्णबंदी में नियत समय से पंद्रह मिनट ज्यादा अपनी दुकान खोले रखी थी!

दूसरा स्तर पेशी और रिमांड का है। कोई भी मजिस्ट्रेट या जिला जज यह सोचे बिना पुलिस हिरासत नहीं देगा कि इसकी जरूरत है या नहीं। पुलिस हिरासत खत्म (जो अधिकतम पंद्रह दिन की होती है) होते समय मजिस्ट्रेट / जिला जज गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेजेगा। कानून बिल्कुल अलग है। *मनुभाई रतिलाल पटेल (2013) 1 एससीसी 314*, में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था–'..मजिस्ट्रेट तथ्यात्मक परिस्थितियों को देखते हुए अपने विवेक का इस्तेमाल कर सकते हैं कि क्या पुलिस हिरासत के लिए कोई वाजिब कारण है, या न्यायिक रिमांड के लिए न्यायोचित कारण है या कुल मिला कर कहीं रिमांड की कोई जरूरत नहीं है।' शायद ही कोई मजिस्ट्रेट या जिला जज होगा जो इन रेखांकित शब्दों का खयाल रखता होगा।

तीसरा स्तर गिरफ्तार या रिमांड पर लिए गए व्यक्ति की डाक्टरी जांच है। यदि जयराज और फेनिक्स की चिकित्सक द्वारा उचित जांच कराई गई होती तो उन्हें कैसे स्वस्थ्य होने का प्रमाणपत्र दिया गया होता।

अपवाद बनते नियम

चौथा स्तर जमानत का है। कम से कम पहली या दूसरी सुनवाई में तो कुछ मजिस्ट्रेट / जिला जज जमानत के लिए अभियोजक के विरोध को खारिज कर देंगे। विचाराधीन कैदियों से जेलें भरी पड़ी हैं, जबकि कानून के मुताबिक ऐसे कैदियों को जमानत पर होना चाहिए। *बालचंद (1977) 4 एससीसी 308* में कृष्णा अय्यर जे ने यह फैसला दिया था। तब से जमानत नियम है, जेल अपवाद है, यह एक पवित्र सिद्धांत बन कर गया है। हालांकि कम ही मजिस्ट्रेट / जिला जजों ने इसे लागू किया, वे अपवाद को ही लागू करने में खुश हैं। जयराज और फेनिक्स मामले में कथित तुच्छ अपराध के लिए उन्हें पुलिस या न्यायिक हिरासत के लिए रिमांड नहीं देनी चाहिए थी। उन्हें पेशी पर जमानत दे दी जानी चाहिए थी।

यह बहुत ही निराशाजनक है कि वैयक्तिक स्वतंत्रता से संबंधित कानून सिद्धांत में कुछ है और व्यवहार में कुछ। शुक्र है कि अब चीजें बदल रही हैं। हाल में *सुशीला अग्रवाल (29 जनवरी 2020)* मामले में संवैधानिक पीठ ने *गुरबक्श सिंह सिब्बिया (1980) 2 एसीसी 565* मामले में दिए गए संवैधानिक पीठ के फैसले को बनाए रखा और साहसपूर्वक सुप्रीम कोर्ट के *आठ* फैसलों को पलट दिया और इसे 'एक बुरा कानून' घोषित कर दिया। गलती इंसान करता है और उस गलती को सुधारना न्याय है। जयराज और फेनिक्स की तरह मरने से पहले जो लोग अपने को उस हालत में पाते हैं, उनके लिए अभी भी एक उम्मीद है।

लोकतंत्र में तानाशाही

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्तावादी और तानाशाही नेतृत्व को लेकर पांच साल पहले पेरिस यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर सेर्गेई गुरिएव और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के प्रोफेसर डेनियल ट्रेसमान ने एक अत्यंत रोचक अध्ययन किया था। अध्ययन का शीर्षक था 'हाउ मॉडर्न डिक्टेटर्स सर्वाइव : ऐन इन्फॉर्मेशनल थ्योरी ऑफ द न्यू ऑथॉरिटारियनिज्म'। पॉलिटिकल साइंस के इन दोनों विद्वानों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नेतृत्व का शोध किया और अपना ध्यान उन नेताओं पर केंद्रित किया, जो अपने कार्यकाल में सत्तावादी और तानाशाही प्रवृत्ति प्रदर्शित करते रहे थे। इन नेताओ में कुछ का तो तख्ता पलट हो गया, पर जो अपना कार्यकाल पूरा कर पाए या सत्ता पर उसके बाद भी काबिज रहे, उन सबमें शोधकर्ताओं को एक बड़ी समानता मिली थी।

शोध के अनुसार लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में तानाशाही प्रवृत्ति वाले हर नेतृत्व ने सिर्फ एक मूल मंत्र अपनाया है– अपनी सक्षमता की लगातार घोषणा करना। शोधकर्ताओं का कहना है कि 'लोकतांत्रिक' डिक्टेटर कुर्सी पर काबिज सिर्फ बल या विचारधारा से नहीं होते हैं, बल्कि वे सत्ता हथियाने के लिए अपने को औरों से अधिक सक्षम प्रमाणित करने का भरसक प्रयास करते हैं। इस बात से कोई मतलब नहीं होता कि वे वास्तव में कितने सक्षम हैं। मतलब सिर्फ इस प्रसार से होता है कि उनके सरीखा कंपीटेंट (सक्षम) व्यक्ति कोई और नहीं है।

'तानाशाहों' के लिए विचारधारा का ज्यादा उपयोग नहीं होता और न ही उससे उनकी कोई विशेष प्रतिबद्धता होती है। शुरुआती दौर में वे विचारधारा का सीमित उपयोग जनता का ध्यान खींचने के लिए करते हैं और फिर उसके सहारे अपनी प्रबल सक्षमता के दावों का अंबार लगा देते हैं। सक्षमता के केंद्र बिंदु होते हैं– अवाम को बेहतर जिंदगी देने की उनकी काबिलियत और बाहरी खतरों से देश और लोगों को सुरक्षित रखने का उनका अजीम हौसला। 'तानाशाह' इन बिंदुओं पर लगातार और तरह-तरह से पैंतरेबाजी करके लोगों को विश्वास दिलाता रहता है कि अगर वह नहीं रहेगा तो प्रलय आ जाएगी।

शोधकर्ताओं का कहना है कि तानाशाह की कथित क्षमता निर्धारित करती है कि वह कितनी लंबी पारी खेलेगा। जितना ज्यादा वह सक्षम होने के दावों से लोगों को प्रभावित करने में सफल होगा उतना ही उसका कार्यकाल चलेगा। दावों पर पूछताछ न हो, इसके लिए तानाशाह सरकारी प्रचार-प्रसार के तंत्र पर ज्यादा से ज्यादा संसाधन लगाता है। साथ ही वह स्वतंत्र मीडिया पर सेंसरशिप किसी न किसी रूप से लगाता है, समाज के अभिजात वर्ग को अपने दावों के साथ जोड़ने के लिए उसको प्रलोभन देता है और चुनिंदा स्थितियों में बाकी वर्गों को सबक देने के लिए पुलिस आदि का दमनकारी प्रयोग करता है। स्टेट प्रोपोगंडा, सेंसरशिप और अभिजात वर्ग की स्वीकृति– प्रत्यक्ष या परोक्ष– तीन अहम पाए हैं, जिन पर सत्तावादी की कुर्सी टिकी होती है। चौथा पाया दावों का मूसल है।

अध्ययन के अनुसार बीसवीं शताब्दी में हिटलर, स्टालिन, माओ, पोलपोट, स्पेन के फ्रांको, चिले के पिनोशो या फिर अफ्रीका के कई और तानाशाह हिंसा और आक्रामक विचारधारा के बूते पर अपने देश पर शिंकजा कस लिया करते थे। फासिज्म और कम्युनिज्म के नाम पर जर्मनी, रूस और चीन ने व्यापक स्तर पर दमन देखा है। पर इक्कीसवीं शताब्दी के आते-आते तक बड़े पैमाने पर हिंसा का प्रयोग कम होता गया है। हाल के दशकों में लोकतांत्रिक तानाशाहों ने अपने को वैश्विक मीडिया और नई तकनीक के अनुसार ढाल लिया है। अपनी उद्देश्य सिद्धि के लिए अनुदार सरकारों ने पुलिसिया आतंक को बहुत हद तक त्याग दिया है। पुलिस व्यवस्था अब भी है, पर वर्दी को अदृश्य कर दिया गया है। उसकी जगह टेक्नोलॉजी को लाया गया है, जिससे लोक-विचार और आचरण को समुचित रूप से नियंत्रित रखा जा सके।

> हाल के दशकों में लोकतांत्रिक तानाशाहों ने अपने को वैश्विक मीडिया और नई तकनीक के अनुसार ढाल लिया है। अपनी उद्देश्य सिद्धि के लिए अनुदार सरकारों ने पुलिसिया आतंक को बहुत हद तक त्याग दिया है। पुलिस व्यवस्था अब भी है, पर वर्दी को अदृश्य कर दिया गया है। उसकी जगह टेक्नोलॉजी को लाया गया है, जिससे लोक-विचार और आचरण को समुचित रूप से नियंत्रित रखा जा सके।

अध्ययन के अनुसार समकालीन सत्तावादी सरकारें लोकतंत्र का जामा ओढ़ कर ऐसी तरकीब से चुनाव कराती हैं, जिसमें उनकी जीत निश्चित होती है। वे स्वतंत्र प्रेस पर प्रतिबंध नहीं लगाती हैं, बल्कि उस पर अपना प्रभाव भय और लालच दिखा कर बनाती हैं। जहां तक विचारधरा का संबंध है, तो किसी विशिष्ट विचार की जगह वे अज्ञात शत्रु से जनता को जूझने के लिए प्रेरित करती हैं। इसमें देश को बाहर से खतरा, किसी धर्म या नस्ल से खतरा आदि जैसे मुद्दे विशेषकर उठाए जाते हैं। इनसे निपटने के लिए लोकतांत्रिक तानाशाह अपने को सबसे अधिक सक्षम बताता है।

प्रोपेगंडा के माध्यम से वह अपनी सक्षमता के बयान, किस्से और कहानियां प्रसारित करता है। दूसरे शब्दों में,अपने अलोकतांत्रिक शासन कोपरफारमेंस लेजिटिमेसी या कार्यवैधता का औचित्य प्रधान करने की भरपूर कोशिश करता है। इन सरकारों का लोकहित उद्देश्य नहीं होता है, बल्कि उनक पूरा जोर इस बात पर होता है कि नेतृत्व की क्षमता का डंका बजता रहे। क्षमता का भरम लोकमानस में गहराता जाए। समकालीन नेतृत्व टीवी पर अपनी रेटिंग को इसीलिए बहुत गंभीरता से लेता है और उनको संभालने के लिए हर तरह का हथकंडा इस्तेमाल करता है।

अध्ययन की रोचक बात यह है कि लगभग सभी नेता अपनी सक्षमता साबित करने के लिए सूचना प्रवाह को सबसे ज्यादा अहमियत देते हैं। सूचना आज नशा हो गई है। इसकी उपलब्धि अगर कुछ देर के लिए भी बाधित हो जाए, तो लोग बिलबिला उठते हैं। समकालीन तानाशाह ने लोगों की दुखती रग को पकड़ लिया है और वह इस मजबूरी का भरपूर फायदा उठा रहा है। अपनी सक्षमता की सूचनाएं, वास्तव और काल्पनिक, वह व्यापक सूचना प्रवाह में इस तरह से जोड़ता जाता है जिससे उनके बारे में सुनने और देखने की लोगों को लत पड़ जाए। लगातार चर्चा अपने पर केंद्रित करके और विपक्ष को लाचार और अक्षम बता कर तानाशाह बिना व्यापक हिंसा किए औरों को समाप्त कर देने की पुरजोर कोशिश करता है। निज विज्ञापन का शोर, जिसमें दूसरे के बोल डूब जाए समकालीन परोक्ष हिंसा की रणनीति का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

कार्ल मार्क्स ने सालों पहले कहा था कि धर्म जनसाधारण की अफीम है। इक्कीसवीं शताब्दी में यह अफीम सूचना प्रवाह बन गई है और जैसे विगत वर्षों में तानाशाह धर्म का उपयोग अपनी सक्षमता सिद्ध करने के लिए करते थे उसी तरह समकालीन शासक सूचना प्रवाह का उपयोग कर रहे हैं। दोनों का नशा बहुत तेज है, विशेषकर सूचना की तलब तो सिर चढ़ कर बोलती है। लोकतांत्रिक रूप से अयोग्य शासक के लिए इस तलब को बढ़ाते रहना बेहद उपयोगी है।

जो सवालों से डरते हैं

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

नरेंद्र मोदी के दौर में देशभक्ति का मतलब बदल गया है। परिवर्तन यह आया है कि जो फासले हुआ करते थे देश और सरकार शब्दों के मतलब के बीच, वे धीरे-धीरे इतने कम हो गए हैं कि जब भी सरकार पर कोई संकट आया है, उसकी अपनी गलत नीतियों के कारण और इन नीतियों की आलोचना हुई है, तो देशभक्ति का हवाला देकर आलोचकों के मुंह बंद कर दिए गए हैं। जो लोग थोड़ी हिम्मत दिखा कर आलोचना की जिद ठान लेते हैं, उनके खिलाफ पूरी मुहिम चलाई जाती है, जिसका नेतृत्व करते हैं मोदी के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता। इस मुहिम में प्यादे बनते हैं सोशल मीडिया पर मोदी के लाखों समर्थक।

यह साल गंभीर संकटों से भरा रहा है मोदी के लिए, कुछ उनकी अपनी गलतियों के कारण, कुछ चीन से आई इस महामारी के कारण और हाल में चीन के हमलों के कारण। साल के पहले दो महीनों में नागरिकता कानून में संशोधन के विरोध में मुसलमान हमारे शहरों की सड़कों पर उतर आए थे। दिल्ली के जामिया मिल्लिया में जब विरोध प्रदर्शन हुए और पुलिस ने छात्रों के साथ ज्यादतियां की, तो शाहीनबाग में मुसलिम महिलाओं का धरना शुरू हुआ। प्रधानमंत्री अगर शाहीनबाग में अपने गृहमंत्री को भेज कर इन औरतों से बातचीत की कोशिश करते, तो मुमकिन है कि उनका आंदोलन इतना लंबा न चलता। पर शायद इसलिए कि दिल्ली में चुनाव होने वाले थे, जिसमें गृहमंत्री का इरादा था शाहीनबाग के जरिए हिंदू-मुसलिम नफरत फैलाने का, मुसलिम महिलाओं के इस प्रदर्शन को रोका नहीं गया। दिल्ली चुनावों के बाद नफरत फैलती रही और हिंदू-मुसलिम दंगे दशकों बाद हुए देश की राजधानी में। जब मेरे जैसे कुछ लोगों ने कहा कि ऐसा हुआ मोदी सरकर की गलत नीतियों के कारण, तो हमको गद्दार कहा गया। देशभक्त उन्ही को माना गया, जिन्होंने शाहीनबाग को 'छोटा पाकिस्तान' कहा।

हिंदुओं और मुसलमानों में तनाव चरम सीमा पर था, जब कोविड-19 ने देश में कदम रखा। सो, इस महामारी का दोष भी शुरू में मुसलमानों पर डालने की कोशिश हुई। एक बार फिर देशभक्ति का हवाला देकर अफवाहें फैलाई गईं देश भर में कि तबलीगी जमात के सम्मेलन में आए मुसलमानों ने अस्पतालों में जानबूझ कर थूक कर महामारी को फैलाया है। अब जब सारे देश में फैल चुकी है महामारी, ऐसा कोई नहीं कह रहा है। लेकिन प्रवासी मजदूरों के हाल पर कोई कुछ कहता या ध्यान दिलाता है कि पूर्णबंदी घोषित करने से पहले इनके बारे में ध्यान नहीं दिया गया, तो उस पर देशद्रोही का आरोप चिपकाया जाता है। जब बरखा दत्त ने उनकी दर्द भरी कहानियां उनके साथ पैदल चल कर दुनिया के सामने रखी, तो उसको खूब बदनाम किया मोदी के समर्थकों ने। सोशल मीडिया पर उसको 'बक-बक बरखा' कह कर जलील किया गया, देशद्रोही कहा गया।

महामारी से जूझ रहा था देश कि लद्दाख में चीन ने हमारी सरजमीन पर अपने सैनिकों को भेजना शुरू किया। जब हमारे बहादुर जवानों ने इस घुसपैठ को रोकने कि कोशिश की, तो उन्होंने ऐसा बर्बर हमला किया जैसे ठग और गुंडे करते हैं, सेना के सिपाही नहीं। गलवान घाटी में हुए इस बर्बर हमले की निंदा सारी दुनिया में हुई है, लेकिन अगर विपक्ष का कोई राजनेता या मीडिया का कोई व्यक्ति सवाल पूछने की हिम्मत दिखाता है, तो उस पर फौरन गद्दारी का आरोप लग जाता है। देशभक्ति की चादर में ढकने की कोशिश उस कड़वे सच को अब हो रही है कि गलवान घाटी में आज भी चीन अपनी आक्रामक हरकतें कर रहा है और कई जगहों पर ऐसा हो रहा है उन क्षेत्रों में, जिन्हें हम अपना मानते हैं।

> देशभक्ति बहुत बड़ी चीज है। देश से प्यार जिसको नहीं है, वह वास्तव में देशद्रोही कहलाने लायक है। लेकिन जब देशभक्ति को हथियार बना कर अपने देशवासियों पर इस्तेमाल किया जाता है, तो देशभक्ति न रह कर वह जुल्म बन जाती है।

देशभक्ति बहुत बड़ी चीज है। देश से प्यार जिसको नहीं है, वह वास्तव में देशद्रोही कहलाने लायक है। लेकिन जब देशभक्ति को हथियार बना कर अपने देशवासियों पर इस्तेमाल किया जाता है, तो देशभक्ति न रह कर वह जुल्म बन जाती है। ऐसा कुछ ज्यादा ही होने लगा है नरेंद्र मोदी के राज में। सो, जब बजाज ऑटो के मालिक राजीव बजाज ने ध्यान दिलाया कि पूर्ण बंदी अगर इसी तरह चलती रही, तो लोग बीमारी से नहीं भूख से मरने लगेंगे, तो सोशल मीडिया पर मोदी समर्थक उनके बारे में भी अनाप-शनाप बातें करने लगे। देशद्रोही का इल्जाम नहीं लगा है अभी तक, लेकिन इशारा यही है कि वे देश के भले के लिए नहीं बोल रहे हैं।

सच तो यह है कि जो लोग संकट के समय सवाल करने की हिम्मत दिखाते हैं, वही असली देशभक्त हैं। जो ध्यान दिला रहे हैं आर्थिक संकट की तरफ, वे देश की सेवा कर रहे हैं। जो प्रवासी मजदूरों के हाल की तरफ ध्यान दिला रहे हैं, वे असली देशभक्त हैं। चीन के साथ तकरीबन युद्ध की इस स्थिति में जब पंजाब के मुख्यमंत्री ने सवाल पूछे प्रधानमंत्री से, तो उन्होंने देशभक्ति के कारण पूछे थे। समस्या यह है कि मोदी की इस 'न्यू इंडिया' में देशभक्ति का मतलब इतना बदल गया है कि ऐसा लगने लगा है कि देशभक्त सिर्फ उनको कहा जाएगा, जो सरकार की न नीतियों की आलोचना करते हैं और न किसी गलती की निंदा।

इस साल इतने संकट आए हैं देश के सामने कि प्रधानमंत्री अकेले उनका समाधान नहीं ढूंढ़ पाएंगे। यह ऐसा समय है जब उनकी असली मदद कर सकते हैं वही लोग, जिनको उनके समर्थक और प्रशंसक देशद्रोही कहते फिर रहे हैं। मोदी मोह में इतने अंधे हैं ये लोग कि यह भी नहीं देख पा रहे हैं कि सरकार की आलोचना और देश की आलोचना में बहुत अंतर है। सरकार सरकार है, देश नहीं।

भई गति सांप छछुंदर केरी

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

आजकल जिसे देखो वही बंदा हमें डराने बैठ जाता है। एक शाम एक चैनल पर डब्लूएचओ के टेडरॉस आकर चेता गए कि 'सबसे बुरा वक्त अभी आना है। लोग इस चेतावनी को हल्के में न लें।'

सर जी! कभी तो शुभ शुभ बोला करो। जब जब आते हो, डरा के चले जाते हो!

ऐसे में हमें बाबा रामदेव से उम्मीद थी कि कोई ऐसा आसन दिखाएंगे कि सारे डर फुर्र हो जाएंगे, लेकिन अपने किशोर सुलभ उत्साह में वे भी कुछ 'हाई' हो गए और कह बैठे कि हमने कोरोनिल नाम से कोरोना की दवा बना ली है, जो शत प्रतिशत ठीक करती है...

फिर क्या था? वे फार्मा कंपनियों का निशना बन गए, और सारे चैनल आयुर्वेद को ठोकने लग गए।

एक चैनल ने एक स्वीडिश समेत तीन मेडिकल वाले बुलाए। इनमें सबसे तीखा स्वीडिश ही बोलीं कि बिना परीक्षण वाले ऐसे 'मनगढ़ंत मिश्रणों' को दवा के रूप में देकर मरीजों की जान खतरे में नहीं डाली जा सकती। आयुर्वेद एक विचार भी है... और ये इम्युनिटी बढ़ाने वाले नुस्खे भी इम्युनिटी के लिए खतरा हो सकते हैं। इसके प्रतिवाद में सिर्फ एक आयुर्वेद वाले ने स्वीडिश को टोका कि ये बताइए कि 'क्लोरोक्विन' को पहले इंग्लैंड ने दिया, फिर बंद कर दिया और फिर से देने लगे, जबकि कोरोना की दवा के रूप में उसके भी परीक्षण नहीं हुए। ऐसा क्यों?

इस 'क्यों' का जवाब तो नहीं आया, अलबत्ता बहस खत्म होते ही उसी चैनल पर एक आयुर्वेदिक कंपनी के इम्युनिटी बढ़ाने वाले ब्रांडों के विज्ञापन बरसने लगे। है न चैनलों की धंधेखोरी कि एक क्षण पहले इम्युनिटी वाले नुस्खों पर हमला कराया और अगले ही क्षण उनको बेचने निकल पड़े!

बहरहाल, सप्ताह की सबसे मजेदार कहानी चीनी तंबुओं की गिनती की रही। एंकर जन अपनी-अपनी सेटेलाइट और अपने-अपने तंबुओं को दिखाते रहे और नक्शों को ऐसे समझाते रहे, मानो पहुंचे हुए 'कार्टोग्राफर' हों!

जो एंकर कल तक कहता रहा कि विवादित जगह पर अब एक भी तंबू नहीं है, वही कहने लगा कि चीनी तंबू नहीं हटे हैं, बल्कि और बढ़ गए हैं। मगर, वाह रे एंकर! इतनी बड़ी पलटी और चेहरे पर एक शिकन तक नहीं! यानी 'या बेशर्मी तेरा ही आसरा!'

सिर्फ दो चैनल सतत रहे कि तंबू कहीं नहीं गए, बल्कि उनकी संख्या बढ़ गई है। ये देखिए, अब पेगोंग में चीन का नया जमावड़ा। ये देखिए, चीनी टैंक, तोपें, गाड़ियां, बुलडोजर...

एक शाम पीएम ने देश के साठ करोड़ गरीबों के लिए, नवंबर महीने तक, हर महीने पांच किलो गेहूं, पांच किलो चावल, एक किलो चना देने का ऐलान किया और साथ ही 'वन नेशन वन राशन कार्ड' का ऐलान किया, तो विपक्ष कुछ हिला, लेकिन ममता दीदी ने पीएम के ऐलान से भी आगे बढ़ कर कहा कि वे अगले बरस के जून तक गरीबों को राशन मुफ्त देंगी।

> इसी बीच बहुत-सी चीनी परियोजनाएं और ठेके बंद करने की खबरें आने लगीं। फिर एक दिन सरकार ने चीन के 'टिकटॉक' समेत उनसठ ऐप प्रतिबंधित कर दिए। फिर पीएमओ ने वीबो का खाता बंद कर दिया!

इसी बीच बहुत-सी चीनी परियोजनाएं और ठेके बंद करने की खबरें आने लगीं। फिर एक दिन सरकार ने चीन के 'टिकटॉक' समेत उनसठ ऐप प्रतिबंधित कर दिए। फिर पीएमओ ने वीबो का खाता बंद कर दिया!

लेकिन एक चैनल में एक विशेषज्ञ ने कहा कि हमारे यहां इक्यासी फीसद मोबाइल सेट चीन के बने हैं। उनसे भी तो चुनाव चिंतक बोले कि सब चुनाव का चक्कर है, तो दूसरे बोले कि बिहार में भी तो चुनाव हैं!

फिर, एक दिन 'आत्मनिर्भरता' का नारा आया और देशभक्त चैनलों ने 'चीन के बायकाट' की लाइन पेल दी। चैनलों ने 'बायकाट' का इतना शोर मचाया कि लगा कि अब आया चीनी ऊंट पहाड़ के नीचे!

इसी बीच बहुत-सी चीनी परियोजनाएं और ठेके बंद करने की खबरें आने लगीं। फिर एक दिन सरकार ने चीन के 'टिकटॉक' समेत उनसठ ऐप प्रतिबंधित कर दिए। फिर पीएमओ ने वीबो का खाता बंद कर दिया!

लेकिन एक चैनल में एक विशेषज्ञ ने कहा कि हमारे यहां इक्यासी फीसद मोबाइल सेट चीन के बने हैं। उनसे भी तो हमारी जासूसी की जाती होगी। उनका बायकाट कैसे करेंगे? क्या उतने सस्ते फोन हैं आपके पास?

बायकाट की ऐसी चर्चाओं से समझ में आया कि चीन हमारे अंदर कहां-कहां तो घुसा हुआ है?

क्या-क्या बायकाट करेंगे? ऐसे में बायकाट करते-करते हमारी दशा कहीं 'भइ गति सांप छछुंदर केरी' वाली न हो जाय!

ऐसी ही एक 'बायकाटवादी' बहस से ज्ञात हुआ कि सरकार की लाइन है कि बैन भले करो, लेकिन बहुत गाल न बजाओ! लेकिन अपने एंकर, जिनका गाल बजाने से ही पेट भरता है, गाल कैसे न बजाएं?

ऐसी ही एक गालबजाऊ बहस में जब एक साइबर विशेषज्ञ बताने लगा कि दिल्ली में जिस 'हिकविजन' के जो सीसीटीवी लगे हैं, वह एक चीनी कंपनी है, जिसका सरगना सीपीसी का नेता है। इनके जरिए चीन घर बैठे देख सकता है कि पीएम कब दफ्तर आते हैं, कब जाते हैं। हम उसकी निगरानी में हैं। यह हमारी सुरक्षा को सबसे बड़ा खतरा है और अफसोस, हमारी सरकार इस स्थिति के लिए एकदम तैयार नहीं है...

जवाब में अक्सर शिष्ट रहने वाले एक भाजपा प्रवक्ता ने साइबर विशेषज्ञ के इस 'पैरानोइया' से असहमति जताते हुए कहा कि वे साइबर विशेषज्ञ तो नहीं, फिर भी एक नेता की तरह बात कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने उस 'एंग्री यंग साइबर एक्सपर्ट' पर चुटकी ली कि क्या इस साइबर एक्सपर्ट के कोई व्यावसायिक हित हैं, कि हर तरफ चीन का खतरा देखता है... फिर क्या था, सारी बहस तू-तू मैं-मैं में बदल गई!

बहस के बीच बैठे चीन के 'इनार तांजेन' ने तुरंत रूडी को सही ठहराया और अमेरिकी कंपनियों के चीन विरोधी प्रचार की ओर इशारा किया!

यारो! जब आप स्वयं चीनियों को अपने चैनलों में आदरणीय मेहमान की तरह बिठाओगे, तो फिर क्या तो छिपना, क्या छिपाना? जिसे 'दुश्मन' कहते हो, उसे ही बाप बना कर अपनी बगल में बिठाते हों! क्यों?

अपने जनतंत्र में अपने चैनल गोपनीय से गोपनीय मुद्दे तक को तो चैराहे पर लाकर फोड़ते हैं, तो क्या तो गोपनीय रहता है, क्या अगोपनीय?

प्राणोजस क्रिया

योग दर्शन

डॉ. वरुण वीर

आधुनिक समाज में पूरा जीवन उस सड़क पर दौड़ता जा रहा है, जिसकी कोई मंजिल नहीं है। असंयमित भोजन, असंयमित नींद, काम का अत्यधिक दबाव, दांपत्य जीवन में कलह, असंतोषी जीवन, कम समय में बहुत कुछ पाने की लालसा, यहां तक कि शरीर-प्राण-मन सब रोगी हो चुके हैं लेकिन फिर भी सुख को पाने की दौड़ जारी है। ऐसे में सवाल है कि सुख क्या है और कैसे मिलेगा? शरीर को सुखी बनाने के लिए मनुष्य ने सभी साधन तो जुटा लिए हैं लेकिन वह उन साधनों को भोगने के बाद भी हमेशा रोग और मानसिक तनाव में ही डूबा रहता है।

यह मानसिक तनाव कामकाजी स्त्री-पुरुष को ही नहीं, स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों व बुजुर्गों को भी हो रहा है। इस अस्त-व्यस्त जीवन ने हमारे स्नायु तंत्र तथा प्रतिरोधक प्रणाली (इम्यून सिस्टम) को कमजोर कर दिया है। आज हम देख रहे हैं कि जिसकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, वही करोना या अन्य बीमारियों की चपेट में अधिक आ रहा है। यहां तक कि अपने जीवन को भी खो बैठता है।

प्राणोजस क्रिया

प्राणोजस क्रिया प्राण की एक प्रक्रिया है जिसको प्रतिदिन आठ से दस मिनट करने से प्रतिरोधक प्रणाली को अत्यधिक शक्तिशाली बनाया जा सकता है। इसके माध्यम से जो हम प्राणशक्ति (लाइफ एनर्जी) लेते हैं, उसको अधिक से अधिक अपने शरीर के भीतर भरकर शरीर के प्रत्येक अंग, यहां तक कि प्रत्येक कोशिका तक पहुंचाने से हमारा स्नायु तंत्र सुदृढ़ बनता है। प्राणोजस क्रिया, मुद्राओं तथा बंध का प्रयोग एवं पूर्ण विश्राम के माध्यम से प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करना सरल है।

प्राणोजस क्रिया शरीर में प्राणशक्ति को बढ़ाकर शरीर के प्रत्येक अंग को नई ऊर्जा प्रदान करती है। शरीर के अंदर जो भी दूषित मानसिकता और भावनात्मक अशुद्धि है, वह उसे निकालकर रिक्त स्थान पैदा करती है। रिक्त स्थान पैदा होने के बाद प्राणोजस क्रिया के द्वारा शरीर में गहराई तक 'ओज' (लाइफ एनर्जी) दौड़ने लगती है। यह क्रिया करने के बाद शरीर, प्राण तथा मन में संतुलन स्थापित होता है। मन को गहरी शांति का आनंद मिलता है।

प्राणोजस क्रिया में बंधों का प्रयोग

इस क्रिया की एक स्थिति में तीनों बंध का तथा एक स्थिति में दो बंध का प्रयोग किया जाता है। बंध तीन प्रकार के हैं- मूल बंध जालंधर बंध और उड्डियान बंध।

मूल बंध : गुदाद्वार का संकुचन कर उसे नाभि की ओर खींचना और यथाशक्ति रोककर रखना। यह बंध करते समय कई बार साधक जांघों और नितंब की मांसपेशियों का भी संकुचन कर लेता है जो कि नहीं करना है। केवल गुदाद्वार का संकुचन कर ऊपर की ओर खींचना है अथात गुदाद्वार को बंद कर ऊपर की ओर खींचना है।

जालंधर बंध : कमर सीधी रखते हुए सिर को नीचे की ओर झुकाना है और ठोड़ी को छाती से लगा देना है अर्थात गर्दन को आगे झुका कर विशुद्धि चक्र को दबाना है, जिससे कि सांस न अंदर जाए, न बाहर आए।

उड्डियान बंध : इसमें सांस पूरी तरह से बाहर निकाल कर पेट अंदर खींच लेना होता है और इतना खींचे कि साधक की पसलियां दिखने लगे। पद्मासन, स्वस्तिक आसन, सिद्धासन या सुखासन में इस क्रिया को करने से अधिक लाभ मिलता है। कुर्सी पर बैठकर या ऐसी स्थिति में जहां साधक के पैर नीचे की ओर लटके हुए होते हैं, वैसे में लाभ कम मिलता है। प्रातः चार बजे से लेकर छह बजे तक और शाम पांच बजे से लेकर सात बजे तक इस क्रिया को करने का समय अच्छा है।

मौसम के अनुसार समय को थोड़ा बहुत परिवर्तित किया जा सकता है। यदि निर्देशित समय में यह क्रिया नहीं होती है तो इस क्रिया को कभी भी किया जा सकता है लेकिन तब लाभ कम मिलेगा। यह क्रिया करते समय पेट बिल्कुल साफ होना चाहिए। ध्यान रहे कि शाम को यह क्रिया करते समय भोजन तथा क्रिया करने में लगभग तीन घंटे का अंतर होना जरूरी है अर्थात करने से पहले तीन घंटे तक आपने कुछ भी न खाया-पिया हो।

सावधानियां

अगर आप हृदय रोगी हैं या उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन की समस्या है तो इस क्रिया को बंध के साथ न करें तथा कुंभक भी उतना ही करें जिससे कि बेचैनी महसूस न हो।

विधि

पद-1 : एकांत शांत स्थान में आसन लगाकर मन को चारों तरफ से खींचकर केवल श्वांस पर लगा दें। 11 बार गहरी और लंबी श्वांस लें। श्वांस की गति इतनी धीमी रखें कि अपने आप के श्वांस की आवाज भी सुनाई न दे।

पद-2 : श्वांस को शरीर के बाहर निकालकर तीनों बंधों- मूल बंध, जालंधर बंध तथा उड्डियान बंध का प्रयोग करें। आरंभ में 20 सेकंड श्वांस को बाहर ही रोकें और साथ ही तीनों बंधों का प्रयोग भी करें।

बीस सेकंड रुकने के बाद धीरे-धीरे श्वांस को भीतर भरते हुए तीनों बंधों को खोल दें और श्वांस गहरा लंबा अंदर भरकर 30 सेकंड रुकें। इस स्थिति में केवल दो बंधों- मूल बंध और जालंधर बंध का प्रयोग करें। यह 50 सेकंड का एक चक्र हुआ।

इसी प्रकार से बिना रुके तीन चक्र करने हैं। श्वांस बाहर निकालकर 20 सेकंड रुकना है। श्वांस अंदर भरकर 30 सेकंड रुकना है। यह एक चक्र हुआ। इस प्रकार से तीन चक्र पूरा करें। इस क्रिया को करते समय ध्यान मूल बंध पर लगा कर रखें और अन्य बंधों का प्रयोग साथ ही साथ करें। मूल बंध पर ध्यान लगाने से श्वांस अंदर और बाहर दोनों ही जगह अधिक देर तक रुक सकता है।

पद-3 : पद-2 जैसे ही समाप्त होता है तुरंत बिना रुके श्वांस-प्रश्वांस की तीव्र गति आरंभ करनी है। इस स्थिति में श्वांस गहरा बिल्कुल नहीं रखना है। इसमें रेल के इंजन की तरह श्वांस की गति अत्यंत तीव्र रखनी है।

प्राण ओजस क्रिया का यह भाग लगभग दो से तीन मिनट तक करना है तथा अंत में श्वांस बिल्कुल धीरे शांत छोड़ दें। इस क्रिया में जब श्वांस-प्रश्वांस करें तब अधिक दबाव फेफड़ों पर होना चाहिए।

इस क्रिया में प्राण की ऊर्जा अत्यधिक बढ़ जाती है जिससे कि शरीर में पसीना या फिर गर्मी पैदा होती है जो कि शरीर के अंदर की नकारात्मक ऊर्जा को बाहर निकालने में सहायक होती है। केवल नकारात्मक ऊर्जा ही नहीं, नकारात्मक विचारों को भी यह क्रिया मन से बाहर निकाल कर मन में ठहराव तथा शांति स्थापित करती है।

प्रतिदिन यह क्रिया करने से दस दिन के अंदर आप अपने शरीर में बड़ा ही सकारात्मक परिवर्तन महसूस करेंगे। इसका लाभ पहले दिन से ही आपको देखने को मिलेगा। ■

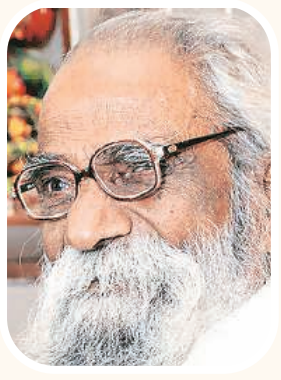

शख्सियत

तेलुगु साहित्य का अक्षर-पुरुष

रावुरी भारद्वाज

जन्म : 5 जुलाई 1927
निधन : 18 अक्तूबर 2013

भारतीय भाषाओं की जड़ें सांस्कृतिक तौर पर काफी गहरी हैं। ये जड़ें एक तरफ जहां भाषाई अस्मिता का विशाल फलक रचती हैं, वहीं इनसे भारतीय संस्कृति की सामासिक विलक्षणता पुष्ट होती है। यह बात उन लोगों को खासतौर पर समझने की जरूरत है जो भाषाई वर्चस्व की बात करते हैं और भारतीय भाषा परिवार की विशालता, विविधता और उनके अंतर्संबंधों को देखने-समझने का अपेक्षित विवेक नहीं रखते।

तेलुगु ऐसी ही एक समृद्ध भारतीय भाषा है, जिसका सांस्कृतिक आधार काफी मजबूत है। आधुनिक भारत में बाजार और शिक्षा माध्यमों के भाषाई इकहरेपन के कारण तेलुगु साहित्य की चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर थोड़ी कम जरूर हुई है पर इसका यह कतई मतलब नहीं कि इस भाषा का अवदान आधुनिक भारत के सांस्कृतिक विमर्श में किसी अन्य भाषा से कमतर है। तेलुगु साहित्यकार रावुरी भारद्वाज की चर्चा से पहले यह पृष्ठभूमि इसलिए ताकि हम समझ सकें कि तेलुगु साहित्य की चर्चा करना किसी आधुनिक भारतीय विमर्श से कटना नहीं बल्कि उससे गहरे तौर पर जुड़ना है।

रावुरी भारद्वाज के नाम और कृतित्व की चर्चा तब अखिल भारतीय स्तर पर हुई जब यह घोषणा हुई कि 2012 के लिए भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए वे चुने गए हैं। दिलचस्प है कि ज्ञानपीठ पुरस्कार 1965 से मिलना शुरू हुआ। तेलुगु की झोली में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पहली बार 1970 में आया जब विश्वनाथ सत्यनारायण को यह पुरस्कार मिला। इसके 18 साल बाद 1988 में डॉ. नारायण रेड्डी को यह पुरस्कार मिला। रेड्डी से भारद्वाज तक एक लंबा अंतराल है। पर यह अंतराल तेलुगु साहित्य का अपना अंतराल या रचनात्मक सन्नाटा नहीं है।

रावुरी भारद्वाज की ही चर्चा करें तो वे न सिर्फ लगातार रचनाशील रहे बल्कि इस दौरान उन्हें भारतीय सांस्कृतिक विमर्श में प्रभावशाली हस्तक्षेप भी किया। उन्हें जिस 'पाकुडु राल्लु' उपन्यास के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला, वह भारत की किसी भी भाषा में नैतिक जोखिम के लिहाज से खासी निर्भीक रचना है। फिल्म जगत की विसंगतियों पर केंद्रित उनका यह उपन्यास आधुनिक तेलुगु उपन्यास साहित्य में एक तरह से मील का पत्थर है। अलबत्ता एक 'बोल्ड' विषय पर उन्होंने जिस साहस और पारदर्शिता के साथ इस उपन्यास के गहन कथानक को गढ़ा, उसको लेकर उन्हें आलोचना भी कम नहीं झेलनी पड़ी। उन्हें तेलुगु साहित्य में कुजात चेतना और प्रतिबद्धता का साहित्यकार तक ठहराया गया।

बहरहाल, रावुरी भारद्वाज का स्थान तेलुगु साहित्य में एक ऐसे वटवृक्ष की तरह है जिसकी छाया और सान्निध्य में एक से ज्यादा पीढ़ी के साहित्यकारों-पाठकों ने काफी कुछ सीखा-पढ़ा है। उन्हें अपने जीवन में अवहेलना बार-बार झेलनी पड़ी। यहां तक कि ज्ञानपीठ भी उन्हें जीवन के अंतिम दिनों में नसीब हुआ। सक्रिय काल में वे आकाशवाणी से जुड़े रहे । तेलुगु में आकाशवाणी के लिए बाल कार्यक्रम ' बाला नंदम ' की परिकल्पना उन्होंने ही की थी, जो आज भी लोकप्रिय है।

ज्ञानपीठ से पहले उन्हें रेखाचित्र 'जीवन समरम्' के लिर 1983 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अपनी कहानियों के जरिए वे आम आदमी के बहुत करीब रहे। वे सच्चे अर्थों में एक स्थितप्रज्ञ संत थे। मजदूरों के जीवन से गुजरते हुए उन्होंने स्वाध्याय और स्वानुभव की एक ऐसी राह चुनी जो उन्हें कबीर, रविदास और दादू की परंपरा से भी कहीं न कहीं जोड़ती है। गरीबों के हिमायती रहते हुए रावुरी ने आजीवन मानवीय मूल्यों के लिए संघर्ष का प्रण निभाया। उनका कथा साहित्य सर्वहारा वर्ग के शोषण और उत्पीड़न का विस्तृत दस्तावेज है। ■

सामान्य समस्या भर नहीं उच्च रक्तचाप

लापरवाही की कीमत भारी

सेहत

कोविड-19 के विश्वव्यापी संकट के बीच लोग एक साथ कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं। जीवन की स्वाभाविकता जिस तरह लगातार असहजता में बदलती जा रही है, उस कारण लोग काफी तनावग्रस्त रहने लगे हैं। तनाव पहले भी आधुनिक जीवनशैली से जुड़ा था पर अब तो यह काफी बढ़ गया है। उच्च रक्तचाप, ऐसी ही एक समस्या है जिसे लेकर इन मुश्किल दिनों में हमें खासा सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार लोग उच्च रक्तचाप को बहुत गंभीरता से नहीं लेते और इसके उपचार को लेकर भी अगंभीर रहते हैं। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है और यह जानलेवा तक हो सकती है। अच्छी बात यह है कि इस बाबत समय से ध्यान देने और जरूरी एहतियात बरतरने से उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है।

रक्त प्रवाह और रक्तचाप

इस बारे में आगे की चर्चा से पहले जरूरी है कि हम शरीर में रक्त प्रवाह की प्रक्रिया के बारे में समझ लें। सामान्य रक्त प्रवाह आपके शरीर के सभी हिस्सों (जिसमें आपके दिल, मस्तिष्क और गुर्दे जैसे महत्त्वपूर्ण अंग शामिल हैं) में पोषक तत्त्व और ऑक्सीजन पहुंचाता है। आपका धड़कता हुआ दिल आपकी दोनों रक्त वाहिकाओं (बड़े और छोटे) के विशाल संजाल के माध्यम से रक्त को आगे प्रवाहित करने में मदद करता है। आपकी रक्त वाहिकाएं, बदले में लगातार समायोजित होती रहती हैं। वे आपके रक्तचाप को नियंत्रित रखने और रक्त प्रवाह की स्वस्थ दर बनाए रखने के लिए संकुचित या चौड़ी हो जाती हैं।

रक्तचाप का हर दिन ऊपर और नीचे जाना सामान्य बात है। रक्तचाप समय, व्यायाम और आपके द्वारा खाए जाने वाले भोजन के साथ तनाव और दूसरे अन्य कारकों से प्रभावित होता है। समस्या तब बढ़ी शुरू हो जाती हैं, जब आपका रक्तचाप बहुत अधिक समय तक उच्च स्तर पर बना रहता है।

समस्या और निदान

उच्च रक्तचाप आपके दिल के काम को बहुत मुश्किल कर सकता है। रक्त प्रवाह की तीव्र या उच्च शक्ति रक्त वाहिकाओं को भी नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे वे कमजोर, कठोर या संकुचित हो सकती हैं। समय के साथ उच्च रक्तचाप दिल, गुर्दे, मस्तिष्क और आंखों सहित आपके शरीर के कई महत्त्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है।

उच्च रक्तचाप दुनिया भर में मृत्यु और विकलांगता का एक प्रमुख जोखिम कारक है। उच्च रक्तचाप से दिल का दौरा, हृदयाघात या गुर्दे की बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। यहां यह बात हमें खासतौर पर समझ लेनी चाहिए कि उच्च रक्तचाप की समस्या किसी को भी हो सकती है। यहां तक कि बच्चों में भी उच्च रक्तचाप की समस्या संभव है। अलबत्ता विभिन्न अध्ययनों से यह बात जरूर साफ है कि उच्च रक्तचाप का जोखिम उम्र के साथ बढ़ता जाता है। लिहाजा इस बारे में पहले से सतर्क और जागरूक रहना ही हमारी सेहत के लिए हितकर है। अधिक वजन या उच्च रक्तचाप का पारिवारिक इतिहास होना भी आपके लिए उच्च रक्तचाप का जोखिम बढ़ा सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ आमतौर पर इस बात पर सहमत हैं कि सबसे सुरक्षित रक्तचाप या सामान्य रक्तचाप 120/80 या उससे कम होता है, जिसका अर्थ है 'सिस्टोलिक' रक्तचाप 120 या उससे कम और 'डायस्टोलिक' दबाव 80 या उससे कम। डॉ. लॉरेंस फाइन जो उच्च रक्तचाप के उपचार और रोकथाम पर अनुसंधान की निगरानी करते हैं, कहते हैं कि 140/90 से ऊपर के औसत रक्तचाप को 'हाइपरटेंशन' के रूप में परिभाषित किया जाता है। उच्च रक्तचाप को आहार, वजन घटाने और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से रोका जा सकता है। आमतौर पर इसके उपचार में कुछ दवाओं के साथ जीवनशैली में स्वस्थ बदलाव की सलाह दी जाती है।

सलाह और एहतियात

- स्वस्थ वजन रखें। शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। हर दिन कम से कम 30 मिनट पैदल जरूर चलें। रात की नींद अच्छी लें।
- स्वस्थ आहार लें। सब्जियों, फलों, साबुत अनाज और कम वसा वाले डेयरी और संतृप्त वसा और कम शक्कर खाने की योजना चुनें। नमक के सेवन में कटौती करें। प्रसंस्कृत भोजन (जैसे सूप और बेक्ड फूड) में नमक का प्रयोग काफी होता है। यदि शराब का सेवन करते हों तो कम मात्रा में करें। धूम्रपान न करें।

(यह लेख सिर्फ सामान्य जानकारी और जागरूकता के लिए है। उपचार या स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए विशेषज्ञ की मदद लें)

कुछ दाल कुछ झाल

रोज-रोज घर में एक ही तरह का भोजन करते-करते ऊब हो जाती है। फिर मन होता है कि बाहर का बना कुछ खाया जाए। पर इन दिनों बाहर का खाना खासा जोखिम भरा है। लिहाजा खाने को लेकर कोई प्रयोग करना हो तो घर पर ही करना अच्छा और सुरक्षित रहेगा। इसलिए इस बार कुछ ऐसे व्यंजन जो जल्दी पक जाए और बाहर के खाने जैसा स्वाद और आनंद भी दे।

दाना-पानी

मानस मनोहर

दाल शाही

बड़े होटलों में जो दाल मखनी पकती है या जो नामी खानसामे हैं, वे दाल मखनी को पकाने में कम से कम बारह से पंद्रह घंटे का समय लगाते हैं। कहा जाता है कि इसे चौबीस घंटे तक पकाया जाए, तब जाकर सही स्वाद आता है। मगर आम घरों में किसके पास इतना वक्त है, जो सिर्फ दाल पकाने में लगाया जाए। सो, घर में कम समय में वैसा ही स्वाद देने वाली दाल है- दाल शाही।

दाल मखनी और दाल बुखारा मुख्य रूप से साबुत उड़द दाल से बनती हैं। मगर उड़द की दाल सबके लिए सही नहीं होती। उसे पचाना सबके वश की बात नहीं। आयुर्वेद में बताया गया है कि उड़द दाल से वायु विकार होता है। फिर दूध-दही के साथ उड़द दाल का मेल सही नहीं माना जाता, जबकि दाल मखनी में इनका प्रयोग अवश्य होता है। ऐसे में दाल शाही सबकी सेहत के लिए मुफीद है, क्योंकि यह साबुत मूंग से बनती है। सो, आज बनाते हैं दाल शाही। पर दाल को बनाने में भी थोड़ी मशक्कत तो करनी ही पड़ेगी।

इस दाल को आप चाहें तो अपना भी कोई नाम दे सकते हैं। दाल शाही बनाने के लिए एक कप साबुत मूंग को अच्छी तरह धोकर रात भर के लिए या फिर कम से कम चार-पांच घंटों के लिए भिगो दें। फिर जब सुबह इसे पकाना हो तो उससे दो घंटे पहले दो-तीन चम्मच अरहर और इतनी ही मात्रा में धुली मूंग की दाल भिगो दें। जब ये दोनों दालें अच्छी तरह फूल जाएं तो पानी निथार कर एक कुकर में डालें। चौथाई चम्मच हल्दी और आधा चम्मच नमक डाल कर ऊपर से आधा गिलास पानी डालें और तीन सीटी आने तक पकने दें।

ध्यान रखें कि इन दालों को अच्छी तरह गल जाना चाहिए, इसलिए कुकर की सीटी अधिक भी आने दे सकते हैं। जब यह दाल पक जाए, तो अलग कटोरे में निकाल कर गरम रहते ही अच्छी तरह मसल लें ताकि दाल का एक भी दाना दिखाई न दे।

अब उसी कुकर में रात भर भिगोई साबुत मूंग डालें। ऊपर से चौथाई चम्मच हल्दी और आधा चम्मच नमक तथा आधा गिलास पानी डाल कर उबलने के लिए रख दें। एक या दो सीटी आने के बाद बंद कर दें। ध्यान रखें कि इस दाल को गलाना नहीं है, बस नरम हो जाए और छिलके समेत सारे दाने दिखते रहें, इसलिए सीटी का ध्यान रखें। भाप खत्म हो जाए तो कुकर खोलें और उसमें घुटी हुई अरहर-मूंग दाल डालें और अच्छी तरह मिला दें। कुकर का ढक्कन खुला रख कर मध्यम आंच पर इन दालों को चलाते हुए चार से पांच मिनट के लिए पकाएं और जब दालें अच्छी तरह आपस में मिल जाएं तो आंच बंद कर दें।

अब इस दाल में डालने के लिए मसाला तैयार करें। सबसे पहले तो दो मध्यम आकार के प्याज लंबे और पतले आकार में काट लें। फिर एक कड़ाही में पकौड़े तलने जैसा भरपूर तेल गरम करें। तेल गरम हो जाए तो उसमें प्याज के लच्छे डालें और चलाते हुए सेंकें। जैसे-जैसे प्याज का रंग बदलता जाए, वैसे-वैसे आंच धीमी करते जाएं। जब प्याज का रंग बादामी हो जाए तो उसे तेल से निकाल कर ठंडा होने के लिए रख दें। ध्यान रखें कि प्याज जलने न पाए, नहीं तो स्वाद बिगाड़ेगा। इस तले हुए प्याज को बरिस्ता कहते हैं। बरिस्ता आप दाल उबालते वक्त भी तैयार कर सकते हैं।

फिर अगली कड़ी शुरू करें। इसके लिए दो टमाटर पीस कर ग्रेवी तैयार कर लें। आधा कटोरी दही को अच्छी तरह फेंट कर रख लें। अगर फ्रेश क्रीम है तो ठीक, नहीं तो चार-पांच चम्मच दूध की मलाई को फेंट कर क्रीम तैयार कर लें। फिर एक कड़ाही में तीन-चार चम्मच देसी घी गरम करें। उसमें जीरा, दो-तीन लौंग, दो-तीन हरी इलाइची, छोटा टुकड़ा दालचीनी, एक तेजपत्ता का तड़का लगाएं। तड़का तैयार हो जाए तो उसमें पिसा टमाटर डालें और ऊपर से आधा चम्मच हल्दी पाउडर, एक से डेढ़ चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च और दो चम्मच धनिया पाउडर डाल कर मध्यम आंच पर चलाते हुए पकाएं।जब टमाटर तेल छोड़ने लगे, तो उसमें फेंटा हुआ दही डाल कर चलाते हुए तेल छोड़ने तक पकाएं। अब इसमें दाल डालें और थोड़ा-सा पानी डाल कर अच्छी तरह चलाते हुए पकाएं। जब दाल में उबाल आने लगे, तो क्रीम डालें और चलाते हुए पकाएं। पांच-सात मिनट पकाने के बाद देखें कि दालें अच्छी तरह गाढ़ी हो गई हैं, तो आंच बंद कर दें।

अब इसमें तड़का लगाएं। यह तड़का मक्खन में लगता है। तड़का पैन में दो-तीन चम्मच या अपनी इच्छा के मुताबिक मक्खन डालें। आंच धीमी रखें। मक्खन पिघलने लगे तो उसमें दो चम्मच कसूरी मेथी मसल कर डालें और मक्खन पूरी तरह पिघल जाए, तो उसे दाल में डालें। ध्यान रखें कि यह तड़का जलने न पाए। अब जो बरिस्ता तैयार किया था उसे हथेलियों से मसलते हुए इस दाल में डालें और सारी चीजों को एक बार मिला लें। ऊपर से धनिया पत्ता डालें और परोसें।

झाल-मुढ़ी

झाल-मुढ़ी पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, बंगाल, ओड़ीशा तक खूब चाव से खाई जाती है। दिल्ली में भी राह चलते इसे बेचने वाले मिल जाते हैं। इसे बनाना बहुत आसान है। इसके लिए मुढ़ी यानी मुरमुरे चाहिए। वह अपनी जरूरत के मुताबिक ले लें। फिर एक बड़े आकार का प्याज, तीन-चार तीखी हरी मिर्च, थोड़ा धनिया पत्ता बारीक-बारीक काटें। फिर इसमें चार चम्मच इमली की चटनी, एक चम्मच चाट मसाला, आधा चम्मच कुटी लाल मिर्च, एक चम्मच सरसों का कच्चा तेल डालें और सारी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। फिर मुरमुरे डालें और सारी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। प्लेट में या कागज का कोन बना कर भरें और ऊपर से बेसन का बारीक वाला सेव डाल कर खाने को दें। यह बच्चों को खासकर बहुत पसंद आता है। ■

पुलिसकर्मियों की हत्या के आरोपी दुबे का घर जमींदोज

लखनऊ/कानपुर, 4 जुलाई (भाषा)।

कानपुर मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर बिकरू गांव में शुक्रवार को एक मुठभेड़ में पुलिस उपाधीक्षक समेत आठ पुलिसकर्मियों के मारे जाने के बाद प्रशासन ने शनिवार को कुख्यात अपराधी विकास दुबे के किलेनुमा घर को ढहा दिया। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को विकास दुबे के बिकरू स्थित घर को जेसीबी की मदद से गिरा दिया गया। इस दौरान वहां खड़े वाहनों को भी नष्ट कर दिया गया। दुबे के घर का भारी भरकम दरवाजा और बरामदा और चहारदीवारी को जेसीबी मशीन की मदद से एक झटके में जमींदोज कर दिया गया। उधर, आठ पुलिस कर्मियों की हत्या के बाद शक के घेरे में आए चौबेपुर के थाना प्रभारी विनय तिवारी को निलंबित कर दिया गया है।

कानपुर के पुलिस महानिरीक्षक मोहित अग्रवाल ने बताया कि तिवारी पर लग रहे आरोपों के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। इन आरोपों की गहन जांच की जांच की जा रही है। अगर उनका या किसी भी पुलिसकर्मी का इस घटना से कोई संबंध निकला तो उसे न केवल बर्खास्त किया जाएगा बल्कि जेल भी भेजा जाएगा। विकास दुबे और उसके सहयोगियों को पकड़ने के लिए पुलिस की 25 टीमें लगाई गई हैं जो प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा कुछ दूसरे प्रदेशों में भी छापेमारी कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह नहीं बताया जा सकता कि पुलिस की टीमें किन-किन जनपदों में और किन प्रदेशों में तलाशी अभियान चला रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सर्विलांस टीम लगभग 500 मोबाइल फोन की छानबीन कर रही है और उससे विकास दुबे के बारे में सुराग लगाने का प्रयास कर रही है। इसके अलावा उप्र एसटीएफ की टीमें भी अपने काम में लगी हैं। आइजी ने विकास दुबे के बारे में सही जानकारी देने वाले को पचास हजार रुपये का इनाम भी देने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ में घायल सात पुलिसकर्मियों का कानपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है जहां सभी की हालत स्थिर बनी हुई है।

सूत्रों के मुताबिक कुछ पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि यह जाना जा सके कि दुबे को उसके घर पर पुलिस की छापेमारी के बारे में पहले से खबर कैसे लगी जिससे उसने पूरी तैयारी के साथ पुलिस दल पर हमला किया। विकास दुबे का घर गिराए जाने के बाबत सवालों पर कानपुर के पुलिस महानिरीक्षक मोहित अग्रवाल ने बताया कि गांव के लोगों का कहना था कि दुबे ने दबंगई और गुंडागर्दी से लोगों की जमीन पर कब्जा किया था और लोगों से जबरन वसूली कर घर बनाया था। उन्होंने बताया कि दुबे के परिवार वालों पर गांव के नाराज लोगों ने हमला भी किया था लेकिन पुलिस की मौजूदगी के कारण कोई हादसा नहीं हुआ। सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ के पहले चौबेपुर के थानाध्यक्ष विनय तिवारी कुछ पुलिसकर्मियों के साथ दुबे के घर गए थे और राहुल तिवारी नामक व्यक्ति से उसका समझौता कराने का प्रयास कर रहे थे। राहुल वही व्यक्ति है जिसने दुबे के खिलाफ मामला दर्ज कराया था और उसी वजह से पुलिस ने दुबे के घर दबिश दी थी। सूत्रों का कहना है कि दुबे और राहुल के बीच समझौते को गए थानाध्यक्ष तिवारी के साथ दुबे ने बदतमीजी की थी और दोबारा घर न आने की धमकी भी दी थी। कहा जाता है कि दुबे ने राहुल को पीटा भी था। इस घटना के बाद थानाध्यक्ष तिवारी ने बिल्हौर के क्षेत्राधिकारी देवेंद्र कुमार मिश्रा को इसकी जानकारी दी, तब मिश्रा चौबेपुर, शिवराजपुर और बिठूर तीन थानों की फोर्स लेकर दुबे को गिरफ्तार करने गुरुवार देर रात उसके गांव पहुंचे।

विकास की मां ने कहा, मार दिया जाए उसे

लखनऊ, 4 जुलाई (भाषा)।

कानपुर के गांव में मुठभेड़ के दौरान आठ पुलिसकर्मियों के मारे जाने की घटना में बेटे विकास दुबे का हाथ होने की खबर से नाराज उसकी मां ने कहा कि वह मर भी जाए तो उन्हें कोई गम नहीं है। विकास की मां सरला दुबे ने समाचार चैनलों से कहा, ह्यमार डालो उनको, जहां रहे मार डालो ह्ल सरला दुबे ने बताया कि उसे कई बार समझाया, लेकिन उसने बात नहीं सुनी। अब वह (विकास) मर भी जाए तो उसका गम नहीं।

इस बीच विकास के पिता राम कुमार दुबे ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि जिस समय अपराध हुआ, उन्हें इसकी सूचना नहीं थी। दवा खाने की वजह से वे बेहोशी की हालत में थे। उन्होंने कहा, जब मैं अपने बारे में नहीं बोल सकता था तो दूसरे के बारे में कैसे बोलता। यह पूछने पर कि क्या उन्होंने अपने बेटे को अपराध करने से रोका था, दुबे ने कहा कि वह छात्र जीवन में ही इस जगह को छोड़कर चला गया था और मेरे साले के साथ रह रहा था। जब पूछा गया कि विकास के खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, दुबे ने कहा कि सरकार नियमों के तहत कार्रवाई करेगी। सरकार जो उचित समझेगी, कदम उठाएगी।

प्रधानमंत्री ने ऐप बनाने के लिए युवाओं को दी चुनौती

पेज 1 का बाकी

ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इससे 'आत्मनिर्भर ऐप पारिस्थितिकी तंत्र' बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने लिंक्डइन पर एक लेख में कहा, 'कौन जानता है कि मैं भी आपके बनाए कुछ ऐप का इस्तेमाल कर सकता हूं।' मोदी ने कहा कि आज प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप समुदाय में विश्वस्तरीय 'भारत निर्मित ऐप' बनाने को लेकर अपार उत्साह है।

प्रधानमंत्री ने लिंक्डइन की पोस्ट के लिक को साझा करते हुए ट्वीट किया, 'उनके विचारों और उत्पादों को स्थान देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, अटल नवप्रवर्तन मिशन के साथ मिलकर 'आत्मनिर्भर भारत ऐप नवप्रवर्तन चुनौती' को शुरू कर रहा है।' मोदी ने देशवासियों को 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत इस अभियान की शुरुआत की। मोदी ने कहा कि ऐप नवोन्मेष चुनौती उन लोगों के लिए है, जिनके पास ऐसा कोई उत्पाद है या उन्हें लगता है कि उनके पास ऐसे उत्पाद बनाने की सोच और विशेषज्ञता है। उन्होंने लेख में कहा, 'मैं प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अपने सभी मित्रों से इसमें भाग लेने का आग्रह करता हूं।' मोदी ने कहा कि भारत में एक गतिशील प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसने भारत को राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं ने सभी क्षेत्रों में तकनीकी समाधान मुहैया कराने में श्रेष्ठ काम किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'कोविड-19 महामारी ने बड़ा अवरोध भी पैदा किया है, जिससे प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से निपटा जा रहा है। इन दिनों हम स्टार्ट-अप और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में स्वदेशी ऐप के बारे में नई सोच के साथ काम करने, उन्हें विकसित करने और प्रचारित करने के लिए बड़ी दिलचस्पी और उत्साह देख रहे हैं।'

कोरोना के दौर में बुद्ध का संदेश प्रकाशस्तंभ की तरह : कोविंद

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि ऐसे वक्त में जब कोरोना वैश्विक महामारी दुनियाभर में इंसानों और अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचा रही है तो खुशी पाने के लिए घृणा और हिंसा जैसे दोषों का त्याग करने का भगवान बुद्ध का संदेश एक प्रकाशस्तंभ की तरह है।

कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ द्वारा आयोजित एक डिजिटल कार्यक्रम में कहा कि हम सभी जानते हैं कि जब कोरोना विषाणु की उग्रता कम होगी तो हमारे सामने इससे कहीं अधिक गंभीर जलवायु परिवर्तन की चुनौती होगी। कोविंद ने कहा कि दुनिया परेशानियों से घिरी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि राजाओं और धनी लोगों के तनावग्रस्त होने की कई कहानियां हैं, जिन्होंने जीवन की क्रूरताओं से बचने के लिए बुद्ध की शरण ली। राष्ट्रपति ने कहा कि बुद्ध का जीवन पहले की धारणाओं को चुनौती देता है, क्योंकि वह इस दोषपूर्ण दुनिया के बीच पीड़ा से मुक्ति पाने में विश्वास करते थे। कोविंद ने कहा कि आज जब महामारी ने दुनियाभर में इंसानों और अर्थव्यवस्थाओं को उजाड़ दिया है तो बुद्ध का संदेश एक प्रकाशस्तंभ की तरह है। उन्होंने खुशी पाने के लिए लोगों को लालच, नफरत, हिंसा, ईर्ष्या व कई अन्य दोष खत्म करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारत को 'धम्म' की उत्पत्ति की भूमि होने पर गर्व है।

राष्ट्रपति ने 'धम्म चक्र' दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत में हम बौद्ध धर्म को परम सत्य की नवीन अभिव्यक्ति के रूप में देखते हैं। कोविंद ने कहा कि भगवान बुद्ध का ज्ञान और उनके उपदेश बौद्धिक उदारतावाद और आध्यात्मिक विविधता के सम्मान की भारत की परंपरा की तर्ज पर हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक दौर में दो असाधारण भारतीयों- महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर ने बुद्ध के शब्दों में प्रेरणा को पाया और देश के भाग्य को बदलने निकल पड़े।

भगवान बुद्ध के आदर्शों से हो सकता है विश्व के सामने खड़ी चुनौतियों का स्थायी समाधान : मोदी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि मौजूदा समय में जब विश्व असाधारण चुनौतियों से निपट रहा है तो इनका स्थायी समाधान भगवान बुद्ध के आदर्शों से मिल सकता है।

मोदी ने यहां 'धम्म चक्र दिवस' समारोह को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कहा कि सारनाथ में दिए अपने पहले उपदेश में भगवान बुद्ध ने आशा और उद्देश्य का उल्लेख किया था। भगवान बुद्ध के लिए यह मानवीय पीड़ा का निराकरण था। उन्होंने कहा, हमें लोगों के बीच आशा पैदा करने के लिए जो भी हो सकता है, वो करना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का स्टार्ट-अप क्षेत्र इस बात का उदाहरण है कि कैसे आशा, नवाचार और करुणा से पीड़ा को खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा, उज्ज्वल युवा सोच आज वैश्विक समस्याओं का समाधान पा रही है। आज भारत में स्टार्ट-अप का एक बहुत बड़ा तंत्र है। भगवान बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समाज और राष्ट्रों के कल्याण की तरफ का रास्ता दिखाता है।

चीनी घुसपैठ पर लद्दाखवासियों की बात नजरअंदाज नहीं करे सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि देशभक्त लद्दाखवासी चीनी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी सुननी चाहिए, क्योंकि अगर उनकी बात को नजरअंदाज किया गया तो देश को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने उम्मीद जताई कि चीन की घुसपैठ पर सरकार देश की भावना सुनेगी और कदम उठाएगी।

मोदी ने की बिहार भाजपा कार्यकर्ताओं की तारीफ

पेज 1 का बाकी

में की।

कोरोना महामारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक की।'

सेवा ही संगठन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, 'भाजपा के सेवा कार्यक्रमों की इतनी बड़ी व्यापकता, इतनी बड़ी विविधता, इतने बड़े पैमाने पर, इतने लंबे समय तक सेवा, मुझे लगता है कि ये मानव इतिहास का सबसे बड़ा सेवा यज्ञ है।

कोरोना की लड़ाई में इस सेवा यज्ञ ने बहुत बड़ी ताकत दी है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि एक राजनीतिक दल के रूप में आपने जो काम किया, उसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। आप सबने अपनी चिंता छोड़कर खुद को गरीबों, जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित कर दिया।

इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व अन्य भाजपा नेता- निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, गिरिराज सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए।

इस आयोजन में बिहार के अलावा भाजपा की सात राज्य इकाइयों ने वीडियो कांफ्रेंस से अपने कार्यों का प्रस्तुतिकरण प्रधानमंत्री के समक्ष दिया। बैठक से पहले मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि इस चुनौतीपूर्ण समय में देश भर में पार्टी कार्यकर्ता अथक काम कर रहे हैं और जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं।

टीका कार्यक्रम पर वैज्ञानिकों ने सतर्क रहने को कहा

पेज 1 का बाकी

में उतारने की घोषणा की जिसे लेकर उम्मीद के साथ आशंकाए भी हैं। इसी दिन गुजरात की कंपनी जायडस कैडिला ने घोषणा की कि उसे भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआइ) से उसके संभावित टीके को इंसानों पर चिकित्सीय परीक्षण की अनुमति मिल गई है।

विषाणु रोग विशेषज्ञ और वेलकम न्यास/डीबीटी इंडिया अलायंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शाहिद जमील ने कहा, अगर चीजें दोषमुक्त तरीके से की जा जाए तो टीके का परीक्षण खासतौर पर प्रतिरक्षाजनत्व और प्रभाव जांचने के लिए चार हफ्ते में यह संभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि जमील का संगठन जैव चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए वित्तीय मदद मुहैया कराता है। एंटीजन जैसे विकसित नए तत्व की इंसान और जानवर के शरीर में प्रतिरोधक प्रणाली को सक्रिय करने की क्षमता को प्रतिरक्षाजनत्व कहा जाता है। विषाणु वैज्ञानिक उपासना राय ने कहा कोरोनो विषाणु के खिलाफ टीका लांच की प्रक्रिया को गति देना या जल्द लांच करने का वादा करना प्रशंसा के योग्य है, लेकिन यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि क्या 'हम बहुत ज्यादा जल्दबाजी कर रहे हैं'। सीआइएसआर-आइआइसीबी कोलकाता में वरिष्ठ वैज्ञानिक रे ने एजंसी से कहा, हमें सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस परियोजना को उच्च प्राथमिकता देना नितांत आवश्यक है। हालांकि, अतिरिक्त दबाव जरूरी नहीं कि जनता के लिए सकारात्मक उत्पाद दे। देश की शीर्ष चिकित्सा अनुसंधान निकाय आसीएमआर ने कहा कि 12 क्लिनिकल परीक्षण स्थालों पर देश में विकसित टीका कोवाक्सिन का परीक्षण होगा। इस संभावित टीके का विकास हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक और राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे ने मिलकर किया है। आइसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने 12 स्थानों के प्रधान अन्वेषकों को लिखे पत्र में कहा, सभी क्लिनिकल परीक्षणों के पूरा होने के बाद 15 अगस्त तक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपयोग के लिए टीका लांच करने का लक्ष्य रखा गया है।

पत्र के लहजे और जल्दबाजी के संकेत से कुछ वैज्ञानिक चिंतित हैं। उन्होंने पत्र में निर्धारित समयसीमा पर सवाल उठाया है और टीके के विकास प्रक्रिया को छोटा नहीं करने की सलाह दी। विषाणु रोग विशेषज्ञ सत्यजीत रथ ने एजंसी से कहा, आइसीएमआर के पत्र का लहजा और सामग्री उत्पाद के विकास की प्रक्रिया और तकनीकी रूप से व्यावहरिकता के आधार पर अनुचित है। उन्होंने कहा कि टीका का विकास बहु चरणीय प्रक्रिया है। पहले चरण में छोटे स्तर पर परीक्षण होता है जिसमें बहुत कम संख्या में प्रतिभागी होते एवं यह आकलन किया जाता है कि क्या टीका इंसानों के लिए सुरक्षित है या नहीं। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में सैकड़ों लोग हिस्सा लेते हैं और इस चरण में संभावित टीके के प्रभाव का आकलन किया जाता है। उन्होंने कहा कि अंतिम चरण में हजारों लोगों को शामिल किया जाता है और देखा जाता है कि निर्धारित समय में क्या टीका प्रभावी है या नहीं और यह कई महीनों तक चलता है। रे ने कहा कि टीके को विभिन्न चिकित्सकीय चरणों को पूरा करने में कम से कम 12 से 18 महीने का समय लगता है। उन्होंने कहा, आज से 15 अगस्त में कंपनी के पास टीके के विकास के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के लिए मात्र एक महीने का समय है। रे ने कहा, कैसे इतनी छोटी से अवधि निर्धारित की जा सकती है? कहा से यह सबूत मिला कि इस पूरी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यह अवधि पर्याप्त है? संभावित टीके की सुरक्षा और प्रभाव का क्या जो किसी भी दवा के विकसित करने का मौलिक चरण है? क्या प्री-क्लिनिकल अध्ययन भी पूरा किया गया? बहुत जल्दबाजी करने से खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि महत्त्वपूर्ण चरणों को छोड़ना या तो खतरनाक हो सकता है या उत्पाद की गुणवत्ता खराब हो सकती है। रे ने कहा, हमें मानकों और गुणवत्ता से समझौता नहीं करना चाहिए। हमें सबसे पहले टीका लांच करने की जरूरत नहीं है बल्कि हमें मेड इन इंडिया टीका बनाने की जरूरत है जिसपर पूरी दुनिया भरोसा कर सके।

एक पखवाड़े तक छह शहरों से कोलकाता की उड़ानों पर रोक

पेज 1 का बाकी

पुणे, नागपुर, चेन्नई और अहमदाबाद से कोलकाता के लिए छह से 19 जुलाई 2020 तक या अगले आदेश तक कोई भी उड़ान संचालित नहीं होगी। असुविधा के लिए खेद है।'

हवाईअड्डा ने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए कोरोना विषाणु संक्रमण के अधिक मामलों वाले शहरों से लोगों के आने पर लगाम लगाने के राज्य सरकार के अनुरोध पर यह अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है।' बंगाल सरकार के मुख्य सचिव ने 30 जून को नागरिक उड्डयन मंत्रालय को लिखे अपने पत्र में कहा था, 'कोरोना विषाणु देश भर में तेजी से फैल रहा है। कुछ राज्यों में महामारी का व्यापक प्रसार हो रहा है, हालांकि हम यह बिल्कुल मानते हैं कि सभी राज्य सरकारें समान रूप से सतर्क हैं और प्रसार पर अंकुश लगाने की दिशा में सक्रिय हैं। बंगाल में भी मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राज्य में बाहर से आने वाले लोगों में बड़ी संख्या में संक्रमण के मामले सामने आए हैं।' उन्होंने लिखा कि इसी कारण बंगाल सरकार ने राज्य में आने वाली उड़ानों और ट्रेनों की आवाजाही को रोकने या कम करने का फैसला किया है।

मणिपुर में नगा उग्रवादियों की हथियार फैक्टरी पकड़ी गई

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 4 जुलाई।

असम राइफल्स ने मणिपुर के उखरूल जिले में नगा उग्रवादियों (एनएससीएन-आइएम) द्वारा संचालित एक हथियार फैक्टरी पकड़ी है और बड़ी मात्रा में अवैध हथियार जब्त किए हैं।

उखरूल के लंगुइरा तांग में इस फैक्टरी को असम राइफल्स की सोमसाइ बटालियन ने पकड़ा। मौके से 9 एमएम पिस्तौलें, बारह बोर की राइफलें, कई राउंड गोलियां, तीन मोबाइल फोन, हथियार बनाने के उपकरण और 1.04 लाख रुपए की नकदी बरामद की गई। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, यह अवैध हथियार फैक्टरी एनएससीएन-आइएम का उग्रवादी लाइटसन उर्फ लाइकसन चला रहा था। छापेमारी के दौरान वह भाग निकला। अधिकारियों के मुताबिक, अन्य एक अभियान में असम राइफल्स ने कुकी उग्रवादी समूह- उसरा के तीन उग्रवादियों को मणिपुर के चूराचंदपुर जिले से पकड़ा।

नेपाल में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक टली

काठमांडो, 4 जुलाई (भाषा)।

नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की स्थायी समिति की वह बैठक सोमवार तक टल गई है जिसमें प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के भविष्य पर फैसला होना था। ओली की कार्यशैली तथा उनके भारत-विरोधी बयानों को लेकर पार्टी के शीर्ष नेताओं के बीच मतभेदों को दूर करने पर काम करने के लिए और समय लिया गया है।

पार्टी की 45 सदस्यीय स्थायी समिति की अहम बैठक शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे होने वाली थी लेकिन अंतिम समय में इसे स्थगित कर दिया गया। प्रधानमंत्री के प्रेस सलाहकार सूर्य थापा ने बताया कि लंबित मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के शीर्ष नेताओं को और वक्त की जरूरत है, इसलिए बैठक सोमवार तक के लिए स्थगित की गई है। पार्टी नेता प्रचंड के प्रेस सलाहकार बिष्णु सपकोता ने अलग से कहा, 'स्थायी समिति की बैठक सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है क्योंकि दोनों अध्यक्षों को और बातचीत के लिए समय चाहिए।'

लेह के अस्पताल को लेकर आरोप को रक्षा मंत्रालय और सेना ने कहा, बेबुनियाद

पेज 1 का बाकी

है कि सशस्त्र बलों के साथ कैसे व्यवहार किया जाता है, इसको लेकर शक किया जा रहा है। सशस्त्र बल अपने कर्मियों को सर्वोत्तम उपचार देते हैं। जिस सुविधा केंद्र का प्रधानमंत्री ने दौरा किया था, वह जनरल अस्पताल का हिस्सा है। कोरोना संकट को देखते हुए यहां 100 बिस्तरों का प्रबंधन किया गया था।'

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इन बहादुर जवानों को गलवान घाटी से लौटने के बाद यहां रखा गया था, ताकि इन्हें कोविड संक्रमण से मुक्त रखा जा सके। लेह में सेना का अस्पताल 1962 से भी पहले से मौजूद है और यहां 300 बिस्तरों की सुविधा मौजूद है। दरअसल, सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के अस्पताल दौरे की तस्वीरें सामने आने पर लोगों ने सवाल उठाया था कि क्या प्रधानमंत्री ने जिस जगह का दौरा किया था, वो अस्पताल ही था या कुछ और। कई लोगों ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने गलवान घाटी में झड़प के दौरान घायल हुए जवानों से मिलने की इच्छा जताई, इसलिए एक कांफ्रेंस रूम को वार्ड में तब्दील किया गया था। लोगों ने ट्वीट किए थे कि यह चिकित्सकीय केंद्र अस्पताल की तरह नहीं दिखता, क्योंकि इसमें चिकित्सकीय उपकरण एवं सुविधाएं नहीं हैं। इन आरोपों को लेकर थलसेना ने भी बयान जारी किया है। थलसेना ने अपने बयान में कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे बहादुर सशस्त्र बलों के उपचार संबंधी सुविधाओं को लेकर आक्षेप लगाए जा रहे हैं। सशस्त्र बल अपने बलों को सर्वश्रेष्ठ उपचार देता है।' सेना ने कहा, 'कल लोगों ने लेह स्थित जरनल अस्पताल के उस चिकित्सकीय केंद्र की स्थिति को लेकर दुर्भावनापूर्ण और निराधार आरोप लगाए हैं, जहां तीन जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गए थे।'

उमस और गर्मी से दिल्ली को जल्द मिलेगी राहत

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 4 जुलाई।

मानसून की बेरुखी झेल रहे दिल्ली और आसपास के इलाकों में अब बारिश की प्रबल संभावना दिख रही है।

शनिवार को बारिश का अनुमान था लेकिन दिन भर घिरे बादलों ने कुछ ही इलाकों में मेहरबानी की, जहां हल्की बारिश दर्ज की गई। जबकि कई इलाकों में इसके बाद भी बारिश नहीं हुई। हालांकि उमस और गर्मी से जूझ रहे दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए मौसम विभाग की ओर राहत भरी खबर है कि आने वाले दिनों में बारिश होगी।

शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 39.8 जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राजौरी में आतंकी ठिकाने से हथियारों का जखीरा बरामद

पेज 1 का बाकी

कि आतंकवादी ठिकाने से दो चीनी पिस्तौल के साथ दो मैगजीन, 11 राइफल ग्रेनेड के साथ एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल), 920 कारतूस के साथ एके असॉल्ट राइफल की 14 मैगजीन और एक चीनी हथगोला बरामद किया गया। आइईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली बैटरियों और तारों समेत अन्य वस्तुएं भी बड़ी मात्रा में बरामद की गईं। हालांकि, इस संबंध में अभी तक तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

शनिवार को चलाए गए तलाशी अभियान में पुलिस के साथ सेना की 38 आरआर के जवान शामिल थे। उन्होंने बताया कि यह आतंकी ठिकाना दादासन बाला के ऊंचाई वाले इलाके में स्थित जंगल वाले इलाके में बनाया गया था। ठिकाने का पता चलने पर पहले सुरक्षाबलों ने सुरक्षित ढंग से उसे ध्वस्त किया और बाद में तलाशी ली।

कुलगाम में हुई मुठभेड़ में आतंकवादी मारा गया, जवान घायल : जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया जबकि सेना का एक जवान घायल हो गया है। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के आरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षाकर्मी जब इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे, तो आतंकवादियों ने उनपर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। गोलीबारी के दौरान सेना का एक जवान घायल हो गया।

24 घंटे में 22,500 से ज्यादा संक्रमित

पेज 1 का बाकी

है। इसके बाद दिल्ली में 2923, गुजरात में 1904, तमिलनाडु में 1385, उत्तर प्रदेश में 749, पश्चिम बंगाल में 717, मध्य प्रदेश में 593, राजस्थान में 440, तेलंगाना में 283, हरियाणा में 255, कर्नाटक में 293, आंध्र प्रदेश में 206, पंजाब में 157, जम्मू कश्मीर में 119, बिहार में 80, उत्तराखंड में 42, केरल में 25, ओड़ीशा में 29, झारखंड में 15, छत्तीसगढ़ में 14, असम में 14, पुदुचेरी में 12, हिमाचल प्रदेश में 10, चंडीगढ़ में छह, गोवा में चार और अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा व लद्दाख में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक संक्रमण के कारण मौत के 70 फीसद से अधिक मामलों में मरीज अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे।

इसबसे अधिक मामले महाराष्ट्र में : कोरोना विषाणु संक्रमण के महाराष्ट्र में सबसे अधिक 192990 मामले सामने आए हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 102721, दिल्ली में 94695, गुजरात में 34600, उत्तर प्रदेश में 25797, पश्चिम बंगाल में 20488, तेलंगाना में 20462, कर्नाटक में 19710, राजस्थान में 19052, आंध्र प्रदेश में 16934, हरियाणा में 16003, मध्य प्रदेश में 14297, बिहार में 10954, असम में 9673, ओड़ीशा में 8106, जम्मू कश्मीर में 8019, पंजाब में 5937, केरल में 4964, छत्तीसगढ़ में 3065, उत्तराखंड में 3048, झारखंड में 2695, त्रिपुरा में 1525, गोवा में 1482, मणिपुर में 1316, हिमाचल प्रदेश में 1033, लद्दाख में 1001, पुदुचेरी में 802, नगालैंड में 539, चंडीगढ़ में 457, दादर नगर हवेली व दमन-दीव में 257, अरुणाचल प्रदेश में 252, मिजोरम में 162, अंडमान-निकोबार में 116, सिक्किम में 102 और मेघालय में 52 संक्रमण के मामले सामने आए हैं।

जूम को टक्कर देगा रिलायंस का जियोमीट

पेज 1 का बाकी

बैठक का समय तय करने और अन्य फीचर्स है।

खास बात यह है कि इसमें जूम की तरह 40 मिनट की समय सीमा नहीं है। कंपनी ने दावा किया कि इसमें कॉल्स 24 घंटे तक जारी रखी जा सकती है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिग बैठक 'कूटलेखन' और पासवर्ड से संरक्षित रहेगी।

कंपनी के सूत्रों ने कहा कि जूम पर 40 मिनट से अधिक की बैठक के लिए मासिक शुल्क 15 डॉलर है। सालाना आधार पर यह 180 डॉलर बैठेगा। वहीं जियोमीट इससे अधिक सुविधा मुफ्त में उपलब्ध करा रही है। इससे जूम बैठक आयोजित करने वाले को जियोमीट का इस्तेमाल करने पर सालाना 13,500 रुपए की बचत होगी। गूगल प्ले स्टोर पर इस ऐप के कई फीचर्स की जानकारी दी गई है। इसके अनुसार जियोमीट के लिए मोबाइल नंबर या ई-मेल आईडी के जरिये आसानी से 'साइन अप' किया जा सकता है। इसमें तुरंत बैठक आयोजित की जा सकती है। एचडी ऑडियो और वीडियो गुणवत्ता वाली बैठक का समय पहले से तय किया जा सकता और बैठक में भाग लेने वाले लोगों को इसकी जानकारी दी जा सकती है।

जियोमीट के जरिये एक दिन में कितनी भी बैठकें आयोजित की जा सकती हैं और कोई भी बैठक बिना किसी बाधा के 24 घंटे चल सकती है। प्रत्येक बैठक पासवर्ड से संरक्षित है। बैठक आयोजित करने वाला व्यक्ति 'वेटिंग रूम' की सुविधा का इस्तेमाल कर सकता है। इससे कोई भी भागीदार बैठक में बिना अनुमति शामिल नहीं हो सकता। इसमें ग्रुप बनाने की अनुमति है। सिर्फ एक क्लिक पर कॉलिंग या चैटिंग की जा सकती है।

गूगल प्ले स्टोर और आइओएस पर इस ऐप के पांच लाख डाउनलोड पहले ही हो चुके हैं। यह ऐप ऐसे समय पेश की गई है जबकि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा गोपनीयता पर खतरे के मद्देनजर चीन से संबंधित 59 ऐप पर रोक लगाई है। इनमें टिकटॉक भी शामिल है।

कंपनी सूत्रों ने कहा कि जियोमीट में समय की कोई सीमा नहीं होने की वजह से शिक्षकों को अपनी ऑनलाइन कक्षाओं को छोटा करने की जरूरत नहीं होगी। इस ऐप के जरिये राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार तथा सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

वाहन चालक को गोली मार 14.50 लाख लूटे, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़, 4 जुलाई (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में कैश वैन चालक की हत्या कर 14.50 लाख रुपए लूटने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने वारदात के 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

रायगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने शनिवार को बताया कि रायगढ़ जिले में स्टेट बैंक के कैश वैन चालक की गोली मारकर हत्या और गार्ड को घायल कर 14.50 लाख रुपए लूटने के आरोपियों को पुलिस ने 10 घंटे में पकड़ लिया।

सिंह ने बताया कि पुलिस ने बिहार के इस अंतरराज्यीय गिरोह के बदमाशों से लूट की राशि बरामद कर ली है व इनसे हथियार भी जब्त किया गया है।

पुलिस ने दोनों लुटेरों को जिले के भूपदेवपुर के पास एक गांव से पकड़ा है।

पुलिस अधीक्षक सिंह ने बताया कि पुलिस ने बिहार के इस अंतरराज्यीय गिरोह के बदमाशों से लूट की राशि बरामद कर ली है व इनसे हथियार भी जब्त किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को शहर के किरोड़ीमल नगर में जब कैश वैन से स्टेट बैंक के एटीएम में रुपए डाले जा रहे थे तब मोटर साइकिल सवार दो नकाबपोशों ने वहां अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में वैन चालक अरविंद पटेल की मृत्यु हो गई व सुरक्षाकर्मी विनोद पटेल घायल हो गया। बाद में बदमाश यहां से 14.50 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए।

उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस दल ने कार्रवाई करते हुए शहर में नाकेबंदी कर दी व वाहनों और घरों में तलाशी अभियान चलाया गया।

बाद में पुलिस ने बिहार के सिवान जिले के निवासी सुधीर सिंह और कैमूर जिले के निवासी पिंटू वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। सुधीर सिंह के रिश्तेदार रायगढ़ में ठेकेदारी का काम करते हैं। संतोष सिंह ने बताया कि पुलिस ने इनके पास से दो पिस्टल, दो देशी कट्टे, तीन मैगजीन में 26 राउंड, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, एक मोटर साइकिल और 14.50 लाख रुपए बरामद किए।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले के कोतरारोड थाने की पुलिस ने दोनों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है।

दिल्ली कैंट में 25 हजार पेड़ लगाएगी सेना

दिल्ली कैंट, पालम में वृक्षारोपण की शुरुआत करते ब्रिगेडियर बीएस दलाल।

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जुलाई।

मानसून के दौरान पालम, दिल्ली कैंट के यूनिट लोकेशन पर सेना 25 हजार पेड़ लगाएगी। पश्चिमी कमांड मुख्यालय में कमांडर (टीए जीपी) ब्रिगेडियर बीएस दलाल 150 इंफैंट्री बटालियन (टीए) पंजाब के दौरे में पेड़ लगाकर इस अभियान की शुरुआत की। इस अभियान में सेना ने एक हजार पेड़ लगा दिए हैं। सेना के द्वारा जारी बयान के मुताबिक, यूनिट लोकेशन पर तैनात सभी जवान एक-एक पेड़ की देखरेख की जिम्मेदारी उठाएंगे और दूसरी जगह स्थानांतरित होने पर अपने उस पेड़ की जिम्मेदारी नए जवान को सौंपेंगे। इस अभियान को शुरू किए जाने के मौके पर 150 इंफैंट्री बटालियन (टीए) पंजाब के कमांडिंग ऑफिसर भी मौजूद थे।

हर जवान को एक पेड़ की देखरेख की जिम्मेदारी

सूरत को 200 वेंटिलेटर मिलेंगे, अस्पतालों के लिए 100 करोड़ रुपए आबंटित : रूपाणी

सूरत, 4 जुलाई (भाषा)।

सूरत में कोविड-19 के मामले अचानक बढ़ने के बाद, गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने शनिवार को कहा कि शहर को 200 जीवन रक्षक प्रणालियां उपलब्ध कराई जाएंगी तथा दो अस्पतालों को कोविड-19 उपचार केंद्र में तब्दील करने के लिए 100 करोड़ रुपए आबंटित किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल संग यहां आए मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों, डॉक्टरों एवं स्थानीय नेताओं के साथ बातचीत की तथा कोरोना महामारी से निपटने की तैयारियों को जायजा लिया। इस बैठक के बाद रूपाणी ने कहा कि राज्य सरकार सूरत को 200 वेंटिलेटर उपलब्ध कराएगी तथा शहर के दो अस्पतालों को कोरोना उपचार केंद्र में तब्दील करने के लिए 100 करोड़ रुपए आबंटित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार को सूरत की चिंता है और वह शहर में इस विषाणु को फैलने से रोकने के लिए इंतजाम कर रही है। हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि किसी भी मरीज को बिस्तर की अनुपलब्धता का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि स्टेमसेल अस्पताल को अगले दस दिनों में कोविड-19 उपचार केंद्र में तब्दील कर दिया जाएगा तथा किडनी अस्पताल को अगले एक महीने में कोरोना विषाणु उपचार स्थल का रूप दे दिया जाएगा। सूरत में पिछले कुछ दिनों में कोरोना विषाणु के मामले चिंताजनक ढंग से बढ़े हैं जहां काटाग्राम, वरच्छा और सरथाना इलाकों में कई लोग संक्रमित पाए गए हैं। इन इलाकों में हीरे की पॉलिश करने वाली कई इकाइयां हैं।

रूपाणी ने संवाददाताओं से कहा कि सांसद सीआर पाटिल, विधायक कुमार कनानी और स्थानीय नेता हीरा और कपड़ा उद्योगों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता ढूढेंगे। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी रविवार को उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे जहां इस बात पर निर्णय लिया जाएगा कि कोरोना के प्रसार का जोखिम लिए बगैर उद्योग धंधा कैसे काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा धन्वंतरि रथ स्थानीय लोगों के बीच रोकथाम संबंधी दवाओं का वितरण करने के लिए रोजाना 500 स्थानों पर जाएंगे। शुक्रवार को, सूरत नगर निगम ने विषाणु के प्रसार को रोकने के लिए प्रभावित इलाकों में पान की दुकानों को भी बंद रखने का आदेश दिया है। सूरत में अब तक कोविड-19 के 5,461 मामले सामने आए हैं जिनमें से 198 की मौत हो गई है और 1,803 मरीजों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

बिस्तर की कमी से कोरोन मरीज को दिन भर एंबुलेंस में रखा

32 हजार का इंजेक्शन खरीदने के पैसे नहीं थे, हुई मौत

मुंबई, 4 जुलाई (भाषा)।

नवी मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मरने वाले 64 वर्षीय व्यक्ति के परिजनों ने आरोप लगाया है कि बिस्तर की कमी के कारण अस्पताल में भर्ती हो पाने से पहले उन्हें पूरे एक दिन एम्बुलेंस में ही रखा गया। आखिरकार, जब उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया तो परिवार के पास इंजेक्शन खरीदने तक के पैसे नहीं थे, जिसकी कीमत 32,000 रुपए थी। एक म्यूजिक बैंड में काम करने वाले इस मरीज की 25 जून को मौत हो गई। उनके बेटे ने बताया, 'उन्हें 20 जून को खांसी और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। हम उन्हें वाशी के नवी मुंबई नगर निगम के कोविड अस्पताल ले गए। वहां ऑक्सीजन की आपूर्ति वाला कोई बिस्तर उपलब्ध नहीं था, इसलिए हमें किसी और अस्पताल में जाने को कहा गया।'

उनके बेटे ने कहा, 'मैंने उनसे पूछा भी कि आप ही बताएं...कहां लेकर जाऊं, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं बताया, सिर्फ इतना कहा कि निजी अस्पताल ले जाओ।' मृतक के बेटे ने बताया, 'फिर मैंने अस्पताल ढूंढना शुरू किया। कुछ अस्पतालों के मना करने के बाद मैंने ऑक्सीजन आपूर्ति वाली एंबुलेंस मंगवाई।' अगले दिन मरीज को कोपरखैरणे इलाके में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक के बेटे ने आरोप लगाते हुए कहा, 'जब डॉक्टर ने उसे बताया कि उसके पिता को एक इंजेक्शन लगाने की जरुरत है, जिसकी कीमत 32,000 रुपए है, तब वह मदद के लिए स्थानीय निकाय के पास गया लेकिन वहां पदाधिकारियों ने हाथ खड़े कर दिए।' उसने बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए जाने के चार दिन बाद उसके पिता की मृत्यु हो गई। उसने बताया, 'शव वाहन तीन घंटे बाद आया, जिसमें कोई कर्मचारी नहीं था। मैंने और मेरे एक रिश्तेदार ने पीपीई पहना और शव को अंत्येष्टि के लिए लेकर गए।' उसने इस बात पर तकलीफ जताई कि स्थानीय होने, करदाता होने के बावजूद निकाय ने उसके पिता को बचाने के लिए एक इंजेक्शन की व्यवस्था नहीं की। उसने यह भी कहा, 'मैं अब मीडिया को यह कह रहा हूं क्योंकि मैं नहीं चाहता कि किसी और मरीज को इस तरह मरना पड़े। नवी मुंबई नगर निगम को अपनी मेडिकल सुविधाएं दुरूस्त करनी चाहिए।'

भारत-बांग्लादेश सीमा के पास फेंसीडिल कफ सिरप की 194 बोतलें जब्त, एक गिरफ्तार

मालदा, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर फेंसीडिल कफ सिरप की कुल 194 बोतलें जब्त की गईं और इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता रविरंजन ने बताया कि शुक्रवार रात गश्त के दौरान बीएसएफ के जवानों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के एक हिस्से में आवाजाही देखी। जब सैनिकों को शक हुआ, तब उन्होंने तस्करों को रोकने की कोशिश की, तो धारीदार हथियारों से लैस 8 से 10 लोगों ने जवानों को घेर लिया।

उन्होंने बताया कि बीएसएफ के एक जवान ने हवा में एक राउंड गोली चलाई, जिसके बाद तस्कर सामान छोड़कर मौके से भाग गए। सैनिकों ने तस्करों का पीछा किया और उनमें से एक को दबोचने में सफल रहे जबकि शेष भागने में सफल रहे। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान मालदा जिले के कालियाचक इलाके के रहने वाले विप्लव मंडल के रूप में हुई है। तस्करों द्वारा छोड़े गए सामान से फेंसीडिल कफ सिरप की 194 बोतलें जब्त की गईं।

पूर्णबंदी : पश्चिम बंगाल में बस टिकट छपाई कारोबार प्रभावित

कोलकाता, 4 जुलाई (जनसत्ता)।

पूर्णबंदी (लॉकडाउन) के दौरान निजी बस सेवाओं पर अस्थाई रोक से न केवल बस संचालक एवं उनके कर्मचारी बल्कि टिकट छपाई करने वाले प्रिंटिंग प्रेस समेत उनसे जुड़े सभी सहायक धंधे भी प्रभावित हुए हैं।

एक छोटा प्रिंटिंग प्रेस चलाने वाले भास्कर मैती ने कहा कि पूर्णबंदी के दौरान उनका कारोबार बिल्कुल रसातल में चला गया जो जून के प्रारंभ में सेवाओं के बहाल होने के बाद भी अधिक नहीं उठ पाया। मैती के प्रिंटिंग प्रेस में बस टिकटों की छपाई होती है।

मैती ने कहा कि अब भी कई बसों के सड़कों पर नहीं उतरने से यह धंधा आम दिनों की तुलना में बड़ा मंदा है। उन्होंने कहा कि एक लाख टिकट 1500 रूपए में बिकते हैं। औसतन एक प्रिंटिंग प्रेस में एक महीने में 25-26 लाख टिकट छपते हैं और वह 250 बसों को अपनी सेवा प्रदान करता है। एक अन्य प्रिंटिंग प्रेस के मालिक अरूणेश बोस ने कहा कि वह कोविड-19 से पहले हर महीने करीब 40000 रूपए का टिकट बेच लेते थे और करीब 15000 रूपए की कमाई हो जाती थी । खर्च में कर्मियों की तनख्वाह भी शामिल है।

मैती ने कहा कि उनके प्रेस में पिछले महीने बस दो तीन लाख टिकट छपे, जिससे उनके लिए जरूरतें पूरा करना मुश्किल हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि परिवार का खर्च इस संकट में लगातार मुश्किल होता जा रहा है।

वैसे बोस ने उम्मीद जतायी कि कार आने वाले दिनों में कारोबार की स्थिति सुधरेगी क्योंकि और निजी बसें शहर और जिलों में सड़कों पर लौटेंगी। कई निजी संचालकों ने ईंधन के दाम बढ़ने तथा कोविड-19 जन्य परिस्थिति में यात्रियों की संख्या सीमित रखने की शर्त के कारण किराए में वृद्धि करने की मांग करते हुए पिछले महीने अपनी बसें सड़कों से हटा ली थी।

इसके साथ ही परिवहन सचिव के साथ बुधवार को बैठक के बाद संचालकों के एक वर्ग ने आश्वासन दिया कि और बसें सड़कों पर उतारी जाएंगी।

हर कीमत पर आर्थिक गलियारे को पूरा करेंगे : इमरान खान

इस्लामाबाद, 4 जुलाई (भाषा)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार महत्त्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को किसी भी कीमत पर पूरा करेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 60 अरब डॉलर की यह परियोजना दो देशों की सदाबहार दोस्ती की प्रतीक है।

परियोजना दो देशों की सदाबहार दोस्ती की प्रतीक है

स्थानीय अखबार डॉन की एक खबर के अनुसार, खान ने सीपीईसी परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए यहां हुई बैठक में कहा कि यह पाकिस्तान के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए शानदार परियोजना है।

इसके साथ ही इमरान खान कहा कि यह विशाल व बहुआयामी मुहिम पाकिस्तान के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'यह गलियारा पाकिस्तान तथा चीन की दोस्ती का प्रतीक है और मेरी सरकार इसे किसी भी कीमत पर पूरा करेगी व पाकिस्तान के हर नागरिक तक इसके फायदे पहुंचाएगी।'

इसके साथ ही खान का यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने एक ही दिन पहले पाकिस्तान के अपने समकक्ष शाह महमूद कुरैशी के साथ फोन पर हुई बातचीत में सीपीईसी परियोजना के बारे में चर्चा की थी।

वांग ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए सीपीईसी की परियोजनाओं को तेज करने की जरूरत पर बल दिया था।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी उम्मीद जताई थी कि पाकिस्तान की सरकार वहां काम कर रही चीन की कंपनियों व चीन के लोगों को बेहतर सुरक्षा मुहैया कराएगी।

तालिबान संग शांति समझौता आर्थिक दृष्टि से फायदेमंद

इस्लामाबाद, 4 जुलाई (एपी)।

अफगानिस्तान के लिए नियुक्त अमेरिकी दूत ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि तालिबान के साथ शांति समझौते के आर्थिक फायदे होंगे। अपने इस बयान के जरिए उन्होंने उस समझौते की दिशा में क्रमिक रूप से आगे बढ़ने की कोशिश की, जो अमेरिका और क्षेत्रीय स्तर पर नयी राजनीतिक अड़चनों का सामना कर रहा है।

जलमय खलीलजाद हफ्ते भर लंबी अपनी यह यात्रा संपन्न कर रहे हैं जिनमें उनका पड़ाव उजबेकिस्तान, पाकिस्तान और कतर में था। कतर में ही तालिबान वार्ताकारों का मुख्यालय है।

उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान में 19 साल से चले आ रहे युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका ने तालिबान के साथ फरवरी में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किया था। अपनी इस पूरी यात्रा के दौरान खलीलजाद ने शांति समझौते के आर्थिक फायदों पर जोर देने की कोशिश की। अमेरिकी दूत ने शनिवार सुबह सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि उन्होंने कतर निवेश प्राधिकरण और तालिबान के मुख्य वार्ताकार मुल्ला अब्दुल गनी से कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात की।

अमेरिकी दूत ने शनिवार सुबह सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि उन्होंने कतर निवेश प्राधिकरण और तालिबान के मुख्य वार्ताकार मुल्ला अब्दुल गनी से कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात की। खलीलजाद ने ट्वीट किया कि हम इस बात से सहमत हुए कि शांति के लिए विकास योजनाएं अतिशीघ्र शुरू नहीं हो सकती।

खलीलजाद ने ट्वीट किया कि हम इस बात से सहमत हुए कि शांति के लिए विकास योजनाएं अतिशीघ्र शुरू नहीं हो सकती। वहीं, तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट से संपर्क से होने से इनकार करते हुए कहा कि चरपमंथी शांति समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं। खलीलजाद ने क्षेत्र की पिछले हफ्ते अपनी यात्रा शुरू की। हालांकि, कोविड-19 महामारी के खतरे का हवाला देते हुए उन्होंने अफगानिस्तान की यात्रा नहीं की और इसके बजाय अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी और सरकार में उनके साझेदार अब्दुल्ला अब्दुल्ला से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बात की।

खलीलजाद से मुलकात के ठीक 48 घंटे बाद पाक विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। खलीलजाद अपनी ताजा कूटनीतिक यात्रा संपन्न कर रहे हैं, लेकिन अफगान सरकार और अन्य स्थानीय हितधारकों के साथ तालिबान को साथ लाने वाली अफगान वार्ता के लिए कोई नयी तारीख अभी निर्धारित नहीं की गई है।

सोशल मीडिया पर पहुंच बढ़ाने के लिए ट्रंप-बाइडेन में मुकाबला

वाशिंगटन, 4 जुलाई (एपी)।

कोरोना संक्रमण के बीच अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन अपनी-अपनी प्रचार मुहिमों के लिए सोशल मीडिया मंचों पर निर्भर हैं। ऐसे में दोनों उम्मीदवार इन मंचों के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने की भरसक कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप फेसबुक पर अपने चुनाव प्रचार मुहिम अकाउंट के जरिए रोजाना औसतन 14 पोस्ट अपने दो करोड़ 80 लाख फोलोवर्स को भेजते हैं, जबकि उनके डेमोक्रिटक प्रतिद्वंद्वी बाइडेन के मात्र 20 लाख फोलोवर्स हैं।

इसी प्रकार, बाइडेन की तुलना में ट्रंप की अन्य सोशल मीडिया मंचों पर पहुंच और फोलोवर की संख्या बहुत अधिक है। ऐसे में बाइडेन ने सोशल मीडिया पर अपनी पहुंच बढ़ाने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

ट्विटर पर ट्रंप के आठ करोड़ 24 लाख और बाइडेन के 64 लाख फोलोवर हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीम बनाने वाले और राजनीतिक रूप से प्रभावित करने वाले लोगों की डिजिटल 'सेना' तैयार करने में वर्षों लगाए हैं। ये लोग ट्रंप चुनाव प्रचार मुहिम के संदेशों को रोजाना सैकड़ों बार रिट्वीट करते हैं। गूगल और यूट्यूब पर ट्रंप बाइडेन की तुलना में तिगुना धन खर्च कर रहे हैं।

बाइडेन और उनके सहयोगी अपना सोशल मीडिया बल तैयार करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। जून में पहली बार ऐसा हुआ, जब बाइडेन ने फेसबुक पर विज्ञापन के लिए ट्रम्प की तुलना में अधिक राशि खर्च की। उनकी चुनाव प्रचार मुहिम ऑनलाइन चंदा एकत्र करने के लिए इंटाग्राम समर्थकों को भर्ती कर रही है।

बाइडेन की एक योजना के तहत टिकटॉक के सैंकड़ों किशोरों ने ट्रंप की हालिया ओकलाहोमा प्रचार रैली के लिए टिकट बुक किए और रैली शुरू होने से पहले लोगों की संख्या कृत्रिम रूप से बढ़ाई, जिसके कारण ट्रम्प की रैली में उम्मीद के मुताबिक लोग एकत्र नहीं हुए। बाइडेन की तमाम कोशिशों के बावजूद वे अब भी ट्रंप से पीछे हैं। डिजिटल कंपनी 'एक्रोनिम' की संस्थापक तारा मैक्गोवान ने कहा कि बाइडेन और ट्रंप के बीच इस समय विभिन्न चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप को अपने आधार को बचाने की आवश्यकता है और बाइडेन को नए मतदाताओं और संभावित समर्थकों के बीच पैठ बनानी है। हालांकि ट्विटर, स्नैपचैट, रेडिट और फेसबुक समेत कई सोशल मीडिया मंचों ने घृणा पैदा करने वाले भाषणों और भ्रामक जानकारी देने वाले संदेशों के खिलाफ कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, जिसके कारण ट्रंप की चुनाव प्रचार मुहिम को काफी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

ट्विटर पर ट्रंप के आठ करोड़ 24 लाख

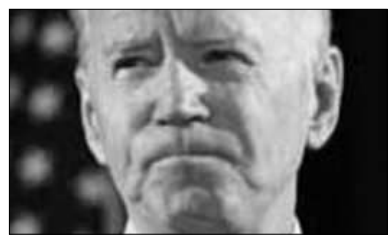

ट्विटर पर जो बाइडेन के महज 64 लाख फोओवर हैं

भारतीय-अमेरिकी समुदाय का न्यूयॉर्क में प्रदर्शन

न्यूयॉर्क, 4 जुलाई (भाषा)।

न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक टाइम्स स्क्वॉयर पर बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी लोगों ने चीन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए 'भारत माता की जय' और अन्य देशभक्ति नारे लगाए। साथ ही, उन्होंने भारत के खिलाफ चीन की आक्रमकता को लेकर उसका (चीन का) आर्थिक बहिष्कार करने और उसे राजनयिक स्तर पर अलग-थलग करने की भी मांग की। न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी में रह रहे भारतीयों और 'भारतीय संघों के परिसंघ' (एफआइए) के अधिकारियों ने 'चीन निर्मित वस्तुओं का बहिष्कार करो', 'भारत माता की जय' और 'चीनी आक्रामकता को रोको' जैसे नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों ने कोरोना वैश्विक महामारी के मद्देनजर चेहरे पर मास्क पहनकर प्रदर्शन किया। उनके हाथों में 'हम शहीद जवानों को सलाम करते हैं' के पोस्टर थे। प्रदर्शन में तिब्बती और ताइवानी समुदाय के सदस्य भी शामिल हुए। उन्होंने 'तिब्बत भारत के साथ खड़ा है', 'मानवाधिकारों, अल्पसंख्यक समुदायों के धर्मों, हांगकांग के लिए न्याय', 'चीन मानवता के खिलाफ अपराध रोके' और 'चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करो' के पोस्टर ले रखे थे। समुदाय के नेताओं, प्रेम भंडारी और जगदीश सहवानी ने शुक्रवार को इस प्रदर्शन का आयोजन किया। 'जयपुर फुट यूएसए' के अध्यक्ष भंडारी ने कहा कि आज का भारत 1962 के भारत से अलग है। हम चीनी आक्रामकता और इसकी अंतरराष्ट्रीय धौंस को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम चीन के अहंकार का करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ एक हिसंक झड़प में 20 (भारतीय) जवानों के शहीद होने से बहुत व्यथित हैं।

बहुप्रणाली माल परिवहन अधिनियम की जगह एक राष्ट्रीय माल परिवहन कानून लाने का विचार

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

माल अधिनियम के बहुप्रणाली परिवहन कानून के स्थान पर वाणिज्य मंत्रालय एक पूर्ण विकसित राष्ट्रीय माल परिवहन (उपस्कर या लॉजिस्टिक्स) कानून लाने के बारे में विचार कर रहा है। इस पहल का मकसद माल परिवहन की सुविधा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देना है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के माल परिवहन सुविधा (लॉजिस्टिक्स) विभाग में विशेष सचिव पवन अग्रवाल ने कहा कि एक राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स दक्षता और उन्नयन पूर्वानुमान योग्य व सुरक्षा कानून (एनएलईएपीएस) विचाराधीन है। इस कानून का मकसद सामान परिवहन क्षेत्र के विभिन्न भागीदारों को परिभाषित करना और एक आसान नियामकीय पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

उन्होंने उद्योग चेंबर पीएचडीसीसीआइ द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कहा कि लॉजिस्टिक्स सेक्टर का क्या काम है, यह अभी हमारे लिए बहुत स्पष्ट नहीं है। उसेअभी हमें स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की जरूरत है कि लॉजिस्टिक्स सेक्टर क्या है और इसमें कौन-कौन से तत्त्व हैं। इस दिशा मैं सिर्फ इस सोच को साझा कर रहा हूं कि पहले के कानून (बहुप्रणाली माल परिवहन अधिनियम) को हम एक विस्तृत राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कानून के साथ बदलने पर विचार कर रहे हैं। मल्टीमॉडल परिवहन में माल की 'एंड-टू-एंड डिलीवरी' के लिए एक से अधिक तरीकों जैसे रेल, सड़क या समुद्र इत्यादि का संयोजन शामिल है। विशेष सचिव ने नए कानून के बारे में उद्योग जगत के विचार मांगे हैं।

तीन भारतीय कंपनियों ने दिखाई मुंबई मोनोरेल परियोजना में रुचि

मुंबई, 4 जुलाई (भाषा)।

तीन भारतीय कंपनियों ने मुंबई की मोनोरेल परियोजना के लिए रैक बनाने में रुचि दिखाई है। कुछ सप्ताह पहले मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने इस परियोजना के लिए चीन की दो कंपनियों की बोली को खारिज कर दिया था।

पिछले महीने एमएमआरडीए ने जैकब सर्कल-वडाला-चेंबूर मोनोरेल परियोजना के लिए 10 रैक खरीदने के 500 करोड़ रुपए के ठेके को रद्द कर दिया था। चीन की दो कंपनियों ने रैक आपूर्ति करने की इच्छा जताई थी। एमएमआरडीए का कहना था कि ये कंपनियां अपनी शर्तें थोपना चाहती हैं। प्राधिकरण ने शनिवार को ट्वीट किया कि तीन भारतीय कंपनियों ने मोनोरेल रोलिंग स्टॉक के डिजाइन और विकास में रुचि दिखाई है।

एमएमआरडीए के आयुक्त आरए राजीव ने इससे पहले कहा था कि प्राधिकरण इस बारे में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स (बीएचईएल), भारत अर्थ मूवर्स (बीईएमएल) सहित कई भारतीय कंपनियों से बातचीत कर रहा है। एमएमआरडीए के एक अधिकारी ने कहा कि बीएचईएल, बीईएमएल और निजी क्षेत्र की कंपनी टीटागढ़ ने इस परियोजना में रुचि दिखाई है। एमएमआरडीए ने कहा कि बीईएमएल को पहले ही मेट्रो 2ए (दहिसर-डीएन नगर) और मेट्रो-7 (दहिसर ईस्ट-अंधेरी ईस्ट) के लिए मेट्रो रैक बनाने का ठेका मिल चुका है।

साउथंपटन में शुक्रवार को अभ्यास मैच के तीसरे दिन चौका लगाने के बाद इंग्लैंड के जोस बटलर।

अर्जुन अटवाल ने कट में प्रवेश किया

डेट्रोएट (मिशिगन), 4 जुलाई (भाषा)।

भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल फिर कुछ शॉट में चूक गए लेकिन इसके बावजूद भी वह रॉकेट मोर्टगेज क्लासिक में कट में जगह बनाने में सफल रहे। पीजीए टूर पर जीत का स्वाद चखने वाले एकमात्र भारतीय गोल्फर ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेला जिसमें एक ईगल भी शामिल था। इस 47 साल के भारतीय का दो दिन का कुल स्कोर पांच अंडर 139 है जो कट में हासिल करने के लिए जरूरी था। वह संयुक्त रूप से 55वें स्थान पर चल रहे हैं। वेब सिंपसन और क्रिस किर्क 12 अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, शीर्ष खिलाड़ी राजस्व अनुमानों पर सहमत

सिडनी, 4 जुलाई (एपी)।

शीर्ष क्रिकेटरों ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता किया है कि वह कोरोना वायरस महामारी की अनिश्चितता के दौरान भविष्य के राजस्व के अपने मूल्यांकन को स्थगित कर दें। शनिवार को इस समझौते के घोषित होने से पिछले एक महीने से चला आ रहा गतिरोध खत्म हो गया। इससे पहले जून में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2020-21 वित्तीय वर्ष में राजस्व में लगभग 50 प्रतिशत कमी का अनुमान लगाया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अब पूवार्नुमान हटा दिया है और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट राजस्व के पूवार्नुमान विवाद के अपने नोटिस को वापस ले लिया है।

एलीट युवा योजना के लिए एआइएफएफ को पूर्ण सदस्यता मिली

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) को एएफसी एलीट युवा योजना में पूर्ण सदस्यता से सम्मानित किया है। एआइएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा, 'एएफसी एलीट युवा योजना ने सभी सदस्य संघों के लिए अपनी युवा फुटबॉल संरचना का मूल्यांकन करने के लिए एक मानदंड निर्धारित किया है। एआइएफएफ युवा लीग संरचना को तैयार करने और भारत में फुटबॉलरों की गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए सभी मानदंडों को पूरा करने की दिशा में काम कर रहा है।' भारतीय फुटबॉल तकनीकी निदेशक इसाक दोरु ने कहा कि फुटबॉल के विकास के लिए शीर्ष अकादमियों का होना बहुत जरूरी है।

एटलेटिको ने मालोर्का पर 3-0 से जीत हासिल की

चार महीने बाद जे-लीग की वापसी

बार्सीलोना, 4 जुलाई (एपी)।

एलवारो मोराटा के दो गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने मालोर्का पर 3-0 से जीत हासिल की और स्पेनिश फुटबॉल लीग में अपना स्थान मजबूत किया।

डिएगो सिमोन की टीम खिताब की दौड़ से काफी समय से बाहर चल रही थी जिसे शीर्ष पर चल रहे रियाल मैड्रिड और दूसरे स्थान पर चल रहे बार्सीलोना ने पछाड़ दिया था जिनसे वह आठ अंक से पिछड़ रही है।

एटलेटिको मैड्रिड अब ला लीगा में तीसरे स्थान पर रहने की दौड़ में हैं। मार्च में जब लीग निलंबित हुई थी तब वह अगले सत्र के लिए चैंपियंस लीग स्थान हासिल करने में जूझ रही थी।

स्पेनिश लीग जब कोविड-19 महामारी के कारण तीन महीने के विलंब के बाद शुरू हुई थी, तब से एटलेटिको को सात मैचों में एक में भी हार का मुंह नहीं देखना पड़ा है।

तोक्यो के नजदीक योकोहामा के निपात्सु स्टेडियम में शनिवार को मुकाबले के दौरान योकोहामा व होकैदो के खिलाड़ी।

तोक्यो, 4 जुलाई (एपी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण चार महीने तक स्थगित रहने के बाद जापान की पेशेवर फुटबॉल लीग (जे-लीग) शनिवार को फिर से शुरू हुई।

लीग के फिर से शुरू होने पर सभी 18 शीर्ष टीमों मैदान में उतरी जहां प्रशंसको की गैरमौजूदगी में नौ मैच खेले गए। इस दौरान गत चैंपियन योकोहामा का सामना उरवा रेड्स से तोक्यो के बाहरी इलाके में स्थित साइतामा में हुआ।

जे-लीग के शीर्ष डिविजन में केवल एक दौर के मैच के बाद फरवरी में स्थगित कर दिया गया था। जापान की लोकप्रिय प्रो-बेसबॉल लीग भी स्टेडियम में दर्शकों के बिना पिछले महीने फिर से शुरू हुई थी।

पहले टैस्ट के लिए इंग्लैंड टीम घोषित, बेयरस्टो और मोईन की अनदेखी

लंदन, 4 जुलाई (भाषा)।

इंग्लैंड ने अगले हफ्ते वेस्ट इंडीज के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टैस्ट श्रृंखला के पहले टैस्ट के लिए शनिवार को 13 सदस्यीय टीम का चयन किया जिसमें मोईन अली और विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो को शामिल नहीं किया गया।

ऑल राउंडर बेन स्टोक्स कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। टीम में तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्राड, जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड के अलावा आल राउंडर स्टोक्स और क्रिस वोक्स शामिल हैं।

स्पिन विभाग में जैक लीच के बजाय स्पिन गेंदबाज डॉम बेस को तरजीह दी गई। बेस को ट्रेनिंग के दौरान शानदार प्रदर्शन के आधार पर टीम में शामिल किया गया।

लीच नौ खिलाड़ियों के रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं लेकिन इनसे ज्यादा अनुभवी मोईन को इसमें जगह नहीं दी गई। बेयरस्टो को भी ट्रेनिंग करने वाले 30 खिलाड़ियों के दल में से टीम में शामिल नहीं किया गया।

बेन स्टोक्स

ऑल राउंडर बेन स्टोक्स कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। टीम में तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्राड, जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड के अलावा आल राउंडर स्टोक्स और क्रिस वोक्स शामिल हैं।

टीम इस प्रकार हैं:

बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोफ्रा आर्चर, डॉम बेस, स्टुअर्ट ब्राड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर (विकेटकीपर), जाक क्रॉले, जो डेनली, ओली पोप, डॉम सिबले, क्रिस वोक्स, मार्क वुड। रिजर्व खिलाड़ी: जेम्स ब्रेसी, सैम कुरेन, बेन फोक्स (विकेटकीपर), डैन लारेंस, जैक लीच, साकिब महमूद, क्रेग ओवरटन, ओली रोबिनसन और ओली स्टोन।

फुटबॉल दिल्ली ने खिलाड़ियों की पंजीकरण फीस माफ की

जनसत्ता संवाददाता/भाषा
नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

फुटबॉल दिल्ली ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण और क्लब एवं अकादमियों की मान्यता और लाइसेंस फीस माफ करने का फैसला किया है।

यह फैसला शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित फुटबॉल दिल्ली की कार्यकारी समिति की बैठक में लिया गया। इसकी अवधि 31 मार्च 2021 तक रहेगी।

फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष शाजी प्रभाकरण ने विज्ञप्ति के जरिए कहा, 'इस फैसले से क्लब और अकादमी काफी धन राशि की बचत कर पाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'कोविड-19 महामारी के कारण खिलाड़ी, रेफरी, दिल्ली के क्लब एवं फुटबॉल अकादमी वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। इस कठिन समय में उनके साथ एकजुटता दिखाते हुए हम कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं।'

इसके साथ ही कार्यकारी समिति ने तीन अगस्त को दिल्ली फुटबॉल दिवस के मौके पर डिजिटल फुटबॉल सम्मेलन का आयोजन करने का फैसला किया। इस दिन भारतीय कप्तान और दिल्ली के खिलाड़ी सुनील छेत्री का जन्मदिन भी है।

डिजिटल सम्मेलन का विषय 'दिल्ली को विविधता वाला फुटबॉल शहर बनाना' रहेगा।

शाजी प्रभाकरण

'महामारी के कारण खिलाड़ी, रेफरी, दिल्ली के क्लब एवं फुटबॉल अकादमी वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। इस कठिन समय में उनके साथ एकजुटता दिखाते हुए हम कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं।'

-शाजी प्रभाकरण
अध्यक्ष, फुटबॉल दिल्ली

दो ओलंपिक स्वर्ण के अलावा पांच विश्व चैंपियनशिप भी जीता

लिन डैन ने अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन को अलविदा कहा

बेजिंग, 4 जुलाई (भाषा)।

बैडमिंटन के इतिहास में महानतम खिलाड़ियों में शुमार दो बार के ओलंपिक चैंपियन चीन के लिन डैन ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन को अलविदा कहकर दो दशक के लंबे सुनहरे करिअर का पटाक्षेप कर दिया।

लगातार दो बार ओलंपिक पुरूष एकल खिताब जीतने वाले एकमात्र बैडमिंटन खिलाड़ी 'सुपर डैन' ने चीन के ट्विटर जैसे सोशल मीडिया वीबो पर यह जानकारी दी।

'मैंने कभी इस दिन के बारे में नहीं सोचा था। मैंने हरसंभव कोशिश और मेहनत की ताकि अपने करिअर को विस्तार दे सकूं।'

बेजिंग ओलंपिक 2008 और लंदन ओलंपिक 2012 में स्वर्ण पदक जीतने वाले 36 वर्ष के डैन ने कहा, '2000 से 2020 तक 20 साल बाद मैं राष्ट्रीय टीम को अलविदा कह रहा हूं। इसे कह पाना काफी मुश्किल है।'

उन्होंने कहा, 'इस उम्र में शरीर और चोटों का सिलसिला मुझे आगे खेलने की इजाजत नहीं देता। आने वाले समय में परिवार को ज्यादा वक्त दे पाऊंगा । एक नई प्रतिस्पर्धा के बारे में भी सोच रहा हूं।'

लिन डैन ने दो ओलंपिक स्वर्ण के अलावा पांच विश्व चैंपियनशिप खिताब और छह आल इंग्लैंड खिताब जीते। उन्होंने 666 एकल खिताब अपने नाम किए हैं।

प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) हॉकी इंडिया के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे जिससे उन्हें विविध ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिल सके।

हॉकी इंडिया के कोच, तकनीकी अधिकारी, अंपायर और अंपायर प्रबंधकों के लिए शनिवार से 19 जुलाई तक कुल 10 एएचएफ ऑनलाइन शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

हॉकी इंडिया से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, 'जून में विभिन्न एशियाई देशों के लिए एएचएफ ऑनलाइन शिक्षा कार्यशालाओं के सफल समापन के बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय कोच और तकनीकी अधिकारियों के लिए विशेष रूप से उसी तरह की कार्यशालाओं के संचालन के लिए एएचएफ से अनुरोध किया था। इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है।'

इंग्लैंड के नॉर्विच में शनिवार को ब्राइटन व नॉर्विच सिटी के बीच इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले के दौरान खाली दर्शक दीर्घा में बैठे कर्मचारी। मुकाबले में ब्राइटन ने नॉर्विच को 1-0 से पटखनी दी।

सूनापन

भारतीय प्रशिक्षकों के लिए वेतन की ऊपरी सीमा हटाएगा खेल मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जुलाई (भाषा)।

खेल मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय कोचों द्वारा एलीट एथलीटों को प्रशिक्षण देने पर वेतन की ऊपरी सीमा दो लाख रुपए को हटाने की घोषणा की, ताकि वे बेहतर परिणाम देने के लिए प्रोत्साहित हों और पूर्व खिलाड़ियों को हाई परफोर्मेंस प्रशिक्षक बनने के लिए उत्साहित किया जा सके।

मंत्रालय ने शुक्रवार को सभी विदेशी कोचों के अनुबंध को अगले साल 30 सितंबर तक बढ़ने का फैसला किया जिसके बाद यह घोषणा की गई। इसके साथ ही ओलंपिक से तालमेल बैठाते हुए अब भारतीय और विदेशी कोच को चार साल के लिए चुनने का फैसला किया गया।

खेल मंत्री किरेन रिजीजू ने यहां जारी बयान में कहा, 'कई भारतीय कोच बहुत अच्छे परिणाम दे रहे हैं और उन्हें कड़ी मेहनत के लिए पुरस्कृत करने की आवश्यकता है। सरकार देश भर से सर्वश्रेष्ठ कोचिंग प्रतिभाओं को आकर्षित करने की इच्छुक है। एलीट एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए हम नहीं चाहते हैं कि कोच के ऊपरी वेतन की कोई सीमा कोई रूकावट बने।'

मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूर्व दिग्गज एथलीटों को खेल तंत्र में आकर्षित करने के लिए बढ़ी हुई पारिश्रमिक और लंबी अनुबंध अवधि की पेशकश की जाएगी। इसका मकसद ओलंपिक सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए उनके अनुभव और कौशल का उपयोग करने है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे घरेलू कोच बेहतर नतीजे देने के लिए प्रेरित होंगे क्योंकि उन्हें विदेशी कोच के समकक्ष रखा जाएगा।

ट्रेनिंग बहाल होने के दौरान किए गए थे परीक्षण | **कोरोना का कहर** | **सात बार के नासकार चैंपियन जिम्मी जॉनसन भी हुए ग्रसित**

मेजर लीग बेसबॉल के 31 खिलाड़ी व सात कर्मचारी संक्रमित

न्यूयार्क, 4 जुलाई (एपी)।

मेजर लीग बेसबॉल (एमएलबी) के 31 खिलाड़ी और सात स्टाफ सदस्य कोरोना वायरस की जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं।

ट्रेनिंग बहाल होने के दौरान ये परीक्षण किए गए थे। एमएलबी और खिलाड़ियों के संघ ने शुक्रवार को जांच के नतीजों की घोषणा की।

टीमों ने लीग के कोरोना वायरस के कारण 12 मार्च से निलंबित होने के बाद पहली बार ट्रेनिंग शुरू की थी।

इस दौरान 30 टीमों की जांच की गई थी। इन 30 टीमों में से 19 टीमों में कोरोना के मामले पॉजिटिव आए। नमूनों के नतीजों को दक्षिण जोर्डन में खेल चिकित्सा शोध एवं परीक्षण प्रयोगशाला में भेज दिया गया है। जांच के दौरान 3185 नमूने एकत्र किए गए थे जिनमें से इन मामलों की पुष्टि हुई है।

सात बार के नासकार चैंपियन जॉनसन इस हफ्ते के अंत में इंडियानापोलिस मोटर स्पीडवे में होने वाली रेस में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

जिमी जॉनसन संक्रमित पाए जाने वाले पहले नासकार ड्राइवर

इंडियानापोलिस, 4 जुलाई (एपी)।

सात बार के नासकार चैंपियन जिमी जॉनसन कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं और वह इस हफ्ते के अंत में इंडियानापोलिस मोटर स्पीडवे में होने वाली रेस में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

किसी भी नासकार सीरीज में कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने वाले 44 वर्षीय जॉनसन पहले ड्राइवर हैं। इससे किसी अन्य रेस के प्रभावित होने का कोई संकेत नहीं मिला है।

हेंड्रिक मोटरस्पोर्ट्स ने कहा कि जॉनसन तब तक रेस में नहीं लौटेंगे जब तक डॉक्टर उन्हें मंजूरी नहीं दे देते। उन्हें शुक्रवार को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया जब उनकी पत्नी चानी एलर्जी जैसे लक्षण पाए जाने के बाद पॉजिटिव मिलीं। हालांकि जॉनसन में अभी तक कोई लक्षण नहीं हैं।

रजिस्ट्रेशन नं. एमएम एंड पीओ/ डब्ल्यूबी/ आरएनपी- 351/2003, आरएनआई नं. 53037/1991, वर्ष 29, अंक 245 हवाई शुल्क : अगरतला 4 रु., सिलचर और पोर्टब्लेयर 6 रु.।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए वी श्रीनिवासन द्वारा सरस्वती प्रिंट फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, 789 चौभागा (पश्चिम), कोलकाता-700105 से मुद्रित व वी श्रीनिवासन द्वारा जेएल नं. 29 व 30, नेशनल हाइवे- 6, मौजा- प्रशस्था व अंकुरहाटी, पोस्ट- सलप, डोमजूर, हावड़ा- 711409 से प्रकाशित। फोन : (033) 66043800 फैक्स : (033) 66043825 व 66043847 **बोर्ड अध्यक्ष : विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादक : मुकेश भारद्वाज*** *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइट : दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।